ख़बरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :31°C
न्यूनतम: 23°C

देहरादून, बुधवार 16 जुलाई 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 24 अंक 343 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | श्रावण कृष्ण पक्ष 5 विक्रमी सम्वत् 2082 | 20 मुहर्रम 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

सेना पर टिप्पणी के मामले में राहुल गांधी को मिली जमानत पेज 2

क्रिकेटर यश दयाल को हाईकोर्ट से मिली राहत, गिरफ्तारी पर रोक खेल टाइम्स

हिन्दी के वैश्विक उदय को समझिए, क्षेत्रीय राजनीति की भेंट मत चढ़ाइए सम्पादकीय

ट्रम्प ने रूस पर टैरिफ लगाने की दी धमकी पेज 12

इतिहास रच धरती पर लौटे शुभांशु

अंतरिक्ष से 23 घंटे के सफर के बाद ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट की कैलिफोर्निया में हुई लैंडिंग

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर जाने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला एक्स-4 मिशन के अपने तीन अन्य साथियों के साथ मंगलवार को धरती पर लौट आए। करीब 23 घंटे के सफर के बाद ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट की 15 जुलाई को दोपहर 3 बजे कैलिफोर्निया के तट पर लैंडिंग हुई। इसे स्प्लैशडाउन कहते हैं।

चारों एस्ट्रोनॉट एक दिन पहले यानी सोमवार की शाम 4.45 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से पृथ्वी के लिए रवाना हुए थे। स्पेसएक्स का ड्रैगन अंतरिक्ष यान भारतीय समय के अनुसार दोपहर बाद तीन बजे के करीब समुद्र में उतरा। ग्रुप कैप्टन शुक्ला और उनके साथी अंतरिक्ष यात्रियों ने आईएसएस पर 18 दिन बिताए। इस दौरान उन्होंने कई वैज्ञानिक अनुसंधानों को अंजाम दिया। स्पेसएक्स के फॉल्कन-9 रॉकेट से जुड़े ड्रैगन कैप्सूल में इन्होंने कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी। चारों अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर यान भारतीय समय के अनुसार सोमवार दोपहर बाद चार बजकर 35 मिनट पर आईएसएस से रवाना हुआ था। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला इस मिशन में पायलट के तौर पर शामिल हुए थे। अपने साथियों के साथ वहां उन्होंने कई अनुसंधान मिशनों को अंजाम दिया, जिनमें इसरो द्वारा तैयार किए गए मिशन भी शामिल थे।

- ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और उनके साथी अंतरिक्ष यात्रियों ने आईएसएस पर 18 दिन बिताए

मोदी ने शुभांशु को सकुशल लौटने पर दी बधाई

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले देश के पहले अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को एक्सिओम-4 मिशन की सफलता के बाद अपने तीन अन्य साथियों के साथ मंगलवार को सकुशल धरती पर लौटने पर बधाई दी और उनका स्वागत किया। श्री मोदी एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मैं पूरे देश के साथ ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का स्वागत करता हू, जो अपने ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन से पृथ्वी पर लौट रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का दौरा करने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री के रूप में, उन्होंने अपने समर्पण, साहस और भावनाओं से करोड़ों सपनों को प्रेरित किया है।

कांवड़ यात्रा: क्यूआर कोड विवाद पर उप्र और उत्तराखंड सरकार को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकान मालिकों की जानकारी हासिल करने के उद्देश्य से कथित तौर पर 'क्यूआर कोड' प्रदर्शित करने के उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों के निर्देश को चुनौती देने वाली एक याचिका पर मंगलवार को उन्हें नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अपूर्वानंद झा और अन्य की ओर से दायर याचिका पर दोनों राज्यों को एक सप्ताह में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 22 जुलाई की तारीख मुकर्रर की है। गत 11 जुलाई से शुरू कांवड़ यात्रा आगामी नौ अगस्त तक चलेगी। अदालत के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता चंदर उदय सिंह, हुजेफा हमदी और शादान फरासत याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए, जबकि उत्तराखंड सरकार का पक्ष रखने उप महाधिवक्ता जतिंदर कुमार शेठी पेश हुए।

यमन में निमिषा को मिली दूसरी जिंदगी

सना, वार्ता

यमन में मौत की सजा पाने वाली केरल की नर्स निमिषा प्रिया की मौत की सजा फिलहाल टाल दी गई है। उसे 16 जुलाई को सजा-ए-मौत दी जानी थी। सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि भारतीय अधिकारियों के प्रयासों से निमिषा प्रिया की सजा टल गई है। भारतीय अधिकारी वहां के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्टिविस्ट ग्रुप और प्रभावशाली धार्मिक नेताओं ने इस मामले में दखल दिया, जिसके बाद निमिषा प्रिया की मौत की सजा स्थगित कर दी गई है। इससे पहले निमिषा को मौत की सजा से बचाने के लिए डिप्लोमैटिक लेवल पर भी कई कोशिशें की गई थीं। खबर यह भी है कि पीड़ित का परिवार अभी तक क्षमादान या ब्लड मनी (लगभग 8.5 करोड़ रुपये) स्वीकार करने के लिए सहमत नहीं हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में कंथापुरम के ग्रैंड मुफ्ती एपी अबूबकर -शेष पृष्ठ दो पर

- दोनों देशों के धर्मगुरुओं ने की बातचीत, एक्टिविस्ट ग्रुप और धार्मिक नेताओं ने मामले में दखल दिया
- पीड़ित का परिवार अभी तक क्षमादान या ब्लड मनी स्वीकार करने के लिए सहमत नहीं हुआ

मुंबई धमाके रोके जा सकते थे: उज्ज्वल निकम

नई दिल्ली। वरिष्ठ अधिवक्ता उज्ज्वल निकम ने कहा कि 1993 के मुंबई बम धमाके रोके जा सकते थे। अगर एक्टर संजय दत्त उस गाड़ी के बारे में पुलिस को बता देते, जिसमें से उन्होंने एके-47 बंदूक उठाई थी, तो ये धमाके कभी नहीं होते। हाल ही में निकम को राज्यसभा सदस्य मनोनीत किया गया है। उन्होंने बताया कि धमाकों से कुछ दिन पहले अबू सलेम (गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम का आदमी) हथियारों से भरी एक वैन लेकर संजय दत्त के घर आया था। उसमें हथगोले और एके-47 थी। संजय ने उसमें से कुछ हथियार ले लिए। बाद में उन्होंने सब लौटा दिए, लेकिन एक एके-47 रख ली। निकम ने कहा कि इस बारे में पुलिस को जानकारी न देना धमाकों का कारण बना, जिनमें इतने सारे लोग मारे गए। निकम ने ये बातें एक समाचार चैनल को दिए एक इंटरव्यू में कहीं। 12 मार्च 1993 को मुंबई के अलग-अलग इलाकों में सिलसिलेवार 13 बम धमाके हुए थे। इसमें 257 लोगों की मौत हुई -शेष पृष्ठ दो पर

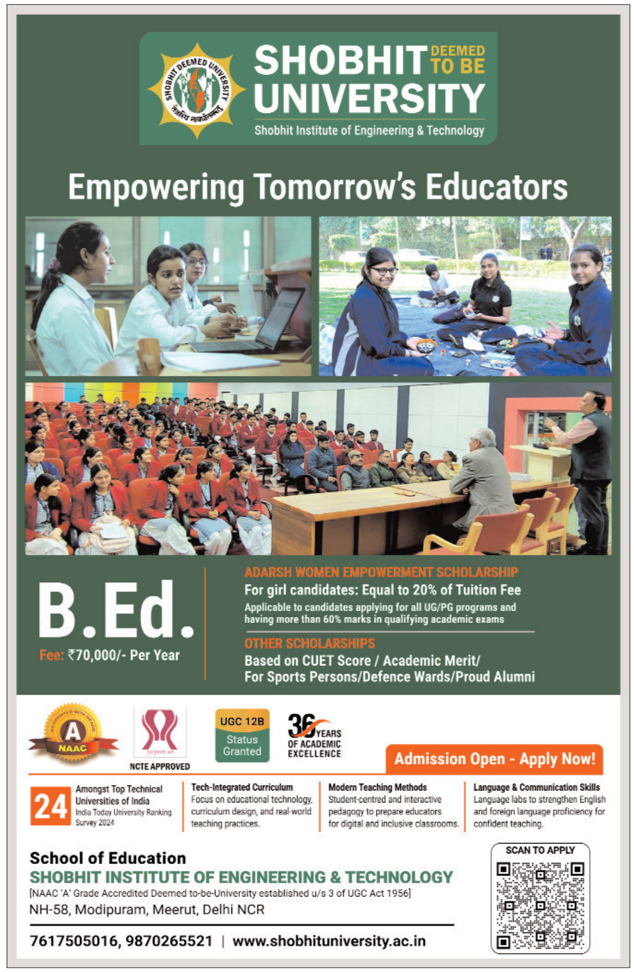

संक्षिप्त समाचार

देवी देवताओं के प्रति टिप्पणियों पर सरकार दे जवाब: हाईकोर्ट

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने हरियाणा के संत रामपाल के संस्थानों से प्रकाशित पुस्तकों में हिंदू देवी देवताओं के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणियों के मामले में यूपी सरकार से जवाब मांगा है। कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि क्या सरकार मामले में कोई ठोस कदम उठाने जा रही है। कोर्ट ने यह भी पूछा है कि क्या याची की शिकायत पर अब तक कोई कारवाई की गई है। इसका ब्योरा भी अगली सुनवाई पर 15 जुलाई को पेश करने का निर्देश सरकारी वकील को दिया है। कोर्ट ने कहा कि यह जानकारी पेश किए जाने के बाद जरूरी होने पर याचिका के निजी पक्षकारों को नोटिस जारी करने पर गौर किया जाएगा। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ल की खंडपीठ ने यह आदेश हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस नमक ट्रस्ट की ओर से दाखिल याचिका पर दिया।

पीसीआई ने अजीत के खिलाफ प्राथमिकी पर जताई चिंता

नई दिल्ली। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया (पीसीआई) और महिला पत्रकारों के संगठन इंडियन वुमेंस प्रेस कार्प्स (आईडब्ल्यूपीसी) ने वरिष्ठ पत्रकार अजीत अंजुम के खिलाफ बिहार के बेगुसराय में की गई प्राथमिकी पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रेस की स्वतंत्रता और भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए बढ़ती चुनौतियों पर गंभीर सवाल खड़े करता है। प्रेस कल्ब ने आज एक बयान जारी कर कहा कि पीसीआई और आईडब्ल्यूपीसी वरिष्ठ पत्रकार अजीत अंजुम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने पर गहरी चिंता व्यक्त करती है।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में प्रदर्शनी व मेले के उद्घाटन पर बोले योगी

युवाओं को रोजगार देने के लिए सरकार कटिबद्ध

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ उत्तर प्रदेश से 25 करोड़ की आबादी में से 56 से 60 प्रतिशत लोग कामकाजी वर्ग से हैं

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है।

विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित दो दिवसीय कौशल मेले और प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद योगी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रशिक्षित युवा आत्मनिर्भर भारत की असली ताकत है और भाजपा की सरका. रें उन्हे रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिये कटिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में 25 करोड़ की आबादी में 56 से 60 प्रतिशत लोग कामकाजी वर्ग से हैं। इन युवाओं को उनकी प्रतिभा के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की थीम 'एआई और डिजिटल स्किल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण' उत्तर प्रदेश के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है, क्योंकि यह राज्य की युवा शक्ति को नई दिशा प्रदान करने का आधार बन रही है। योगी ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले आठ वर्षों में परंपरागत उद्यमों को पुनर्जीवित किया है। उन्होंने कहा कि हमने स्केल को स्किल में बदलने के लिए कई कदम उठाए हैं। प्रदेश सरकार 2 करोड़ युवाओं को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के लिए स्मार्टफोन और टैबलेट उपलब्ध करवा रही है, जिनमें से 50 लाख युवा अब तक लाभान्वित हो चुके हैं। इसके अलावा, टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से 150 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को न्यू-एज टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ा गया है, ताकि उद्योगों और बाजार की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। प्रदेश में 400 के करीब राजकीय और 3000 निजी आईटीआई संचालित हैं, जहां न्यूनतम शुल्क पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। सरकार निजी आईटीआई में पढ़ने वाले छात्रों को स्कॉलरशिप और अन्य प्रोत्साहन भी दे रही है। उन्होने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि प्रत्येक युवा को उसकी रुचि और योग्यता के अनुसार प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर मिलें। उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों में कानून- व्यवस्था में सुधार और सरकार की सकारात्मक नीयत के कारण 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। ये निवेश लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री के सचिव अमित सिंह को मिला केंद्र में सेवा विस्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सचिव अमित सिंह को सेवा विस्तार मिल गया है। आईआरएस 2000 बैच के अधिकारी अमित सिंह की प्रतिनियुक्ति केंद्र सरकार ने मार्च 2027 तक बघ दी है। अमित सिंह को योगी आदित्यनाथ के करीबी अफसरों में गिना जाता है। लंबे समय से यह कयास लगाये जा रहे थे कि उनको सेवा विस्तार मिल सकता है। यह विस्तार मानक प्रतिनियुक्ति नीति में ढील देते हुए दिया गया है। गौरतलब है कि अमित सिंह को अप्रैल 2017 में उत्तर प्रदेश में प्रतिनियुक्त पर भेजा गया था और तब उन्हें मुख्यमंत्री का विशेष सचिव बनाया गया था। बाद में उनको सचिव के पद पर प्रोन्नत किया गया था। यूपी में प्रतिनियुक्ति पर आने से पहले श्री सिंह विदेश मंत्रालय के अंतर्गत लखनऊ में क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। वह रेलवे में मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) और गोरखपुर में रेलवे के महाप्रबंधक के सचिव की भूमिका निभा चुके हैं।

सेना पर टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को जमानत

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ लखनऊ की अदालत ने बीस-बीस हजार के बॉन्ड पर दी कांग्रेस नेता को जमानत

लखनऊ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के बारे में उनकी कथित अपमानजनक टिप्पणी से संबंधित एक मामले में लखनऊ की स्थानीय अदालत ने मंगलवार को जमानत दे दी।

अपर न्यायिक मजिस्ट्रेट आलोक वर्मा ने 20-20 हजार रुपये के दो बांड पर श्री गांधी को जमानत दे दी। श्री गांधी के वकील प्रांशु अग्रवाल की तरफ से जमानत याचिका डाली गई थी जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया। इससे पहले राहुल गांधी एयरपोर्ट से सीधे एमपी-एमएलए कोर्ट पहुंचे। पिछली पांच सुनवाई के दौरान श्री गांधी अदालत में उपस्थित नहीं हुए थे। इसके बाद अदालत ने उन्हें समन जारी किया था। जमानत मिलने के बाद राहुल सीधे एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए। गौरतलब है कि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के एक सेवानिवृत्त अधिकारी उदय शंकर श्रीवास्तव ने एक शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा था कि 16 दिसम्बर, 2022 को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान गांधी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इस दौरान राहुल गांधी की टिप्पणी सशस्त्र बलों के लिए अपमानजनक थी और एक पूर्व रक्षा कर्मी के रूप में उनके अपने मनोबल को ठेस पहुंचाने वाली थी। श्रीवास्तव के मुताबिक, श्री गांधी ने अपनी संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि चीनी सैनिक अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सैनिकों की पिटाई कर रहे हैं। इससे पहले इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि निःसंदेह, भारत के संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है, यह स्वतंत्रता उचित प्रतिबंधों के अधीन है और इसमें ऐसे बयान देने की स्वतंत्रता शामिल नहीं है, जो किसी व्यक्ति या भारतीय सेना के लिए अपमानजनक हों।

उदयपुर फाइल्स की रिट पर सुको आज करेगा सुनवाई

■ जमीयत उलेमा ए हिंद व अन्य ने दायर की हैं रिट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि हिंदी फिल्म 'उदयपुर फाइल्स: कन्हैयालाल लाल टेलर मर्डर' के पक्ष और विपक्ष में दायर याचिकाओं पर वह बुधवार को सुनवाई करेगा।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कन्हैया लाल हत्याकांड के आरोपियों में शामिल मोहम्मद जावेद की याचिका पर शीघ्र सुनवाई की गुहार पर उनके अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी से कहा कि वह पक्ष और विपक्ष में दायर दोनों मामलों पर बुधवार को सुनवाई करेगी। वरिष्ठ अधिवक्ता गुरुस्वामी के 'विशेष उल्लेख' पर पीठ ने जावेद की याचिका को फिल्म के निर्माता द्वारा दायर एक अन्य याचिका के साथ सोमवार को सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की। दूसरी ओर, फिल्म के निर्माता ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 10 जुलाई के उस आदेश को चुनौती देते हुए दरवाजा खटखटाया है, जिसमें फिल्म के प्रदर्शन पर अंतरिम रोक लगा दी गई है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने जमीयत उलेमा-ए- हिंद के अध्यक्ष अरशद मदनी और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई के बाद फिल्म की निर्धारित रिलीज (11 जुलाई) से एक दिन पहले रोक संबंधी आदेश पारित किया था।

इंदौर के कार्टूनिस्ट की गिरफ्तारी पर रोक

नई दिल्ली, वार्ता

■ हेमंत मालवीय ने सुप्रीम कोर्ट में पेश किया माफीनामा अगली सुनवाई 15 अगस्त के बाद

उच्चतम न्यायालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के साथ अशोभनीय व्यंग्यचित्र बनाने के आरोपी हेमंत मालवीय के माफी मांगने के बाद मंगलवार को अंतरिम राहत दी।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने इंदौर निवासी व्यंगचित्रकार मालवीय को अंत. रिम संरक्षण का आदेश पारित करते हुए उन्हें हिंदी में हलफनामे के रूप में भी माफी मांगने का निर्देश दिया। पीठ ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 15 अगस्त की तारीख मुकर्रर करते हुए पक्षकारों को अगली तारीख तक अपनी दलीलें पूरी करने का निर्देश दिया। आरोपी ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के तीन जुलाई उस आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी, जिसमें उनके फेसबुक पर पोस्ट किए गए संबंधित व्यंगचित्र मामले में उन्हें अग्रिम जमानत देने से इन्कार कर दिया गया था।

वह 14 जुलाई को उच्चतम न्यायालय की फटकार के बाद आपत्तिजनक व्यंगचित्र को फेसबुक से हटाने के लिए तैयार हुआ था। सुनवाई के दौरान पीठ ने मालवीय के आचरण पर असहमति और असंतोष व्यक्त किया था। पीठ ने 14 जुलाई को उनकी वकील वृंदा ग्रोवर से पूछा था कि क्या याचिकाकर्ता व्यंग्यचित्र वाली अपनी फेसबुक पोस्ट हटाने को तैयार हैं। इस पर सहमति व्यक्त करते हुए अधिवक्ता ने कहा था कि मैं बयान दूंगी कि मैं आपत्तिजनक टिप्पणियों का समर्थन नहीं कर रही हूं। उन्होंने मामले में अंतरिम सुरक्षा की भी गुहार लगाई थी और कहा था कि मामला व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़ा है । उन्होंने हालांकि कहा था कि याचिकाकर्ता की टिप्पणियां अशोभनीय या घटिया लग सकती हैं, लेकिन वे कोई अपराधी नहीं हैं।

विदेश नीति के नाम पर चल रहा सर्कस: राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर पर भारत-चीन संबंधों के बारे में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वह (एस जयशंकर) देश की विदेश नीति को नष्ट करने के उद्देश्य से एक सर्कस चला रहे हैं।

विपक्ष के नेता की यह टिप्पणी जयशंकर द्वारा मंगलवार को शी जिनपिंग से मुलाकात करने और उन्हें द्विपक्षीय संबंधों के हालिया विकास से अवगत कराने के बाद आई है। राहुल गांधी ने एक पोस्ट में लिखा कि मुझे लगता है कि चीनी विदेश मंत्री आएंगे और पीएम मोदी को चीन-भारत संबंधों के हालिया घटनाक्रम से अवगत कराएंगे। विदेश मंत्री अब भारत की विदेश नीति को नष्ट करने के उद्देश्य से एक फुल प्लान सर्कस चला रहे हैं। बता दें कि बीजिंग में शी जिनपिंग के साथ अपनी बैठक के दौरान जयशंकर ने चीन के राष्ट्रपति को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुभकामनाएं भी दी थीं।

सेंसेक्स 82570.91
निफ्टी 25195.80

सोना रु. 97916
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 111999
प्रति किलो

चौतरफा लिवाली से चढ़ा बाजार

मुंबई, वार्ता

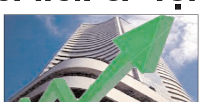

विदेशों में शेयर बाजारों में मजबूती का असर मंगलवार को घरेलू बाजार पर भी देखा गया। लगातार चार दिन की गिरावट से उबरकर बीएसई का संसेक्स 317.45 अंक (0.39 प्रतिशत) की तेजी के साथ 82,570.91 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 113. 50 अंक (0.45 प्रतिशत) की बढ़त में 25,195.80 अंक पर पहुंच गया। बाजार में चौतरफा लिवाली रही। संसेक्स की 30 में से 22 कंपनियों में तेजी रही, जबकि आठ में गिरावट देखी गयी। सनफार्मा के शेयर सबसे ज्यादा 2.71 फीसदी चढ़े। एचसीएल टेक में 3.31 प्रतिशत की गिरावट रही। बाजार की तेजी में रुपये में जारी बढ़त का भी योगदान रहा। अमेरिकी डॉलर की तुलना में रुपया आज 8.50 पैसे मजबूत हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में निफ्टी के साथ दूसरे सूचकांक भी हरे निशान में रहे। निफ्टी.100 में 0.49 प्रतिशत और निफ्टी मिडकैप.100 में 0. 95 प्रतिशत की तेजी रही। बैंकिंग, ऑटो, एफएमसीजी, मेटल समेत सभी सेक्टरों में लिवाल से इनके सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। एनएसई में निफ्टी ऑटो सबसे ज्यादा 1.50 प्रतिशत चढ़ा। निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स 1.23 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशल सर्विसेज 1.18 फीसदी और निफ्टी फार्मा 1.14 प्रतिशत मजबूत हुआ। सकारात्मक रुझानों के कारण शेयर बाजार में शुरू से ही तेजी रही। निफ्टी.50 सुबह 7.20 अंक की मजबूती के साथ 25,089.50 अंक पर खुला। बीच कारोबार में एक समय यह 25,245.20 अंक तक पहुंच गया था। अंत में यह 113.50 अंक की तेजी के साथ बंद हुआ। विदेशों में जहां सोमवार को अमे. रिकी शेयर बाजार मजबूत बंद हुए थे, वहीं जापान, हांगकांग, ब्रिटेन और दक्षिण कोरियाई शेयर बाजारों में भी तेजी रही। हालांकि चीन का शंघाई कंपोजिट गिरावट के साथ बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर सोने में जहां तेजी रही, वहीं कच्चे तेल की कीमतों में नरमी देखी गई।

सोना 387 गिरकर 97916 प्रति 10 ग्राम पर आया, चांदी भी गिरी

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में मंगलवार को गिरावट देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 387 गिरकर 97,916 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले इसका दाम 98,303 पर था। चांदी की कीमत 1,868 कम होकर 1,11,999 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,13,867 पर थी। ये चांदी का ऑल टाइम हाई भी है।

देश के चार महानगरों दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,920 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,600 रही, जबकि मुंबई में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,770 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,450 थी। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,770 और

2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था

22 कैरेट सोने की कीमत 91,450 रही,जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,770 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,450, जबकि भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,820 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,500 रही। इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 21,754 रुपए बढ़कर 97,964 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 25,982 रुपए बढ़कर 1,11,999 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

इंडिगो का जेटस्टार के साथ कोडशेयर समझौता

नई दिल्ली, वार्ता

देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड तक अपने उपभोक्ताओं की आसान कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के लिए ऑस्ट्रेलिया की किफायती एयरला. इंस जेटस्टार के साथ कोडशेयर समझौता किया है।

इंडिगो ने मंगलवार को बताया कि उसके ग्राहक अब सिंगापुर, बैंकॉक और फुकेट के रास्ते ऑस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैंड के लिए टिकट बुक करा सकते हैं। इसके लिए बुकिंग 21 जुलाई से शुरू होगी, जो 1 सितंबर या उससे आगे की यात्रा के लिए उपलब्ध होगी। इस समझौते के तहत यात्री इंडिगो की वेबसाइट पर दोनों नेटवर्कों के लिए एक ही टिकट बुक कराकर यात्रा कर सकते हैं। उन्हें एक बार ही चेकइन भी करना होगा। हालांकि इस समझौते को अभी नियामकीय मंजूरी मिलनी शेष है। जेटस्टार की सीईओ स्टेफनी टुली ने कहा कि दोनों एयरलाइंस के बीच इस साझेदारी से भारत से आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के विशिष्ट आकर्षण, विश्व स्तरीय अनुभव और भारतीय मूल के समुदायों की बढ़ती आबादी उपमहाद्वीप के लोगों के बीच दोनों देशों को लोकप्रिय बनाता है। इंडिगो के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (नेटवर्क नियोजन और राजस्व प्रबंधन) अभिजीत दासगुप्ता ने कहा कि जेटस्टार के साथ इस कोडशेयर समझौते से कारोबार, व्यापार और पर्यटन से संबंधित यात्रा को और मजबूती मिलेगी और सांस्कृतिक आदान प्रदान को बढ़ावा मिलेगा।

पहली तिमाही में कुल निर्यात बढ़कर 210.31 अरब डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025.26 की पहली तिमाही में वस्तु एवं सेवा को मिलाकर देश का कुल निर्यात 5.94 प्रतिशत बढ़कर 210.31 अरब डॉलर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह 198.52 अरब डॉलर रहा था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि तिमाही के दौरान वस्तुओं का निर्यात 112.17 अरब डॉलर रहा जो अप्रैल-जून 2024 की तुलना में 1.92 प्रतिशत अधिक है। इसमें गैर.पेट्रोलियम निर्यात 94.77 अरब डॉलर बढ़कर 5.97 प्रतिशत पर पहुंच गया। इस दौरान सेवा निर्यात 98.13 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के 88.46 अरब डॉलर से 10.93 प्रतिशत अधिक है। कुल आयात 230.62 अरब डॉलर रहा, जिससे देश का व्यापार घाटा कम होकर 20.31 अरब डॉलर हो गया।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

यमन में... मुसलियार और यमन के चर्चित सूफी विद्वान शेख हबीब उमर बिन हाफिज इस मसले पर बातचीत कर रहे हैं। इसमें यमन के सुप्रीम कोर्ट के एक जज और मृतक के भाई भी शामिल हैं। यमन के शेख हबीब को बातचीत के लिए मुफ्ती मुसलियार ने मनाया। ऐसा भी पहली बार हुआ है जब पीड़ित परिवार का कोई करीबी सदस्य बातचीत को तैयार हुआ है। यह बातचीत शरिया कानून के तहत हो रही है, जो पीड़ित परिवार को दोषी को बिना किसी शर्त के या फिर ब्लड मनी के बदले में माफ करने का कानूनी अधिकार देता है। भारतीय नर्स निमिषा 2017 से जेल में बंद हैं, उन पर यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी को ड्रग का ओवरडोज देकर हत्या करने का आरोप है। निमिषा और महदी यमन में एक प्राइवेट क्लिनिक में पार्टनर थे। आरोप है कि महदी ने निमिषा का पासपोर्ट अपने कब्जे में ले रखा था और उसे प्रताड़ित करता था। भारत के पास यमन में स्थायी राजनयिक मिशन (दूतावास) नहीं है। 2015 में राजनीतिक अस्थिरता के कारण राजधानी सना में भारतीय दूतावास बंद कर दिया गया था और इसे जिबूती में ट्रांसफर कर दिया गया था। भारत सरकार यमन सरकार से मुख्य रूप से 'नॉन-रेजिडेंट राजदूत' के जरिये बात करती है। फिलहाल भारत सरकार रियाद में मौजूद राजदूत के जरिये बातचीत कर रही है।

मुंबई धमाके... थी, जबकि 700 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। निकम ने कहा कि संजय दत्त निर्दोष थे। उन्होंने बंदूक सिर्फ इसलिए रखी, क्योंकि उन्हें हथियारों का शौक था। उन्होंने कानून की नजर में अपराध किया, लेकिन वे सीधे-सादे इंसान हैं। संजय के पास एके-47 थी, लेकिन उन्होंने कभी भी वह बंदूक नहीं चलाई। कोर्ट ने संजय को टेररिस्ट एंड डिसरप्टिव एक्टिविटीज एक्ट (टाडा) के तहत आतंकवादी नहीं माना, लेकिन प्रतिबंधित हथियार एके-47 रखने का दोषी करार दिया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी छह साल की सजा को घटाकर पांच साल कर दिया था। आर्म्स एक्ट के तहत दोषी ठहराए जाने के बाद मामले में सरकारी वकील रहे उज्ज्वल निकम के साथ उनकी बातचीत सुर्खियों में रही थी। हालांकि, यह कभी सामने नहीं आया कि दोनों के बीच क्या बात हुई। इंटरव्यू के दौरान निकम ने इस बातचीत का खुलासा किया सजा सुनाए जाने के बाद संजय दत्त ने अपना आपा खो दिया था। मैंने उनके हावभाव बदलते देखे। मुझे लगा कि वे सदमे में हैं। वह फैसला बर्दाश्त नहीं कर पा रहे थे और कांप रहे थे। वे कठघरे में थे और मैं पास में ही था। मैंने उनसे कहा कि संजय ऐसा मत करो। मीडिया तुम्हें देख रहा है। अगर डरे हुए दिखोगे, तो लोग तुम्हें दोषी मानेंगे। तुम्हारे पास अपील करने का मौका है। इस पर उन्होंने कहा कि यस सर, यस सर। उज्ज्वल निकम 26/11 मुंबई हमला मामले में भी सरकारी वकील थे। इंटरव्यू में जब निकम से आतंकी अजमल कसाब को जेल में बिरयानी खिलाए जाने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि कसाब ने वास्तव में बिरयानी मांगी थी, लेकिन नेताओं ने बात को पकड़ लिया और राजनीतिकरण कर दिया। कसाब इकलौता आतंकी था जिसे इस हमले के बाद जिंदा पकड़ा गया था।

फिल्म निर्माता-अभिनेता धीरज का निधन

मुंबई, वार्ता

बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता एवं फिल्मकार धीरज कुमार का मंगलवार को निधन हो गया। वह करीब 80 वर्ष के थे। धीरज कुमार को सांस लेने में तकलीफ कारण सोमवार को मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां मंगलवार सुबह उनका निधन हो गया।

सिने एंड टेलीविजन आर्टिस्ट्स एसोसिएशन (सिन्टा) ने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर धीरज कुमार के निधन पर शोक जताते हुए लिखा कि धीरज कुमार जी के निधन से हम दुखी हैं। वह 1970 से सिन्टा के एक आदरणीय सदस्य रहे हैं, उनके योगदान और उपस्थिति को हम हमेशा याद रखेंगे, उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति हमारी संवे. दनायें हैं, ओम शांति। धीरज कुमार ने सत्तर के दशक में अभिनय की दुनिया में कदम रखा था और 'दीदार', 'रातों का राजा', 'बहारों फूल बरसाओ', 'रोटी कपड़ा व मकान', 'शराफत छोड़ दी मैंने', 'क्रांति' और 'मांग भरो सजना' जैसी कई हिट फिल्मों में अहम किरदार निभाए थे। हिंदी फिल्मों में ही नहीं, बल्कि पंजाबी सिनेमा में भी अपनी पहचान बनाई थी। उन्होंने कई पंजाबी फिल्मों में काम किया, जिनमें 'सज्जन सिंह रंगरूट', 'इक संधू हुंदा सी', 'वॉर्निंग 2' जैसी फिल्में शामिल हैं।

राजस्थान में भारी बारिश से 16 की मौत

नई दिल्ली। राजस्थान में भारी बारिश के चलते बाढ़ के हालात हैं। प्रदेश में बरसात के कारण हुए अलग-अलग हादसों में 24 घंटे में 16 लोगों की मौत हो गई। कोटा में प्रदेश में सबसे ज्यादा 198एमएम बारिश हुई। यहां कोटा बैराज के 12 गेट खोले गए हैं। मध्य प्रदेश में मानसून जमकर बरस रहा है। नर्मदा खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। जबलपुर, रीवा समेत 10 जिलों में एक सप्ताह से लगातार बारिश जारी है। इन जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। श्योपुर के कई इलाके और गांव पानी से घिरे रहे। मकान-दुकानों से लेकर अस्पताल तक में पानी भर गया। मप्र के लखनऊ, कानपुर, बरेली समेत 15 शहरों में तेज बारिश के कारण जलभराव-बाढ़ के हालात हैं। प्रदेश के कई बांध ओवरफ्लो होने लगे हैं। ललितपुर के गोविंद सागर बांध के 17 गेट खोले गए। चित्रकूट में उद्घाटन से पहले 51 करोड़ से बने 4 पुलों की एप्रोच सड़कें बह गईं। हिमाचल प्रदेश में बीते 24 दिन में 105 लोगों की मौत बारिश से जुड़ी घटनाओं में हो चुकी हैं। राज्य की 200 से ज्यादा सड़कें अभी भी बंद हैं। मनाली-चंडीगढ़ हाईवे पिछले 3 दिन से रोजाना लैंडस्लाइड के चलते बंद हो रहा है।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

शिक्षा विभाग में 1556 युवाओं को मिलेगा रोजगारः डॉ. रावत

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखंड के विद्यालयी शिक्षा विभाग में सैकड़ों युवाओं को जल्द रोजगार के अवसर मिलने जा रहे हैं। विभाग शीघ्र ही समग्र शिक्षा के तहत स्वीकृत संविदा के 1556 पदों को आउटसोर्स के माध्यम से भरेगा। इस संबंध में विभागीय मंत्री ने अधिकारियों को एक माह के भीतर भर्ती करने के निर्देश दिये हैं।

■ विभागीय अधिकारियों को दिए एक माह में भर्ती के निर्देश

विद्यालयी शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने मंगलवार को अपने शासकीय आवास पर समग्र शिक्षा के तहत स्वीकृत संविदा के पदों पर भर्ती को लेकर समीक्षा बैठक ली। मीडिया को जारी बयान में उन्होंने बताया कि प्रदेश में शैक्षणिक गतिविधियों में सुधार एवं गुणवत्ता के दृष्टिगत समग्र शिक्षा के तहत रिक्त पदों को शीघ्र भरा जायेगा, जिसके लिये प्रयाग पोर्टल के माध्यम से आउटसोर्स एजेंसी का चयन कर लिया गया है। राज्य समग्र शिक्षा परियोजना के अंतर्गत प्रदेश में भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित विभिन्न संवर्ग के कुल 1556 पद स्वीकृत हैं, जिनमें 161 विशेष शिक्षक, 324 लेखाकार कम सपोटिंग स्टॉफ, 95 कैरियर काउंसलर तथा विद्या समीक्षा केन्द्र के 18 पद सहित मनोविज्ञानी, मैनेजर आईसीटी व मैनेजर ट्रेनिंग के एक-एक पद शामिल है। बैठक में दीप्ति सिंह, राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा उत्तराखण्ड, कुलदीप गैरोला, अपर राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा उत्तराखण्ड, अजीत भण्डारी उपस्थित रहे।

राज्य के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की कैरिंग कपैसिटी का होगा आकलन

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने पर्यटन विभाग की समीक्षा में दिए निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। पर्यटन विभाग की 'गेम चेंजर योजनाओं' की मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को वर्चुअल रूप से शामिल होकर समीक्षा बैठक ली। जिसमें पर्यटन नीति-2023 के तहत राज्य में हो रहे निजी निवेश, ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों और स्वरोजगार से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पर्यटन नीति लागू होने के बाद हुए कुल निजी निवेश, एम.ओ.यू. की स्थिति एवं उनकी ग्राउंडिंग और विभिन्न पर्यटन योजनाओं में हुए निवेश का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा कि पर्यटन केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाने का नहीं, बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण, स्थानीय रोजगार सृजन और पलायन रोकने का माध्यम है। मुख्यमंत्री ने शीतकालीन पर्यटन के प्रचार-प्रसार और यात्रियों की सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य का भविष्य पर्यटन आधारित समावेशी विकास में निहित है, जिसे सरकार प्राथमिकता से आगे बढ़ा रही है। बैठक में पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज, मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, मीनाक्षी सुन्दरम, पर्यटन सचिव धीरज सिंह गर्ब्याल, उत्तराखण्ड स्थानिक आयुक्त अजय मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आर्थिक रूप से सशक्त बना रही गेम चेंजर योजनाएंः मुख्यमंत्री ने कहा कि 'गेम चेंजर योजनाएं' न केवल पर्यटन को बढ़ावा दे रही हैं, बल्कि राज्य के नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही हैं। उन्होंने सभी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, अनुदानों के पारदर्शी वितरण और प्राप्त निवेश को जमीनी लाभ में बदलने के निर्देश दिए। सीमावर्ती क्षेत्रों में 'वाइब्रेंट विलेज योजना' के विस्तार की रणनीति तैयार करने एवं पंचायत स्तर पर थीम-आधारित 'टूरिज्म विलेज' विकसित करने पर भी बल दिया गया।

युवाओं को समयबद्ध ऋण व अनुदान कराएं उपलब्ध

सीएम ने पर्वतीय क्षेत्रों में अधिक से अधिक स्थानीय परिवारों को होम स्टे से जोड़ने, तकनीकी व वित्तीय सहायता सुनिश्चित करने तथा ट्रैकिंग रूट्स के निकट स्वरोजगार को बढ़ावा देने हेतु 'ट्रैकिंग ट्रैक्शन सेंटर होम-स्टे अनुदान योजना' को तेजी से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 'वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना' की भी समीक्षा की और युवाओं को समयबद्ध ढंग से ऋण व अनुदान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने योजना से प्रेरित युवाओं, होम स्टे से जुड़े गांवों और पलायन में आई कमी का मूल्यांकन भी आवश्यक बताया।

स्पिरिचुअल इकोनॉमिक जोन' के अंतर्गत कार्ययोजना

मुख्यमंत्री ने 'गोल्जू कॉरिडोर' (अल्मोड़ा, चम्पावत, घोड़ाखाल) के मास्टर प्लान के अंतर्गत कार्य प्रारंभ करने एवं रुद्रप्रयाग के धार्मिक स्थलों को एकीकृत पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित करने के भी निर्देश देते हुए माउंटेन बाइकिंग, पैराग्लाइडिंग, एयरो स्पोर्ट्स, रिवर राफ्टिंग जैसी गतिविधियों के नियमित संचालन हेतु योजना तैयार करने, प्रचार हेतु विशेष बजट प्रस्तावित करने एवं स्थलों की वहन क्षमता का आकलन करने पर बल दिया। विवाह पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु संभावित स्थलों की पहचान व प्रचार के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। 'स्पिरिचुअल इकोनॉमिक जोन' की अवधारणा को साकार करने हेतु गंगोत्री व ध्याणोत्थान क्षेत्र को वेलनेस एवं आध्यात्मिक हब के रूप में विकसित करने हेतु एक माह में कार्ययोजना प्रस्तुत करने को कहा।

हरेला पर्व की मुख्यमंत्री धामी ने प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

पूरे प्रदेश में एक ही दिन रोपे जाएंगे पांच लाख पौधे

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को हरेला पर्व की शुभकामना दी है। इस अवसर पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि हरेला पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रदर्शित करने के साथ लोक संस्कृति एवं पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश देता है। हरेला पर्व को सुख, समृद्धि एवं सौहार्द का प्रतीक बताते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पर्व हमें अपनी परम्पराओं से जुड़े रहने का भी संदेश देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरेला पर्व हमें अपनी धरती और पर्यावरण की देखभाल के प्रति भी प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को शुद्ध और स्वस्थ वातावरण देने के लिए वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण अत्यंत आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड अपने धर्म, अध्यात्म और संस्कृति के लिए विख्यात है। यहां का प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता हर किसी को आकर्षित करती है। इसलिए, पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। हमें अपने जल स्रोतों, नदियों और गदेरों के पुनर्जीवन और संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करने होंगे।

उन्होंने कहा कि हमारे लोक पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत की पहचान हैं। राज्य की समृद्ध लोक संस्कृति को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए हम सभी को सामूहिक रूप से प्रयास करने होंगे। तभी हम अपनी सांस्कृतिक और पारंपरिक जड़ों से जुड़े रह पाएंगे और इसे अगली पीढ़ी तक पहुंचा पाएंगे।

पीएम मोदी से प्रेरित एक पेड़ मां के नाम

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप हरेला पर्व के साथ ही एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत संपूर्ण प्रदेश में वृहद स्तर पर यह पौधरोपण अभियान चलाया जायेगा। इस अभियान के तहत सार्वजनिक स्थानों, वनों, नदियों, गाड, गदेरों के किनारे, स्कूलों, कॉलेज, विभागीय परिसर, सिटी पार्क, आवासीय परिसर में पौधरोपण किया जाएगा। जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों, छात्रों, विभागीय कर्मियों, एनसीसी, एनएसएस के साथ ही आमजनमानस की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष हरेला पर्व पर पूरे प्रदेश में एक ही दिन में 05 लाख से अधिक पौधे रोपे जाएंगे। जिसमें से गढ़वाल मंडल में 03 लाख और कुमाऊं मंडल में 02 लाख पौधे रोपण का लक्ष्य रखा गया है। इस बार हरेला का त्योहार मनाओ, धरती मां का ऋण चुकाओ और एक पेड़-माँ के नाम की थीम पर यह पौधरोपण आयोजित किया जाएगा। पूरे माह इस पर्व के तहत कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस पौधरोपण अभियान की सफलता में ग्रामीणों से लेकर स्कूली छात्र और विभिन्न विभागों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें और पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें।

हरेला पर्व पर राज्यपाल ने दी शुभकामनाएं

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने प्रदेश की जनता को हरेला पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि हरेला उत्तराखण्ड की परंपरा, संस्कृति और प्रकृति प्रेम का प्रतीक पर्व है, जो हमें हरियाली से जुड़ने और पर्यावरण की रक्षा करने की प्रेरणा देता है।

राज्यपाल ने कहा कि हरेला हमारे जीवन में हरियाली, समृद्धि और शांति लाने वाला पर्व है। यह हमें पेड़-पौधों, जल, जमीन और पर्यावरण से जुड़ने का अवसर देता है। हम सभी को मिलकर इस परंपरा को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज जब दुनिया ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण जैसी गंभीर समस्याओं का सामना कर रही है, ऐसे समय में हरेला पर्व हमें एकजुट होकर प्रकृति की रक्षा करने का संदेश देता है। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल "एक पेड़ माँ के नाम" की सराहना करते हुए सभी से अपील की कि इस हरेला पर्व पर एक-एक पेड़ अवश्य लगाएं। उन्होंने कहा कि बच्चों, युवाओं और महिलाओं को इस पर्व से जोड़ते हुए पर्यावरण संरक्षण को एक जन-आंदोलन का रूप देना चाहिए।

सीएम धामी ने 5 जल विद्युत परियोजनाओं का किया अनुरोध

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से भेंट की। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री से उत्तराखण्ड़ के सामा. जिक एवं आर्थिक विकास को गति प्रदान करने के लिये सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के क्रम में विशेषज्ञ समिति द्वारा संस्तुति की गई। राज्य की 21 जल विद्युत परियोजनाओं में 5 जल विद्युत परियोजनाओं के क्रियान्वयन का अनुरोध किया। केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को सकारात्मक कार्यवाही के प्रति आश्वस्त किया।

धामी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से भी की शिष्टाचार भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्पीकर बिड़ला को उत्तराखंड के चारधाम का प्रसाद भेंट किया और देवभूमि उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हुए राज्य के विभिन्न स्थानीय उत्पाद भी उन्हें भेंट किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड राज्य चारधाम, प्राकृतिक सुंदरता एवं आध्यात्मिकता का प्रतीक है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को राज्य में चल रहे विकास कार्यों, विशेष रूप से धार्मिक पर्यटन, सड़क संपर्क, स्वास्थ्य, और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी।

कांग्रेस ने तीन नेताओं को दिखाया बाहर का रास्ता

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की और से लम्बे समय से पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त तीन पार्टी नेताओं को तत्काल प्रभाव से कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से 6 साल के लिए निष्कासित किया गया है। पोखडा ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कीरत सिंह रावत की और से पार्टी समर्थित उम्मीदवार होने के बावजूद विपक्षी उम्मीदवार के समर्थन में अपना नामांकन वापस लेकर न केवल कांग्रेस पार्टी बल्कि स्थानीय जनता व कांग्रेसजनों की भावनाओं के साथ भी खिलवाड कर धोखा दिया गया है। इसी प्रकार पूर्व ब्लाक अध्यक्ष खिर्सू चतर सिंह रावत ने पार्टी के समर्थित उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव में प्रतिभाग किया जा रहा है। जिसे कांग्रेस नेतृत्व ने गम्भीरता से लिया है।

■ कीरत सिंह रावत, चतर सिंह रावत और सुलेमान अली 6 साल के लिए निष्कासित

एक अन्य प्रकरण में पार्टी के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता सुलेमान अली की और से लम्बे समय से पार्टी अनुशासन के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी को भी प्रदेश नेतृत्व ने गम्भीरता से लेते हुए देहरादून महानगर कांग्रेस कमेटी की संस्तुति पर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई का निर्णय लिया है। प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति ने तीनों नेताओं की और से किये जा रहे कृत्य को पार्टी अनुशासन के खिलाफ मानते हुए कीरत सिंह रावत, चतर सिंह रावत व सुलेमान अली को उनके दायित्वों से मुक्त करते हुए तत्काल प्रभाव से 6 वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एक अनुशासित संगठन है तथा इसमें यदि अनुशासनहीनता होती है तो उसे कतई बर्दास्त नहीं किया जायेगा।

गृहमंत्री शाह के कार्यक्रम की तैयारियों में जुटी सरकार

■ मुख्य सचिव आनंद बर्धन ने अधिकारियों को पुख्ता तैयारियों के निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में आगामी 19 जुलाई को जनपद उधम सिंह नगर में गृह मंत्री के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मा गृह मंत्री के आगमन से संबंधित सभी तैयारियों और व्यवस्थाओं को समय से पूरा करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं को मौसम को ध्यान में रखते हुए संपादित करें तथा उसका वैकल्पिक प्लान भी तैयार रखें। संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि जिन विकास योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया जाना है उनकी सूची तैयार करें। इस अवसर पर बैठक में प्रमुख सचिव आर के सुधांशु, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम हेल्पलाइन व घोषणाओं की समीक्षा बैठक में डीएम सख्त

■ जिलाधिकारी ने लंबित शिकायतों के शीघ्र निस्तारण और घोषणाओं की प्रगति रिपोर्ट मांगी
गरखेत हैलीपैड निर्माण को लेकर डीपीआर बनाने के निर्देश, विभागवार योजनाओं की स्थिति पर हुई गहन समीक्षा

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में सीएम हेल्पलाइन और मुख्यमंत्री घोषणाओं से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागों की लंबित शिकायतों की विस्तार से समीक्षा की और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों की समीक्षा के दौरान पेयजल विभाग की 58 लंबित शिकायतों पर नाराजगी जताते हुए जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जाए और उनका विस्तृत ब्रेक. अप तैयार कर प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मांग एवं सुझाव संबंधी प्रकरणों को अलग किया जाए, अनुचित शिकायतों को एल-2 स्तर से बंद किया जाए और रिओपन होने वाली शिकायतों को बंद करने से पूर्व जिलाधिकारी को जानकारी दी जाए। साथ ही शिकायतकर्ता से पोर्टल के माध्यम से संवाद स्थापित करने और समय सीमा के भीतर शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया।

मुख्यमंत्री घोषणाओं की समीक्षा के दौरान भी जिलाधिकारी ने विभागवार प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि कोई भी घोषणा जनपद स्तर पर लंबित न रहे। लोनिवि को ऐसी घोषणाओं की सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए, जिन्हें पहले से ही अन्य योजनाओं के अंतर्गत सम्मिलित किया गया है या जिन्हें विलोपित किया जाना है।

गरखेत में प्रस्तावित हैलीपैड निर्माण को लेकर जिलाधिकारी ने एडीएम को साइट विजिट करने और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। लो. निवि को इसके लिए डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार करने को भी कहा गया।

बैठक में विभिन्न विभागों की लंबित शिकायतों की स्थिति पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने अवगत कराया कि विद्युत विभाग में आपूर्ति और मीटर संबंधी, ग्राम्य विकास विभाग में विभिन्न योजनाओं, लोनिवि में सड़क, सत्यापन और मुआवजा संबंधी, उरेडा में सौर स्वरोजगार योजना के अंतर्गत सब्सिडी संबंधी 143 शिकायतें लंबित हैं। श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के प्रमाणपत्र संबंधी शिकायतें भी सामने आई हैं। इस पर डीएम ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

बैठक में अद्यतन मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति भी प्रस्तुत की गई। सिंचाई विभाग की 15 में से 10 घोषणाएं पूर्ण हो चुकी हैं, दो शासन स्तर पर लंबित हैं। लोनिवि की 11 घोषणाओं में से दो पूर्ण, चार प्रगति पर और शेष प्रक्रियाधीन हैं। ग्राम्य विकास विभाग की दो घोषणाएं पूर्ण, जबकि दो की डीपीआर शासन को प्रेषित की जा चुकी है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिल्खी के उच्चीकरण हेतु भूमि दाननामा की रजिस्ट्री हो चुकी है। वहीं, पीएचसी नैनबाग के उच्चीकरण संबंधी प्रस्ताव को भौगोलिक स्थितियों को ध्यान में रखते हुए शासन को भेजा गया है।

खेल विभाग की घोषणाओं में पूर्णानंद मुनिकीरेती में मल्टी परपस हॉल, नेशनल फुटबॉल ग्राउंड, क्रिकेट पिच और वॉलीबॉल कोर्ट का कार्य प्रगति पर है, जबकि हिण्डोलाखाल में इंडोर बैडमिंटन कोर्ट की डीपीआर शासन को भेज दी गई है। जिला पंचायत की बगासूधार परियोजना में रेन टीन शेड की रेलिंग और पेंटिंग का कार्य शेष रह गया है, जिसे शीघ्र पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में एडीएम ए.के. सिंह, सीएमओ श्याम विजय, एसई लोनिवि मनोज बिष्ट, डीडीओ मो. असलम, एसडीएम संदीप कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कांवड़ियों के हुड़दंग से लोग परेशान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। सावन शुरू होते ही बड़ी संख्या में कांवड यात्री भी बदरी-केदार की ओर आने लगे हैं। ऐसे में तेज रफ्तार से चल रहे कांवडियों के वाहनों से बाजारों में दुर्घटना की भी आशंका बनी है। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से कांवडियों के वाहनों की बाजारों में स्पीड नियंत्रति करने की मांग की है।कांवड यात्रियों के दोपहिया वाहन जहां तेज रफ्तार में चल रहे हैं, वहीं अब साइलेंसर निकालकर तेज आवाज भी आम लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। बदरीनाथ हाईवे के साथ ही केदारनाथ हाईवे पर कांवड यात्रियों के दो पहिया वाहन रफ्तार के साथ चलने लगे हैं। जिससे लगातार दुर्घटनाओं की संभावना बनी है। स्थानीय व्यापारी प्रदीप बगवाड़ी, माधो सिंह नेगी, पान सिंह पंवार, गणेश नौटियाल, सुनील चमोली, यशवंत बिष्ट, लक्ष्मण बिष्ट, दीपांशु भट्ट, शिशुपाल सिंह आदि ने कहा कि बीते कुछ सालों से पहाड़ में कांवड यात्री बढ़ रहे हैं। ऐसे में तेज रफ्तार से आने वाले कांवड़ वाहनों से बाजार के क्षेत्रों में दुर्घटना की संभावना बनी है। स्कूली बच्चों के साथ ही महिलाएं, बुर्जुग सड़कों पर आवाजाही करते रहते हैं। ऐसे में तेज वाहनों से लोगों को टक्कर लगने का भी खतरा बना है। उन्होंने पुलिस से बाजार के क्षेत्रों में कांवड यात्रियों के वाहनों की स्पीड नियंत्रित करवाने की मांग की है। वहीं दूसरी ओर सोमवार रात केदारघाटी के बड़ासू में कांवड़ियों ने जमकर आतंक मचाया। रात के समय स्थानीय लोगों की कुछ कांवड़ यात्रियों से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इस बीच कांवड यात्री सीधा मारपीट पर उतारू हो गये। कांवड़ियों ने सड़क किनारे कई बाइकों को नीचे गिरा दिया। जबकि स्थानीय लोगों पर बोल्डरों से हमला कर दिया। हमले के दौरान स्थानीय मेडिकल संचालक को भी चोंटे आई हैं।

फर्जी डिग्री लगाने वाले शिक्षक को पांच वर्ष की सजा

■ अब तक जनपद में 26 फर्जी शिक्षकों के खिलाफ हो चुकी है कार्रवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। बीएड की फर्जी डिग्री के आधार पर शिक्षा विभाग में नौकरी करने पर जनपद के एक और फर्जी शिक्षक को 5 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है। अब तक जनपद के कुल 26 फर्जी शिक्षकों कारावास की सजा हुई है।

दरअसल, जनपद रुद्रप्रयाग में तैनात फर्जी शिक्षक लक्ष्मण सिंह रौथाण जनता इंटर कॉलेज देवनगर रुद्रप्रयाग द्वारा 2003 में फर्जी बीएड की डिग्री के आधार पर शिक्षा विभाग में शिक्षक की नौकरी प्राप्त की गई।

जब उक्त की बीएड की डिग्री का सत्यापन कराया गया तो सत्यापन के उपरान्त चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ उत्तर प्रदेश से जांच आख्या प्राप्त हुई, जिसमें

उपरोक्त विश्वविद्यालय से कोई भी बीएड की डिग्री जारी नहीं की गई थी।

शासन स्तर से एसआईटी जांच भी कराई गई थी। जिसके आधार पर शिक्षा विभाग रुद्रप्रयाग द्वारा उक्त शिक्षक के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराया गया। फर्जी शिक्षक को तत्काल निलंबित कर तत्पश्चात बर्खास्त किया गया।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अशोक कुमार सैनी के न्यायालय द्वारा उपरोक्त फर्जी शिक्षक लक्ष्मण सिंह रौथाण को फर्जी बीएड की डिग्री के आधार पर छल व कपट से नौकरी करने के संबंध में दोषी करार पाते हुए धारा भारतीय दण्ड संहिता 420 व 1860 के अन्तर्गत 5 वर्ष के कठोर कारावास की सजा तथा दस हजार रूपये रुपये जुर्माने से दण्डित किया गया एवं जुर्माना अदा न करने पर तीन माह का अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। धारा 471 भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अन्तर्गत दोषसिद्ध पाते हुए 2 वर्ष का कठोर कारावास व पांच हजार रुपये रुपये जुर्माने से दडिण्त किया गया एवं जुर्माना अदा न करने पर एक माह के अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा भुगतना होगी। दोषसिद्ध फर्जी शिक्षक लक्ष्मण सिंह रौथाण को न्यायिक अभिरक्षा में लेकर दण्डादेश भुगतने के जिला कारावास पुरसाडी चमोली भेजा गया। उक्त मामले में राज्य सरकार की ओर से पैरवी अभियोजन अधिकारी प्रमोद चन्द्र आर्य द्वारा की गई है। उन्होंने बताया कि अब तक जनपद रुद्रप्रयाग में पंजीकृत 26 फर्जी शिक्षकों के मामले में सभी 26 फर्जी शिक्षकों को न्यायालय से दोषसिद्ध करते हुए दण्डित किया गया है।

रुद्रप्रयाग-तूना-बौंठा मोटरमार्ग गुजर रहा बदहाल स्थिति से

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जिला मुख्यालय से धनपुर पटटी के कई गांवों के साथ ही रुद्रप्रयाग नगरपालिका के अमसारी, पुनाड़, डांगसेरा, औण सहित अन्य क्षेत्रों की हजारों की आबादी को जोड़ने वाला रुद्रप्रयाग-तूना-बौंठा मोटरमार्ग जर्जस स्थिति में है। मोटरमार्ग पर सफर करना किसी खतरे से खाली नहीं है। रुद्रप्रयाग बस अडडे से लगभग दौ सौ मीटर दूर हितडांग मौहल्ले में मोटरमार्ग की सबसे बुरी हालात है। यहां मोटरमार्ग का पूरा डामर उखड़ चुका है। मोटरमार्ग पर बड़े-बड़े गढड़ों के साथ ही बरसात का पानी बह रहा है। जिस कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। सबसे अधिक दिक्कतें दुपहिया वाहन चालकों के अलावा बुजुर्ग एवं स्कूली नौनिहालों को हो रही हैं। वैसे तो दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाले मोटरमार्गों की बदहाल स्थिति रहती है, लेकिन रुद्रप्रयाग में तो जिला मुख्यालय से होकर गुजर रहे रुद्रप्रयाग-तूना-बौंठा मोटरमार्ग की लंबे समय से दनीय स्थिति है। तमाम अधिकारी-कर्मचारी से लेकर जनप्रतिनिधि मोटरमार्ग से होकर गुजरते हैं, लेकिन किसी का ध्यान मोटरमार्ग की बदहाल स्थिति पर नहीं जाता।

एक नजर ....

दिव्यांग छात्राों के दल ने किया लैंसडाउन का भ्रमण

कोटद्वार । नगरनिगम कोटद्वार के निंबूचौड़ स्थित दिया दिव्यांग संस्था के 35 छात्रों को लैंसडौन भ्रमण के लिए रवाना किया गया। पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह रावत और सदस्यों द्वारा हरी झंडी दिखाकर छात्रों के वाहन को रवाना किया गया। समिति अध्यक्ष महेंद्रपाल सिंह रावत ने कहा कि दिव्यांग जनों के लिए दया नहीं, बल्कि सेवा भाव से आगे आने की आवश्यकता है। सबका यह कर्तव्य है कि मिलकर दिव्यांग बच्चों की सेवा में अपना योगदान दें और उनके चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास करें। समिति का आभार व्यक्त करते हुए संस्था संचालक कविता मलासी ने कहा कि इस कार्य के लिए संस्था उनका आभार व्यक्त करती है ।कहा कि समय-समय पर क्षेत्रीय सामाजिक संगठन भी दिव्यांग हित में अपना योगदान देते रहते हैं, इसी से वे दिव्यांग बच्चों का भविष्य संवारने का कार्य कर रही हैं। इस अवसर पर समिति के देवेंद्र सिंह रावत, सुभाष कुकरेती, शूरबीर खेतवाल, जीत सिंह भंडारी, गोपाल सिंह नेगी, मोहन सिंह, अनसूया प्रसाद सेमवाल और भारत सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार रेलवे स्टेशन से रेल सेवाओं का विस्तार करने की मांग

कोटद्वार । सामाजिक कार्यकर्ता संग्राम सिंह भंडारी ने कोटद्वार रेलवे स्टेशन से रेल सेवाओं का विस्तार करने की मांग की है। कहा कि कोटद्वार से अन्य शहरों को जाने वाले लोगों को दिल्ली या अन्य जगहों से रेलगाड़ी बदलनी पड़ती है, इस कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस संबध में मंगलवार को केंद्रीय रेल मंत्री को प्रेषित ज्ञापन में उन्होंने कहा है कि कोटद्वार और आसपास का क्षेत्र सैन्य बाहुल है। यहां से सैनिक राजस्थान, जम्मू कश्मीर, कोलकाता और चंडीगढ़ आदि शहरों को भी जाते हैं, लेकिन केवल दिल्ली तक ही रेलसेवा होने के कारण उन्हें रेलगाड़ी बदलने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसलिए कोटद्वार रेलवे स्टेशन से रेल सेवा का विस्तार होना अति आवश्यक है ।

बेशकीमती जड़ी-बूटी सतवा के कृषिकरण पर दिया जोर

श्रीनगर। गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के उच्च शिखरीय पादप कार्यिकी शोध केंद्र (हैप्रेक) संस्थान के ओर से संकटग्रस्त औषधीय पादप सत्वा के संवर्धन एवं संरक्षण की पहल शुरू की है। आईईआरपी, जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण संस्थान, कोसी-कटारमल, अल्मोड़ा भारत सरकार परियोजना के तहत चमोली जनपद के नंदानगर के सुदूरवर्ती गांव कनोल और वाली ग्वाड़ में ग्रामीण पहली बार दुलर्भ जड़ी-बूटी सतवा की खेती कि शुरुआत की है। उच्च शिखरीय पादप कार्यिकी शोध केंद्र (हैप्रेक) के निद. शक डॉ. विजयकांत पुरोहित और व डा. बबीता पाटनी के दिशा-निर्देशन में किसानों को बेशकीमती औषधीय पादप सतवा के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर किसान गोष्टी आयोजित की गई। गोष्ठी में काश्तकारों को सतवा के कृषिकरण एवं उसके फायदों के बारे में बताया गया। साथ ही 100 पौधे किसानों को वितरित किए गये। इस मौके पर शोध छात्रा शिवांगी डोभाल ने कहा कि उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्र औषधीय पौधों की खान थी, जो हमारे ही आसपास थे। लेकिन मौजूदा मिट्टी, जलवायु परिस्थितियां और हमारी असंवेदनशीलता आदि कई ऐसे कारण हैं, जिसकी वजह से कई बेस किमती औषधीय प्रजातियां तेजी के साथ विलुप्त हो रही हैं। उन्होने सतवा के अधिक मात्रा में दोहन होने के कारण आज यह जड़ी-बूटी विलुप्त के कागार पर आ गयी है। उन्होने जड़ी-बूटी के संरक्षण एंव संवर्धन और कृषिकरण को लेकर काश्तकारों को आगे आने की अपील की। इस मौके पर हैप्रेक संस्थान से डॉ. जयदेव चौहान, मुकेश करासी के साथ ही काश्तकार कौशल्य देवी, सरस्वती देवी, बसंती देवी, देवेश्वरी देवी, खिलाफ सिंह, कुंवर सिंह, हिम्मत सिंह सहित आदि मौजूद थे।

एवरेस्ट विजेता कैडेट सचिन कुमार कीर्ति इंटर कॉलेज में हुआ सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी : पीएम.श्री राजकीय आदर्श कीर्ति इंटर कॉलेज के छात्र सचिन कुमार ने विश्व की सर्वोच्च शिखर माउण्ट एवरेस्ट पर सफल आरोहण करने पर विद्यालय परिवार ने उसको सम्मानित किया।मंगलवार को सुमन सभागार में कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि मुख्य शिक्षा अधिकारी अमित कोटियाल, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शैलेन्द्र अमोली, राजकीय कीर्ति इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य लोकेन्द्र पाल सिंह परमार द्वारा एवरेस्ट विजेता छात्र सचिन को सम्मानित किया गया । इस समारोह मेंछात्र सचिन को शाल एवं स्मृति चिन्ह तथा नगद धनराशि प्रदान की गयी स रूपये 5000 की धनराशि स्कूल के पूर्व प्रिंसिपल बी.एस राणा तथा 11000 की धनराशि संजय जगूड़ी एनसीसी प्रभारी द्वारा प्रदान की गई । इस दौरान मुख्य शिक्षा अधिकारी ने ने कहा कि सचिन की इस उपलब्धि से केवल विद्यालय ही नहीं बल्कि पूरा जनपद अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

वहीं सचिन ने इस अभियान के अनुभव उपस्थित अतिथियों तथा अपने साथी सहपाठियों के बीच साझा किये तथा छात्रों को मोबाइल से दूर रहने एवं नियमित उपस्थित रहने के लिए प्रेरित किया । सचिव ने बताया कि जिसका मुझे सम्मान दिया जा रहा है ।

डंपर व ट्रक की आमने-सामने की टक्कर, चालक की मौत

■ मूल्यागांव के पास डंपर और ट्रक की टक्कर में चालक की मौके पर गई जान,देवप्रयाग में सड़क हादसे के बाद हाईवे पर कुछ समय तक बाधित रहा यातायात

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा मूल्यागांव के समीप उस समय हुआ जब एक खाली डंपर और ट्रक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और चालक बुरी तरह से वाहन में ही फंस गया।

देवप्रयाग के थानाध्यक्ष लखपत सिंह बुटोला ने जानकारी देते हुए बताया कि यह दुर्घटना उस वक्त हुई जब देवप्रयाग से श्रीनगर की ओर जा रहा एक खाली डंपर अचानक सामने से श्रीनगर से ऋषिकेश की ओर आ रहे ट्रक से टकरा गया। दोनों वाहनों की गति तेज थी, जिससे टक्कर की तीव्रता और भी बढ़ गई। हादसे में ट्रक चालक ताजबर सिंह, निवासी गणेश नगर, रुद्रप्रयाग की मौके पर ही मृत्यु हो गई। टक्कर के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई और कुछ समय के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया।

पुलिस ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और जेसीबी व अन्य संसाधनों की मदद से दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात को बहाल किया। वहीं मृतक चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए श्रीनगर अस्पताल भेजा गया है। थानाध्यक्ष बुटोला के अनुसार, मृतक के परिजनों द्वारा तहरीर मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

यह हादसा एक बार फिर सड़क सुरक्षा और गति नियंत्रण के महत्व को रेखांकित करता है। स्थानीय लोग प्रशासन से लगातार अपील कर रहे हैं कि इस मार्ग पर गति नियंत्रण के लिए और कड़े कदम उठाए जाएं, जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। प्रतापनगर के विधायक और कांग्रेस के पंचायत चुनाव प्रभारी विक्रम सिंह नेगी ने प्रदेश सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग पर तीखे आरोप लगाते हुए कहा है कि उत्तराखंड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों की प्रक्रिया संविधान और कानूनों को दरकिनार कर मनमाने तरीके से चलाई जा रही है।

मंगलवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए नेगी ने कहा कि पंचायतों का कार्यकाल आठ माह पहले ही समाप्त हो चुका था, लेकिन सरकार और आयोग समय पर चुनाव कराने में विफल रहे। कांग्रेस पार्टी शुरू से ही यह मांग कर रही थी कि संविधान और पंचायत राज अधिनियम के अनुरूप कार्यकाल समाप्त होने से पहले चुनाव संपन्न कराए जाएं।

नेगी ने चुनाव के समय पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार ने आपदा, कांवड़ यात्रा और चारधाम यात्रा जैसे व्यस्ततम काल में पंचायत चुनाव कराने का निर्णय लेकर गंभीर लापरवाही दिखाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी है और रिटर्निंग ऑफिसर्स (आरओ) पक्षपातपूर्ण रवैया अपना रहे हैं। उन्होंने टिहरी जनपद के अखोड़ी जिला पंचायत वार्ड का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां खुला खेल खेला जा रहा है, जिसे कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी।

उन्होंने मांग की कि प्रदेश की धामी सरकार को संविधान और नियमों की अवहेलना के चलते बर्खास्त कर राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाना चाहिए।कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता शांति प्रसाद भट्ट ने भी निर्वाचन आयोग के 6 जुलाई 2025 के सर्कुलर को लेकर गंभीर आपत्ति जताई।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने उक्त सर्कुलर को असंवैधानिक ठहराते हुए पंचायत राज अधिनियम 2016 (संशोधित 2019) की धाराओं 9 (6) व 9 (7) को मान्य माना है। ऐसे में नामांकन निरस्त करने की कार्यवाही क्यों नहीं की जा रही, यह सवाल अब भी अनुत्तरित है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेश राणा ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार पंचायत चुनावों में साम, दाम, दंड, भेद की नीति अपनाकर सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करने का प्रयास कर रही है और कांग्रेस इसका पुरजोर विरोध करेगी। इस मौके पर महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष आशा रावत, महिला कांग्रेस की शहर अध्यक्ष अनीता रावत, शहर कांग्रेस चंबा के अध्यक्ष शक्ति प्रसाद जोशी, नगर पालिका सभासद नवीन सेमवाल, सोबन सिंह कुमाईं सहित कई अन्य कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सावन के प्रत्येक सोमवार को मांस की दुकानें बंद रखने की मांग

कोटद्वार । विश्व हिंदू परिषद ने सावन मास के प्रत्येक सोमवार को मांस विक्रेताओं की दुकान बंद रखने की मांग की है। कहा कि इससे सनातनियों की भावनाएं आहत होती हैं। इस संबध में मंगलवार को परिषद के जिलाध्यक्ष दीपक गौड़ के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं द्वारा नगर आयुक्त को सौंपे ज्ञापन में कहा गया है कि सावन के महीने के सोमवार को भी मांस विक्रेताओं की दुकानें खुली नजर आती हैं, इनको बंद रखा जाना चाहिए। कहा कि क्षेत्र के गली मोहल्लों में मंगलवार के दिन भी नाई व मांस की दुकानें खुली रहती हैं। उन पर भी कार्रवाई की जानी चाहिए। चेतावनी दी कि नगर निगम प्रशासन द्वारा इन मांगों पर कार्रवाई न करने की स्थिति में परिषद खुद ही दुकानों को बंद करवाने पर मजबूर होगी।

पौधारोपण कर मनाया हरेला पर्व

कोटद्वार । नगरनिगम कोटद्वार के झंडीचौड़ स्थित भगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय में मंगलवार को हरेला पर्व के उपलक्ष्य में पौधरोपण किया गया। भगवंत ग्लोबल विवि में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतिकुलपति प्रो. पीएस राणा द्वारा पौधा रोप कर किया गया। उन्होंने कहा कि हरेला पर्व उत्तराखण्ड का लोक पर्व है जिसका सम्बन्ध प्रकृति की हरियाली से है। आज बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग के कारण प्रकृति कि संरक्षण किये जाने की नितांत आवश्यकता है। आज हमें कम से कम एक - एक पेड़ लगाकर प्रकृति को स्वच्छ एवं संरक्षित करने का संकल्प लेना चाहिए।

18 से अधिक राज्यों में चल रहा बीज बम अभियान: सेमवाल

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। मंगलवार को एसएसबी सीटीसी श्रीनगर में बीज बम अभियान का समापन हुआ। इस मौके पर गढ़वाल विवि के हैप्रेक संस्थान, पर्वतीय विकास शोध केंद्र एवं शास्त्र सीमा सुरक्षा बल के संयुक्त तत्वाधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बीज बम अभियान के प्रणेता द्वारिका प्रसाद सेमवाल ने कार्यक्रम में मौजूद जवानों एवं अन्य लोगों को बीज बम बनाने एवं उसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर द्वारिका प्रसाद सेमवाल ने कहा कि 2015-16 में जब यह प्रयोग सफल हुआ।

इसके बेहतर परिणाम सामने आए तो इसे समाज और सरकार के बीच ले जाने के लिए 2017 में बीज बम अभियान शुरू किया गया। कहा कि बीज बम अभियान आज देश के 18 से अधिक राज्यों में इसको स्वीकार्यता मिली है। इस मौके पर पर्वतीय विकास शोध केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ. अरविंद दरमोड़ा ने कहा कि द्वारिका प्रसाद सेमवाल ने बीज बम को आम जन से लेकर सरकार और अनुसंधान संस्थान तक पहुंचाया। जिसके चलते आज जन जन की जबान पर बीज बम है। इस मौके पर गढ़वाल विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण अधिष्ठान प्रो. ओपीएस गुसांई ने कहा कि द्वारिका प्रसाद सेमवाल ने बीज बम अभियान को उत्तराखंड ही नहीं पूरे देश में ले जाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। बीज बम अभियान को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं एनसीसी की गतिविधियों में सम्मिलित किया जाएगा। इस मौके पर एसएसबी के डीआईजी सुभाष नेगी, गढ़वाल विवि के पूर्व कुलसचिव प्रो. पीएस राणा, चौरास परिसर के निदेशक प्रो. आरएस नेगी, हैप्रेक संस्थान के निदेशक डा. विजय कांत पुरोहित, प्रो. मोहन सिंह पंवार, प्रो. मदन सिंह रावत, डॉ. आलोक सागर गौतम, समीर रतूड़ी, भास्करानंद अंथवाल, उप सेना नायक डॉ. विकास कुमार सिंह सहित आदि मौजूद थे।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले और दूसरे चरण के मतदान दिवस पर घोषित हुआ सार्वजनिक अवकाश

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2025 के अंतर्गत जनपद टिहरी गढ़वाल में दो चरणों में होने वाले मतदान को लेकर प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) नितिका खंडेलवाल ने शासन की अधिसूचना के निर्देशानुसार मतदान दिवसों को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है, जिससे अधिक से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

प्रथम चरण के तहत 24 जुलाई, 2025 को विकासखंड जौनपुर, प्रतापनगर, जाखणीधार, थौलधार और भिलंगना में मतदान होगा, जबकि द्वितीय चरण के तहत 28 जुलाई, 2025 को कीर्तिनगर, देवप्रयाग, नरेंद्रनगर और चंबा विकासखंडों में मत डाले जाएंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इन तिथियों को संबंधित विकासखंड क्षेत्रों में निवास करने वाले सभी शासकीय एवं अशासकीय कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, अर्द्ध-निकायों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मियों, कारीगरों और मजदूरों को मतदान हेतु सवेतन सार्वजनिक अवकाश प्रदान किया गया है।

इसके अतिरिक्त इन मतदान दिवसों पर संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के समस्त कोषागार एवं उपकोषागार भी बंद रहेंगे। प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे और चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं प्रभावी ढंग से संपन्न हो सके।

जिला प्रशासन ने आम जनता, कर्मचारियों और सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपने मत का प्रयोग कर निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया में सहयोग करें।

जनभागीदारी से ही टीबी उन्मूलन संभव: राज्यपाल

राज्यपाल व स्वास्थ्य मंत्री ने टीबी मुक्त भारत अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों को किया सम्मानित

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने मंगलवार को राजभवन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तराखण्ड द्वारा आयोजित ''टीबी मुक्त भारत अभियान'' के अंतर्गत पुरस्कार समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने टीबी रोगियों को गोद लेकर नियमित निगरानी और मान. सिक संबल प्रदान कर रोगियों के स्वस्थ होने में मदद करने वाले 13 नि:क्षय मित्रों को सम्मानित किया। वहीं उन्होंने 13 ट्रीटमेंट सपोटर्स को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया, जिन्होंने जमीनी स्तर पर कार्य कर, रोगियों के उपचार की नियमित मॉनिटरिंग और उनकी समुचित देखभाल की।

इस दौरान राज्यपाल ने टीबी उन्मूलन की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जनपदों देहरादून, चम्पावत और रुद्रप्रयाग को भी सम्मानित किया। उन्होंने टीबी रोग से स्वस्थ हुए 'टीबी चौंपियनों'' को भी सम्मानित किया और गोद लिए गए टीबी मरीजों को पोषण किट प्रदान की। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि टीबी उन्मूलन केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए जनभागीदारी और सामूहिक संकल्प आवश्यक है। उन्होंने कहा कि टीबी से स्वस्थ हुए लोग असली योद्धा हैं और समाज के लिए प्रेरणा बन सकते हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने टीबी उन्मूलन के क्षेत्र में कार्य कर रहे सभी लोगों, स्वयं सेवी संस्थाओं और स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों की सराहना की और कहा कि इन सभी लोगों की मेहनत से हमारा प्रदेश अग्रणी राज्यों में है। राज्यपाल ने बताया कि उन्हें भी नि:क्षय मित्र बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, और अब तक उन्होंने 75 टीबी रोगियों को गोद लिया है, जिनमें से 62 मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं। उन्होंने समाज के सामर्थ्यवान व्यक्तियों से अपील की कि वे भी आगे आकर नि:क्षय मित्र बनें और इस अभियान को गति दें। कार्यक्रम में सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार, अपर सचिव राज्यपाल रीना जोशी, महानिदेशक स्वास्थ्य डॉ. सुनीता टम्टा, निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ. आशुतोष सयाना, निदेशक स्वास्थ्य डॉ शिखा जंगपांगी, चेयरमैन रेडक्रॉस सोसायटी डॉ. नरेश चौधरी सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी व मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

2025 तक उत्तराखण्ड को पूरी तरह से टीबी मुक्त बनाना लक्ष्य : डॉ. रावत

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि 2025 तक उत्तराखण्ड को पूरी तरह से टीबी मुक्त बनाना और इस राष्ट्रीय प्रयास में अग्रणी भूमिका निभाना है। हम इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इसके लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त अभियान को 01 अगस्त, 2025 से राज्य भर में एक व्यापक अभियान शुरू किया जाएगा। इस अभियान के तहत सभी नगर पंचायतों के वार्डों और नगर निगमों के सभी पार्षद वार्डों में विशेष शिविर (कैंप) लगाए जाएंगे। इन शि. विरों का उद्देश्य समुदाय स्तर पर टीबी के मामलों की पहचान करना, उनका उपचार सुनिश्चित करना और जागरूकता फैलाना होगा।

सम्मानित होने वाले लोग

सम्मानित होने वाले नि:क्षय मित्र में हिमालयन वेलनेस कम्पनी के डॉ. सैयद फारुख, हंस कल्चरल फाउंडेशन की पूनम किमोठी, देहरादून के मुकेश मोहन, पंकज गुप्ता, साईं इंस्टीट्यूट की डॉ. आरती, रेडक्रॉस सोसायटी की कल्पना बिष्ट, कनिष्क हॉस्पिटल की डॉ. रितु गुप्ता, आस संस्था की हेमलता बहन, स्वामी राम हिमालयन यूनिवर्सिटी के राजीव बिजल्वाण, देव भूमि स्वराज फाउंडेशन के इन्दर रमोला, महिला जिजी. विषा मंच देहरादून की डॉली डबराल, लायंस क्लब के रजनीश गोयल और ममता थापा शामिल हैं। वहीं ट्रीटमेंट सपोर्टर में कम्युनिटी वॉलिंटियर सुप्रिया, जोया, कनक एवं आशा कार्यकत्रियों में नीरज, नीरा कंडारी, मीना काला, गंगा भंडारी, सरोज, नीरू जैन, पूजा जोशी, शिखा अरोड़ा, निर्मला जोशी एवं सचि तिवारी को सम्मानित किया गया।

पंचायत चुनाव में पार्टी अभियान को धार देने निकलेंगे महेंद्र भट्ट

■ सहसपुर-विकास नगर से शुरू होगा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का चार दिवसीय प्रवास

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में पार्टी अभियान को गति देने के लिए प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट बुधवार से 4 दिवसीय प्रवास पर निकलेंगे। पुन: प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद अपने इस पहले दौरे पर वे देहरादून ग्रामीण से होते हुए उत्तरकाशी के गंगा यमुना घाटी क्षेत्र में संगठन की विभिन्न बैठकों में शामिल होंगे।

प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने जानकारी दी कि प्रदेशाध्यक्ष का यह दौरा बुधवार को सहसपुर-विकासनगर से प्रारंभ होगा। जहां वह पार्टी के पंचायत चुनाव समन्वयक, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, सह प्रभारी, विधानसभा विस्तारक समेत अपेक्षित पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। जिसके उपरांत चकराता में रात्रि विश्राम के बाद वह अगले दिन वहां पंचायत चुनाव संदर्भित पार्टी की बैठक में शामिल होकर, कालसी होते हुए पुरोला पहुंचेंगे। इसी क्रम में 18 जुलाई को वह पुरोला और यमुनोत्री के अपेक्षित कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों की अलग अलग बैठक लेंगे। जिसके बाद बड़कोट क्षेत्र भ्रमण करते हुए रात्रि विश्राम के लिए उत्तरकाशी पहुंचेंगे। प्रवास के अंतिम दिन 19 जुलाई को वह गंगोत्री और यमुनोत्री के पंचायत चुनाव से संबंधित कार्यकर्ताओं और जिला अध्यक्ष, प्रभारी, सह प्रभारी, विधानसभा विस्तारक, समन्वयक की पृथक पृथक बैठक लेंगे।

हाईकोर्ट का प्रदेश चुनाव आयुक्त को दो दिन में शपथ पत्र पेश करने का आदेश

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल । हाईकोर्ट ने मतदाता सूची तैयार करने के तरीके को लेकर मंगलवार को प्रदेश चुनाव आयुक्त से दो दिन में शपथ पत्र पेश करने को कहा है।

बता दें बुदलाकोट निवासी आकाश बोरा की ओर से दायर जनहित याचिका पर मुखय न्यायाधीश जी0 नरेन्दर और न्यायमूर्ति आलोक महरा की खंडपीठ में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि बुदलाकोट में 52 बाहरी लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल किये गये हैं। इनमें से अधिकांश लोग राज्य से बाहर के हैं,इसके जवाब में प्रदेश चुनाव आयोग की ओर से कहा गया कि पांच सदस्यीय जांच कमेटी की ओर से इस प्रकरण की जांच की गयी है। 30 मतदाताओं के नाम वैध पाये गये हैं जबकि 22 अवैध पाये गये हैं। उन्होंने हटा दिया गया है। चुनाव आयोग की ओर से कहा गया कि पंचायती राज अधिनियम के प्रावधानों के तहत सूची तैयार की गयी है। अदालत ने चुनाव आयोग से मतदाता सूची तैयार करने को लेकर कई बार सवाल किया। आयोग की ओर से कहा गया कि बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) की ओर से डूअर टू डूअर जाकर मतदाताओं की जानक. ारी जुटाई जाती है। अंत में मतदाता सूची तैयार कर उस पर आपत्ति मांगी जाती है। अंत में अंतिम सूची तैयार कर ली जाती है। अदालत इससे संतुष्ट नजर नहीं आयी और उसने प्रदेश चुनाव आयुक्त से इस प्रकरण में दो दिन में जवाब देने को कहा। इस मामले में दो दिन बाद गुरूवार को सुनवाई होगी।

जनमन के अधिकार हुए बाधित, तो सम्बन्धित एजेंसी पर कार्रवाई तय: डीएम

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह व एसडीम कुमकुम जोशी की अध्यक्षता में मानसून काल में सड़कों पर जलभराव की समस्या के समाधान करने की दिशा में जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देश पर जिला प्रशासन की क्वीक रिस्पांस टीम पूरी सक्रियता के साथ मैदान में है। वही आपदा नियंत्रण कक्ष में शिकायत प्राप्त होते ही टीम मौके पर पहुंचकर जलभराव सीवर लीकेज आदि समस्याओं का निस्तारण कर रही है।

जिलाधिकारी निर्देश दिए हैं कि निर्माणदायी संस्थाएं अपना कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण कर लें। यदि निर्माण कार्यों से जनमन के अधिकार बाधित हुए तो सम्बन्धित एजेंसियों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। एसडीएम कुमकुम जोशी ने बताया कि वर्षा के दौरान बंजारावाला लक्ष्य एन्क्लेव और आसपास के अन्य क्षेत्रों से जनमानस की सड़क पर जलभराव आदि शिकायत प्राप्त हो रही है। जिस क्यूआरटी टीम द्वारा मौके पर समाधान किये जा रहे है। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था यूयूएसडीए के अधिकारियों शेष सड़क मरम्मत कार्य 3 दिन के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए है। अन्यथा सम्बन्धित के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करने की चेतावनी दी गई है। दून अस्पताल मार्ग पर सीवर ओव. रफ्लो की शिकायत मिलने पर प्रशासन की क्यूआरटी सक्रिय होकर स्थिति को नियंत्रण करते हुए समाधान किया।

इमजेंसी सर्विस के लिए सीएम ने केंद्र से मांगा अतिरिक्त हेलिकाप्टर

■ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से सीएम धामी ने दिल्ली में की मुलाकात

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से उत्तराखण्ड में एम्स ऋषिकेश से संचालित एयर एम्बुलेंस सेवा के विस्तार के साथ ही राज्य के पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में आपातकालीन सेवाओं के लिए एक अतिरिक्त हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराए जाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से शिष्टाचार भेंट की।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रति एसईसीसी परिवार केंद्रीय योगदान को 1,052 से बढ़ाकर रुपये 1,500 करने का आग्रह करने के साथ ही चार धाम यात्रा में एम्स के विशेषज्ञों के योगदान और स्नातकोत्तर डॉक्टरों के रेजिडेंसी में यात्रा ड्यूटी सम्मिलित करने के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में दो नए मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। इसी क्रम में जगजीवन राम मेडिकल कॉलेज, पिथौरागढ़ और पं. राम सुमेर शुक्ल मेडिकल कॉलेज, रुद्रपुर, शैक्षणिक वर्ष 2026-27 से शिक्षण कार्य प्रारंभ करने के लिए नेशनल मेडिकल कमीशन/भारत सरकार के पास आवेदन करेंगे। मुख्यमंत्री ने इन दोनों मेडिकल कॉलेज के संचालन के लिए आवश्यक मंजूरी प्रदान करने के साथ ही टीएचडीसी के सहयोग से निर्माणाधीन टिहरी मेडिकल कॉलेज की भी आवश्यक अनुम. तियां शीघ्र प्रदान करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में अत्याधुनिक ट्रॉमा सेंटर की स्थापना और उसके सुचारू संचालन के लिए भारत सरकार से तत्काल सहायता का विनम्र अनुरोध है।

परिसर में विकसित होते खेल उपकरणों का बच्चे उठा रहे हैं लुत्फः जिलाधिकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादन। भिक्षावृत्ति, बाल मजदूरी से मुक्त कराए गए बच्चे राज्य के पहले इन्टेंसिव केयर शेल्टर में शिक्षा की धारा से जुड़ने लगे हैं।जहां दिन प्रतिदिन बच्चों की संख्या भी बढती जा रही है। शिक्षा का रास्ता दिखाने वाले इस मंदिर में बच्चें, संगीत, योग, खेल एक्टिविटी के साथ ही शिक्षा में रूचि ले रहे हैं।

जिलाधिकारी सविन बंसल के इस माइक्रोप्लान के तहत तैयार किए गए राज्य के पहले आधुनिक इन्टेंसिव केयर शेल्टर से जहाँ भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों को रेस्क्यू कर आखर ज्ञान के साथ ही तकनीकि ज्ञान तथा संगीत एवं अन्य गतिविधि के माध्यम से मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। डीएम के माईक्रोप्लान से जहां सड़कों पर भिक्षावृत्ति करते बच्चों को रेस्क्स्यू कर मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। साधुराम इन्टर कालेज में बनाए गए आधुनिक इन्टेंसिव केयर शैल्टर में विशेषज्ञ शिक्षक अपनी-अपनी विधा योग, संगीत, खेल, नाटक मंचन, कम्प्यूटर शिक्षा से बच्चों को पारंगत कर रहे है।

चयनित एलटी प्रतिनिधिमंडल ने कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष को दिया ज्ञापन

■ नियुक्ति पत्र जारी करवाने के लिए कांग्रेस करेगी मजबूत पैरवी: सूर्यकांत

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षा विभाग व राज्य सरकार की कमजोर पैरवी के कारण ही पिछले छह माह से चयन होने के बावजूद 1352 चयनित एलटी अभ्यर्थियों को कोर्ट कचरी निदेशालय व मंत्रियों के दरवाजों पर धक्के खाने पड़ रहे हैं। यह कुर्सी पर काबिज लोगों के लिए शर्म की बात है।

यह बात मंगलवार को उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में अपनी नियुक्ति के संबंध में ज्ञापन देने व निदेशालय में पिछले नब्बे दिनों से चले आ रहे धरने में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करण माहरा को आमंत्रित करने आए एलटी अभ्यर्थियों को प्रदेश उपाध्यक्ष धस्माना ने कही। धस्माना ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा विभाग की बहुत दयनीय स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश सरकार एक तरफ कम छात्र संख्या का बहाना बना कर 1488 विद्यालय बंद कर क्लस्टर विद्यालय खोलने की बात कर रही है जिससे आने वाले सालों में राज्य में बेरोजगारी व अशिक्षा दोनों बढ़ेंगे। धस्माना ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पुरजोर तरीके से चयनित एलटी शिक्षकों को नियुक्ति प्रदान करवाने के लिए हर संभव प्रयास करेगी व आवश्यकता पड़ने पर पार्टी सड़कों पर भी संघर्ष भी करेगी। धस्माना ने कहा कि वे स्वयं आगामी बुधवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा को लेकर शिक्षा निदेशालय एलटी अभ्यर्थियों के धरने में पहुंचेंगे। प्रतिनिधिमंडल की और से मांग पत्र सौंपा गया जिसमें गौरव नौटियाल, जोगेंद्र नाथ, रोहित आसवाल, बलदेव पंवार, रमेश पांडे, नरेंद्र सिंह, विवेक उनियाल, राधा भंडारी व आरती असवाल शामिल थे।

एक नजर ....

हिमालय में रक्तदान शिविर का आयोजन

देहरादून। हिमालय वेलनेस कंपनी देहरादून इकाई और रोटरी क्लब देहरादून ने रेड क्रॉस सोसाइटी और ब्लड बैंक महंत इंद्रेश अस्पताल के सहयोग से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। 45 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया जो जरूरतमंद मरीजों की जान बचाने में सहायक सिद्ध होगा। इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ. एम. एस. अंसारी, इंद्रेश अस्पताल के ब्लड बैंक की अध्यक्ष डॉ. अपर्णा भारद्वाज, डॉ. दीक्षा भारद्वाज, डॉ. अपर्णा, अमित और इंद्रेश अस्पताल के अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। डॉ. एस. फारूक ने समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए 35वीं बार रक्तदान किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन दो उल्लेखनीय अवसरों पर हुआ। सुधांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से भारत वापसी और डॉ. एम. एस. अंसारी का जन्मदिन: डॉ. अंसारी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में केक काटने का समारोह आयोजित किया गया। रोटरी क्लब देहरादून के अध्यक्ष जोगेंद्र सिंह और आईपीपी डॉ. आर. के. बख्शी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

स्वामी बाबा रामदेव ने किया एक्सिस बैंक के एटीएम का उद्घाटन

देहरादून। देश के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंकों में से एक एक्सिस बैंक ने हरिद्वार स्थित पतंजलि वेलनेस सेंटर में ऑटोमेटेड टेलर मशीन (एटीएम) का उद्घाटन किया है। इस एटीएम सेंटर का उद्घाटन योग गुरु स्वामी बाबा रामद. `व ने किया। जो 24 घंटे ग्राहकों को बैंकिंग सेवाएं प्रदान करेगा। इस पहल के साथ एक्सिस बैंक ने सुविधाजनक बैंकिंग सेवाओं को अपने ग्राहकों तक पहुंच को आसान बनाया है और अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है। इस उद्घाटन समारोह में स्वामी बजरंग देव जी के अलावा एक्सिस बैंक के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे, जिनमें क्षेत्रीय शाखा बैंकिंग प्रमुख- उत्तर 3 श्रीकेश पी. और देहरादून के मंडल प्रमुख रजित सिंगला शामिल थे।

जोशी ने राज्यसभा सांसद बंसल की माता के निधन पर जताई शोक संवेदना

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने राज्यसभा सांसद नरेश बंसल की माता परमेश्वरी देवी के निधन पर उनके देहरादून स्थित आवास पहुंचकर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने ईश्वर से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान व शोकाकुल परिजनों को यह दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस दौरान भाजयुमो की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहा जोशी भी उपस्थित रही।

शिक्षा व उद्योग के बीच की खाई को पाटने की आवश्यकता: प्रो. डॉ. हिमांशु

देहरादून। आर.बी.बी. सुभारती विश्वविद्यालय के वाइस-चांसलर डॉ. ऐरन ने शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने की आवश्यकता पर बल दिया, कहा कि छात्र तेजी से बदलती दुनिया में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल प्राप्त कर सकें। प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन को अर्डोरकॉम शिक्षा नेतृत्व शिखर सम्मेलन उत्तराखंड में सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनकी उत्कृष्टता और शिक्षा के भविष्य को आकार देने के प्रति समर्पण को स्वीकार करता है। इस मौके पर डॉ. ऐरन ने ए.आई.-संचालित और प्रौद्योगिकी-चालित दुनिया के संदर्भ में शिक्षा प्रणाली को अद्यतन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस मौके पर प्रोफेसर मनमोहन गुप्ता डीन एकेडमिक्स सुभारती विवि आदि मौजूद रहे।

कृषि मंत्री जोशी ने किया फलदार पौधों का वितरण

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखण्ड की पर्यावरण एवं सांस्कृतिक परंपरा के प्रतीक हरेला पर्व की पूर्व संध्या पर मंगलवार को देहरादून के न्यू कैंट रोड़ में आयोजित फलदार पौध वितरण कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने प्रतिभाग किया। यह कार्यक्रम उद्यान विभाग की और से आयोजित किया गया, जिसमें आम, लीची, अमरूद, नींबू, अनार, कटहल जैसी विभिन्न फल प्रजातियों के पौधों का नि:शुल्क वितरण किया गया।

इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने लोगों को हरेला पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक पहचान के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह प्रकृति से हमारे जुड़ाव और जिम्मेदारी का उत्सव है। हमें केवल पौधारोपण नहीं, बल्कि उनकी देखभाल का भी संकल्प लेना होगा। कृषि मंत्री ने कहा कि उद्यान विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 में प्रदेशभर में 15 लाख फलदार पौधों के रोपण का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें से 07 लाख पौधे नि:शुल्क योजनान्तर्गत वितरित किए जाएंगे। इस क्रम में आज देहरादून जनपद से इस अभियान की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में उद्यान विभाग के संयुक्त निदेशक डा रतन कुमार, बागवानी मिशन के निदेशक महेन्द्रपाल, डा नरेन्द्र यादव, उपनल के एमडी बिग्रेडियर (सेनि) जेएनएस बिष्ट, भाजयुमो की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहा जोशी, मण्डल अध्यक्ष प्रदीप रावत, राजीव गुरुंग, सुरेन्द्र राणा सहित सैकड़ो क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

मेहरांश पन्त व दीप्ती नौटियाल बने स्कूल के कैप्टेन

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। नत्थनपुर में स्थित अके. शिया पब्लिक स्कूल में मंगलवार को इन्वेस्टर सेरेमनी का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ चेयरमैन मनमीत सिंह ढिल्लों ने दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यार्थियों की और से शास्त्रीय नृत्य स्वागत गीत पेश किया। इस उपलक्ष पर विद्यालय की डायरेक्टर रमनदीप कौर ढिल्लों व रुपिंदर कौर ने वार्षिक पत्रिका का विमोचन किया। मेहरांश पन्त व दीप्ती नौटियाल को स्कूल कैप्टेन पद की शपथ दिलाई गयी, वाइस कैप्टेन पद पर मानव सिंह व भूमि शर्मा, स्पोर्ट्स कैप्टेन ऋषिका रावत व अदिति गुसाई. स्पोर्ट्स वाईस कैप्टेन अंशुल रावत व शिवानी सिंह, पद की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर जशनदीप सिंह ढिल्लों, उप प्रधानाध्यापिका ममता रावत, देवराज थापा हिमांशु रावत व अन्य शिक्षकगण उपस्तिथ थे।

डीएम ने असहाय, अनाथ और लाचार राजू को दिलाया सहारा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। असहनीय पीड़ा से छटपटाते हुए अचानक राजू नाम का एक व्यक्ति डीएम दफ्तर पहुंचा। कहा ''साहिब मेरा नाम राजू है। मेरे कोई भी अपना नही है, लावारिस हूॅ। गढ़वाल से आया हूॅ। मेरे हाथ पर गरम पानी गिरने से हाथ जल गया है।

इलाज की जरूरत है। बहुत दर्द हो रहा है। अस्पताल में कोई डॉक्टर नहीं सुन रहा, बहुत परेशान हूॅ, हाथ की सर्जरी होनी है। पैसा नही है, मदद करों। अपने रुंधे कंठ से ये कहते कहते राजू की आंखें दर्द के आंसुओं से छलक उठी। जिलाधिकारी सविन बंसल ने पूरी संवेदना के साथ असहाय, अनाथ राजू की मार्मिक व्यथा सुनी। राजू के अधजले हाथ के असीमित और असहनीय पीड़ा को महसूस किया और बिना वक्त जाया करते राजू के उपचार हेतु फोन पर चिकित्सकों से परामर्श किया और राजू को तत्काल प्रशासन के सारथी वाहन से चिकित्सक के पास पहुंचाया। जहां अब राजू के अधजले हाथ का इलाज हो रहा है। असहाय, अनाथ राजू ने बताया कि वह चमोली जनपद के पांडुकेश्वर स्थित एक होटल में मजदूरी पर काम कर रहा था। एक दिन अचानक उसके हाथ में गरम पानी गिरने से उसका पूरा हाथ जल गया।

हरेला उत्तराखण्ड की परंपरा, संस्कृति और प्रकृति प्रेम का पर्व : डॉ. खन्ना

■ बाल आयोग अध्यक्ष के नेतृत्व में मनाया हरेला पर्व

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड बाल अधिकार सरंक्षण आयोग की अध्यक्ष डा गीता खन्ना के नेतृत्व में आयोग के सचिव डा शिव कुमार बरनवाल, अनुसचिव डा सतीश कुमार सिंह व कर्मचारियों ने हरेला पर्व मनाया ।

हरेला पर्व के अवसर पर आयोग अध्यक्ष ने सभी से अपने घरों व आस-पास के स्थानों पर वृक्षारोपण करने तथा पर्यावरण को प्रदुषण मुक्त बनाये जाने की अपील की । इस मौके पर डॉ गीता खन्ना ने कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह प्रकृति से हमारे जुड़ाव और जिम्मेदारी का उत्सव है। हमें केवल पौधारोपण नहीं, बल्कि उनकी देखभाल का भी संकल्प लेना होगा।

उन्होंने कहा कि हरेला उत्तराखण्ड की परंपरा, संस्कृति और प्रकृति प्रेम का पर्व है, जो हमें हरियाली से जुड़ने और पर्यावरण की रक्षा करने की प्रेरणा देता है। डॉ गीता खन्ना ने कहा कि हरेला हमारे जीवन में हरियाली, समृद्धि और शांति लाने वाला पर्व है। यह हमें पेड़-पौधों, जल, जमीन और पर्यावरण से जुड़ने का अवसर देता है। हम सभी को मिलकर इस परंपरा को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज जब दुनिया ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण जैसी गंभीर समस्याओं का सामना कर रही है, ऐसे समय में हरेला पर्व हमें एकजुट होकर प्रकृति की रक्षा करने का संद. `श देता है। बाल आयोग अध्यक्ष डॉ गीता खन्ना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल ''एक पेड़ माँ के नाम'' की सराहना करते हुए सभी से अपील की कि हरेला पर्व पर एक-एक पेड़ अवश्य लगाएं। उन्होंने कहा कि बच्चों, युवाओं और महिलाओं को इस पर्व से जोड़ते हुए पर्यावरण संरक्षण को एक जन-आंदोलन का रूप देना चाहिए।

राज्यपाल ने हरिद्वार पहुंचकर कांवड़ यात्रा पर आए श्रद्धालुओं को पटका व रूद्राक्ष की माला पहनाकर किया स्वागत

कांवड़ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की न हो समस्या, श्रद्धालु देवभूमि से सुःखद यादे व सुःखद अनुभव लेकर जाएं

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। राज्यपाल लेफ्टिनेट जनरल गुरमीत सिंह (रि.ले.ज.) ने डामकोठी में जिला प्रशासन की बैठक लेकर कांवड़ यात्रा के सफल संचालन हेतु जिला प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों, व्यवस्थाओं तथा चुनौतियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कांवड़ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने जिला प्रशासन का हौंसला अफजाई करते हुए कहा कि प्रभु ने श्रद्धालुओं की सेवा का बहुत ही सुन्दर अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि विश्व के कई देशों की इतनी जनसंख्या नहीं है, जितने कांवड़ यात्रियों को प्रशासन द्वारा इन 13 दिनों में डील किया जायेगा। उन्होंने मार्गदिशत करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा पर आधारित कॉफी टेबल बुक 2025 बनाई जाये जिसमें तैयारियों, चुनौतियों, आस्था सहित सभी पहलुओं का समावेशन हो।

उन्होंने मार्गदर्शित करते हुए कहा कि किसी भी यात्रा के साथ तीन चीजें-यादे, भावनाएं तथा प्रेरणा जुड़ी होती है। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड में कांवड़ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या न हो और यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु देवभूमि से सुःखद यादे व सुःखद अनुभव लेकर जायें। उन्होंने मार्गदर्शित करते हुए कहा कि जो व्यक्ति समस्या समाधान की ओर जाता है, समाधान खुद उस व्यक्ति की ओर चलकर आता है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर जटिल समस्याओं का समाधान बहुत ही सरल होता है। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर समस्या का उसी स्थान पर त्वरित गति से समाधान की दिशा में कार्य किया जाये। उन्होंने मैनेजमेंट में ट्रैफिक रेगुलेशन, स्वास्थ्य और जितनी भी सुविधाएं हैं, उनमें किस प्रकार और अधिक इंप्रूवमेंट किया जाये, इस विषय पर विस्तार से चर्चा हुई।

इस दौरान जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल एसपी जितेन्द्र मेहरा सहित सभी अधिकारियों द्वारा कांवड़ यात्रा से जुड़े अनुभव, चुनौतियों आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। एएसपी जितेन्द्र चौधरी द्वारा पॉवर पॉइन्ट प्रजेन्टेशन के माध्यम से कांवड़ यात्रा मार्ग, रूट प्लान सहित श्रद्धालुओं हेतु की गई विभिन्न व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने डामकोठी में तन्मयता से कार्य कर रहे बावर्ची सुरेश रावत प्रोत्साहित एवं सम्मानित किया।

उन्होंने प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि हर उत्तराखंडी के लिए ये सौभाग्य की बात है कि इस पवित्र सावन के महीने में कावंड यात्रा के लिए आए श्रद्धालुओं को देख कर बहुत खुशी हो रही है, क्योंकि उनकी जो भक्ति, सेवा और समर्पण है, अपने आप में अलग ही स्टैंडर्ड का है। खुशी है कि शासन, प्रशासन ने जो प्लानिंग व मेहनत की थी उसका आज फल मिल रहा है, पूरे कांवड़ यात्रा का संचालन बहुत सुंदर तरीके से चल रहा है। हमारे लिए सबसे बड़ा ये चौलेंज होता है कि इतने कम दिनों के अंदर बहुत ज्यादा संख्या में श्रद्धालु आते हैं। लास्ट ईयर में एक्सपीरियंस था कि 4 करोड़ से भी ज्यादा श्रद्धालु 15 दिन के भीतर आए थे। उन्होंने कहा कि चौलेंज के अलावा हमारे लिए बहुत सौभाग्य की बात है कि शिव भक्तों की सेवा करने का मौका मिल रहा है। उन्होंने कहा कि शिव भक्तों को कांवड़िये के रूम देखकर ऐंसा लगता है कि ये हम सब को उदाहरण देते है कि किस प्रकार से जीवन में संकल्प करना चाहिए। जिन कांवड़ यात्रियों से मिला, उनके चेहरे पर बिल्कुल थकावट नहीं हैं, उनके चेहरे पर संकल्प का भाव दृश्य है। उन्होंने कहा कि कांवड़िये 11 तारीख से घर से निकले हुए, इतना सफर पैदल चले है, कांवड़ को उठाया है अब तक तो बहुत थके हुए होने चाहिए, लेकिन जिस प्रकार उन्हें देखा, मिला और उनसे वार्तालाप करके ऐसा लगा कि उनके अंदर और भी शक्ति आई है। आप हरिद्वार में होते हैं, उत्तराखंड में होते हैं तो अलग ही दिव्यता, भव्यता, पवित्रता, शुद्धता का अलग ही अहसास होता है। शासन, प्रशासन, पुलिस वाले और समाजसेवी बहुत सुंदर तरीके से कार्य कर रहे है तथा उनमें समन्वय, समरसता है। सबके दिल में यही खयाल है कि किस प्रकार हर एक श्रद्धालु की यात्रा सफल होनी चाहिए। एक और सौभाग्य है कि 2027 में कुंभ होगा उसका भी एक ट्रेलर एक एक्सपीरियंस की तरह बनता है। चारधात यात्रा पर 40 लाख से अधिक यात्री आ चुके हैं। इस दौरान जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल, एसपी सिटी पंकज गैरोला, एसपी क्राईम एवं यातायात जितेन्द्र मेहरा, एसपी संचार विपिन कुमार, एएसपी जितेन्द्र चौधरी, एसपी निहारिका तोमर, अपर जिलाधिकारी पीआर चौहान, सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान, सचिव एचआरडीए मनीष सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

कांवड़ की आड़ में नियम तोड़ने वालों पर चला पुलिस का डंडा

सिंहद्वार चौक पर इंस्पेक्टर मनोहर सिंह भंडारी का एक्शन, नियम तोड़ने वाले वाहन चालक पर की कार्रवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कांवड़ यात्रा के बीच कुछ नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों पर भी हरिद्वार पुलिस ने सख्त रुख अपनाना शुरू कर दिया है। कांवड़ मेला जैसे-जैसे अपने चरम पर पहुंच रहा है, पुलिस भी उसी तेजी से एक्शन मोड में नजर आ रही है। मंगलवार को सिंहद्वार चौक पर सिडकुल थाना प्रभारी निरीक्षक मनोहर सिंह भंडारी ने जब मोर्चा संभाला तो नजारा अलग ही था। ड्यूटी पर मुस्तैद इंस्पेक्टर मनोहर सिंह भंडारी ने एक कार को रोका, जिसकी सभी खिड़कियों पर गहरे काले रंग की फिल्म लगी हुई थी। यातायात नियमों का उल्लंघन साफ था। लेकिन खास बात यह रही कि इंस्पेक्टर भंडारी ने केवल उसे नियमों का पाठ नहीं पढ़ाया बल्कि मौके पर ही फिल्म उतरवाकर वाहन चालक को नियमों की सख्ती का अहसास भी कराया। इंस्पेक्टर मनोहर सिंह भंडारी ने अपने सटीक नेतृत्व और फील्ड एक्शन से यह संदेश दिया है कि कांवड़ मेले की व्यवस्था किसी भी कीमत पर बिगड़ने नहीं दी जाएगी। उनके नेतृत्व में अन्य वाहनों की भी गहन जांच की गई और जहां भी नियमों की अनदेखी मिली, वहीं पर चालान कर कड़ी चेतावनी दी गई।

मेयर किरण जैसल ने सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मेयर किरण जैसल ने सिंहद्वार, जटवाड़ा पुल और कनखल में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मेयर ने सफाई कर्मचारियों और कांवड़ लेकर लौट रहे शिवभक्तों को ठंडे पानी की बोतलें भी वितरित की। निरीक्षण के दौरान मेयर किरण जैसल ने अधिकारियों और कर्मचारियों को मुख्य सड़कों, चौक चौराहों, कांवड़ पटरी मार्ग पर नियमित रूप से सफाई करने और किसी प्रकार की लापरवाही ना बरतने के निर्देश दिए। मेयर ने कहा कि कांवड़ मेला चल रहा है। रोजाना लाखों कांवड़िए गंगाजल लेने हरिद्वार आ रहे हैं। ऐसे में सफाई व्यवस्था बेहतर रखना सभी की जिम्मेदारी है। जिससे शिवभक्तों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पड़े। मेयर ने कहा कि व्यापारियों को भी सफाई व्यवस्था में सहयोग करना चाहिए। दुकानों से निकलने वाले कचरे और गंदगी को इधर उधर फेंकने के बजाए नियत स्थान पर डालें। निरीक्षण के दौरान मेयर किरण जैसल के साथ कनखल क्षेत्र के सीनियर सेनेटरी इंस्पेक्टर श्रीकांत चौधरी, ज्वालापुर क्षेत्र के सीनियर सेनेटरी इंस्पेक्टर सुनील मलिक, सफाई नायक सलेकचंद, प्रदीप, राजेश व अजय मौजूद रहे।

धार्मिक आयोजनों से आध्यात्मिक ऊर्जा और सेवा भाव होता है जागृत होता

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। सालासर बाला जी के शुभ दिन पर शिवालिक नगर व्यापार मंडल की और से अध्यक्ष विभास सिन्हा के नेतृत्व में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को राजमा चावल व हलवे का प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान विभास सिन्हा ने कहा कि समाज सेवा संगठन की प्राथमिकता है। सालासर बाला जी का आशीर्वाद और कृपा सभी पर बनी रहे। इसी भावना के साथ यह आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन से लोगों में आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ सेवा भाव भी जागृत होता है। इस अवसर पर विवेक गुप्ता, रिंकू चौरसिया, विशाल गौड़, शिवेश गुप्ता, प्रवीण तिवारी, सुमित पांडे, हिमांशु माहेश्वरी, दीपक पंवार, शुभम गुप्ता, सतेंद्र सिंह, दिनेश कांडपाल, सुधा आदि व्यापारी मौजूद रहे।

जीआरपी ने 4.10 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी में कांवड़ मेले की आड़ में नशा तस्करी करने पहुंचे एक तस्कर को जीआरपी ने 4.10 ग्राम स्मैक के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कोर्ट के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया है। आरोपी के खिलाफ दिल्ली में दर्जनों आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

जानकारी के अनुसार जीआरपी एसपी तृप्ति भट्ट के नेतृत्व में चलाए जा रहे नशा विरोधी अभियान के तहत पुलिस की टीमें कांवड़ मेले के दौरान लगातार रेलवे स्टेशनों पर सक्रिय हैं। इसी क्रम में मंगलवार को स्टेशन परिसर में चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध युवक पुलिस को देख तेजी से पलटा और भागने लगा। टीम में तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उसे कुछ ही दूरी पर दबोच लिया। पूछताछ में उसकी पहचान रोशन पुत्र मातादीन निवासी झुग्गी 36/154, डेयरी वाला बाग, पश्चिम बिहार, दिल्ली के रूप में हुई। तलाशी के दौरान रोशन के पास से 4.10 ग्राम स्मैक बरामद हुई। आरोपी ने कबूला कि वह कांवड़ मेले में भीड़ का फायदा उठाकर यात्रियों को ऊंचे दामों पर स्मैक बेचने के इरादे से हरिद्वार आया था। एसपी ने बताया कि एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। आरोपी को जेल भेज दिया।

आरोपी रोशन के खिलाफ दिल्ली के विभिन्न थानों में करीब एक दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। वह नवीं फेल है और पहले से ही नशे की लत का शिकार है। अपना नशा पूरा करने के लिए वह चोरी, झपटमारी और अब नशा तस्करी जैसे अपराधों में लिप्त हो चुका है। दिल्ली के पश्चिम बिहार, सुल्तानपुरी, जनकपुरी, रन्होला, मोतीनगर आदि थानों में उस पर लूट, झपटमारी, चोरी और नशीले पदार्थों की तस्करी जैसे कई मुकदमे दर्ज हैं।

गृह क्लेश से परेशान कांवडिए ने गला काटकर आत्महत्या का किया प्रयास

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। गृह क्लेश के परेशान आ कर हरियाणा निवासी एक कांवडिए ने अपना गला काटकर आत्महत्या का प्रयास किया। उसको ऐसा करते देख शिवभक्तों के होश उड़ गये और मामले की सूचना ज्वालापुर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को एम्बुलेंस की मदद से उपचार के जिला अस्पताल में भत्री कराया। जानकारी के अनुसार मंगलवार को ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र के हरिलोक तिराहे के पास हरियाणा के जनपद झज्जर ग्राम लाड़पुर निवासी प्रवीण नामक कांवडिए ने गृह क्लेश से परेशान आ हर धारधार हथियार से अपना गला काट लिया। कांवड़िये को खुद का गला काटते देख वहां मौजूद कांवड़ियों के होश उड़ गये और मामले की सूचना ज्वालापुर पुलसि को दी। सूचना मिलते ही ज्वालापुर कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह, एएसआई अनिल चौहान, कां. रोहित कुमार व कां. मनोज डोभाल तत्काल मौके पर पहुंचे और जैसे-तैसे युवक को एम्बुलेंस में बिठाकर उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया और साथ ही घटना के संबंध में घायल युवक के परिजनों से सम्पर्क कर उन्हें मामले की जानकारी दी गई। जिसके बाद अफरा-तफरी में परिजन हरिद्वार जिला अस्पताल पहुंचे। उपचार के बाद युवक को परिजनों के सुर्पुद कर दिया गया। परिजनों ने पुलिस का धन्यवाद किया।

कांवड़ियों में बढ़ा काली पोशाक पहनने का चलन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। आधुनिकता की दौड़ में धार्मिक मान्यताओं में भी बदलाव आया है। आधुनिकता के चलते कांवड़ के दौरान पहने जानी वाली पारंपारिक भगवा पोशाक भी बदल रही है। कांवड़ियों में भगवे के स्थान पर रंगीन पोशाक पहनने का चलन पिछले कई वर्षो से बढ़ा है। हर वर्ष इसमें बदलाव होता रहा है। खासतौर पर युवा कांवड़िएं सफेद व अन्य रंगों के कपड़े पहनकर कांवड़ लेने आने लगे हैं। बड़े ग्रुप में आने वाले शिवभक्त खास रंग की नाम व स्थान लिखी ड्रेस पहनकर आते हैं। लेकिन इस वर्ष कांवड़ियों में काले रंग की पोशाक पहनने का चलन बढ़ा है। हरकी पैड़ी सहित पूरे कांवड़ मार्ग पर काले रंग की टी शर्ट पहने कांवड़िए नजर आ रहे हैं। इस संबंध में कई कांवड़ियों से बात करने पर वे इसके पीछे कोई खास कारण नहीं बता पाए। उनका कहना है कि हर वर्ष भगवा रंग की टीशर्ट पहनकर आते थे। इस बार काले रंग की टीशर्ट खरीद ली। इसके बावजूद परंपरागत भगवा टीशर्ट और नेकर आज भी कांवड़ियों की पहली पसंद बने हुए हैं। मेला क्षेत्र में मौजूद और कांवड़ लेकर लौट रहे शिवभक्तों में भगवा वस्त्रधारियों की संख्या सबसे अधिक है।

भगवान शिव ही संसार के आदि और अंत : कैलाशानंद

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। श्री दक्षिण काली मंदिर में पूरे सावन चलने वाली निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी की शिव आराधना निरंतर जारी है। मंगलवार को स्वामी कैलाशानंद गिरी ने विभिन्न प्रकार के पुष्पों से शिवलिंग का श्रंग्रार कर गंगाजल मिश्रित अनेक सुगंधित द्रव्यों से महादेव शिव का जलाभिषेक किया और लोककल्याण की कामना की। स्वामी कैलाशानंद गिरी ने कहा कि भगवान शिव की शक्ति से बड़ी संसार में कोई शक्ति नही है। भगवान शिव ही संसार के आदि और अंत हैं। सभी को उनकी आराधना अवश्य करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की आराधना कभी भी की जा सकती है। लेकिन सावन का महीना विशेष रूप भगवान शिव को समर्पित है। सावन में नित्य जलाभिषेक किए जाने से भगवान शिव अत्यन्त प्रसन्न होते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। स्वामी कैलाशानंद गिरी ने कहा कि शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हुए मां पार्वती का ध्यान भी करें। ऐसा करने से शिव और शक्ति की सम्मिलित कृपा प्राप्त होती है। जिससे अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और सभी कष्टों से छुटकारा मिलता है। स्वामी अर्वतिकानंद ब्रह्मचारी ने बताया कि सावन पूर्णिमा तक चलने वाली आराधाना के दौरान कई गणमान्य व्यक्ति गुरूदेव के सानिध्य में रूद्राभिषेक में शामिल होंगे।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की पृथ्वी पर सुरक्षित लैंडिंग पर

अखाड़ा परिषद अध्यक्ष ने भगवान शिव का किया दुग्धाभिषेक

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। अंतरिक्ष में अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर 18 दिन बिता कर वापस लौटे भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की पृथ्वी पर सुरक्षित लैंडिंग पर अखिल भारतीय अखाडा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने चरण पादुका मंदिर में 21 किलो दूध से भगवान शिव का दुग्धाभिषेक किया। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर 18 दिन बिताकर शुभांशु शुक्ला ने इतिहास रच दिया है। शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से पृथ्वी पर सुरक्षित लैंडिंग प्रत्येक भारतीय भारतीय के लिए गौरवशाली पल है। मां गंगा से शुभांशु शुक्ला के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि भारत प्रत्येक क्षेत्र में सफलता के नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। राकेश शर्मा के बाद दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला भारतीय युवाओ के लिए प्रेरणा के स्रोत बन गए हैं। युवा वर्ग और छात्रों को उनसे प्रेरणा लेकर देश की प्रगति में योगदान करना चाहिए।

मौहल्ले में मोबाइल टावर लगाए जाने के विरोध में महिलाओं ने किया प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। ज्वालापुर स्थित मालियान कॉलोनी की महिलाओं ने कॉलोनी में मोबाइल टावर लगाए जाने के विरोध में प्रदर्शन किया। महिलाओं का कहना है कि कॉलोनी में एक निजी इमारत की तीसरी मंजिल पर मोबाइल टॉवर लग रहा है। मौहल्ले में आंगनबाड़ी केद्र, अस्पताल, प्राइमरी स्कूल भी है। स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र में छोट-छोटे बच्चे आते हैं। कई बुजुर्ग श्वांस, दमा, हार्ट और कैंसर जैसी बीमारियों से पीड़ित हैं। मोबाइल टावर लगने से उससे निकलने वाली किरणों से परेशानी बढ़ सकती है। महिलाओं ने बताया कि मोबाइल टावर लगाए जाने के विरोध में जिलाधिकारी, मुख्य नगर आयुक्त, एचआरडीए में भी शिकायत दर्ज करायी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। केवल एक दिन टावर लगाने का कार्य बंद हुआ। जिसे अगले दिन से दोबारा शुरू कर दिया गया है। धनवंती चौहान ने कहा कि मालियान मोहल्ला घनी आबादी वाला क्षेत्र है। घर आपस में मिले हुए हैं। तीन मंजिले मकान की छत पर टावर लगने से आंधी तूफान में कभी भी दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने कहा कि जन भावनाओं को देखते हुए प्रशासन को घनी आबादी वाले क्षेत्र में मोबाइल टॉवर लगाए जाने पर रोक लगानी चाहिए। इसे किसी अन्य खाली स्थान पर स्थापित करना चाहिए। प्रदर्शन करने वालों में धनवंती चौहान, मोना देवी, गीता, निशा चौहान, बबली, आशीष, मीनू, चंदा आदि सहित कई महिलाएं शामिल रही।

कांवड़ियों की सेवा से भोले बाबा होते हैं प्रसन्न : स्वामी दुर्गेशानन्द

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भगवान शिव को समर्पित पवित्र श्रावण मास में देशभर से आने वाले कांवड़ियों की सेवार्थ श्री ललिताम्बा देवी ट्रस्ट द्वारा संचालित मानव कल्याण आश्रम में महंत स्वामी दुर्गेशानन्द सरस्वती के सानिध्य एवं मैनेजिंग ट्रस्टी अनिरुद्ध भाटी के संयोजन में अन्न क्षेत्र का शुभारम्भ किया गया। अन्न क्षेत्र शुभारम्भ के अवसर पर महंत स्वामी दुर्गेशानन्द सरस्वती ने कहा कि श्रावण मास में शिव पूजन का विशेष महत्व है। शिव पूजन एवं जलाभिषेक हेतु पवित्र गंगाजल लेने हरिद्वार आ रहे कांवड़ियों की सेवा का विशेष महत्व है। कांवड़ियों की सेवा से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। श्रावण मास में कांवड़िएं दूरदराज से तीर्थनगरी हरिद्वार में आकर यहां से भगवान शिव को समर्पित करने के लिए गंगाजल लेकर जाते हैं ऐसे श्रद्धालु शिवभक्त कांवड़ियों को भोजन प्रसाद वितरित करना परम कल्याणकारी है। श्री ललिताम्बा देवी ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी अनिरूद्ध भाटी ने कहा कि श्री मानव कल्याण आश्रम पूज्य ललिताम्बा माता व स्वामी कल्याणानन्द सरस्वती महाराज द्वारा स्थापित धार्मिक संस्था है। जो धार्मिक क्रिया कलापों के साथ-साथ विगत 70 वर्षो से सेवा प्रकल्पों का संचालन कर रही है। उसी परम्परा के तहत ज्येष्ठ मास में प्रतिदिन श्रद्धालु यात्रियों को शरबत प्रसाद वितरित किया जाता है। साथ ही श्रावण मास प्रारम्भ होते ही कांवड़ियों की सेवार्थ भोजन भण्डारा अन्न क्षेत्र प्रारम्भ किया गया है। श्रावण मास पर्यन्त कांवड़ियों व तीर्थयात्रियों को संस्था के माध्यम से भोजन प्रसाद वितरित किया जायेगा। इस अवसर पर स्वामी हंसानंद, सुरेंद्र मिश्रा, संजय वर्मा, राम धीरज, अनंत, आनंद, ब्रह्मजीत, रामजी, महेंद्र, मिथलेश एवं श्री मानव कल्याण आश्रम द्वारा संचालित वेद विद्यालय के आचार्य एवं छात्रों ने आदि ने भोजन भण्डार वितरण में अपना सहयोग प्रदान किया।

12 करोड़ की एमडीएमए ड्रग बरामद, सरगना गिरफ्तार

करोड़ों की एमडीएमए ड्रग को बरामद करने में एसटीएफ को मिली सफलताःडीजीपी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और तीन जिलों की पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। करोड़ों की एमडीएमए ड्रग फैक्ट्री का पर्दाफाश करते हुए गिरोह के मास्टरमाइंड कुनाल राम कोहली को गिरफ्तार कर लिया गया है। नानकमत्ता क्षेत्र से पकड़े गए आरोपी के कब्जे से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित कैमिकल, पाउडर और तैयार एमडीएमए बरामद की गई है। बरामद ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 12 करोड़ रुपये आंकी गई है। पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने मंगलवार को बताया कि गिरोह की गतिविधियां उत्तराखंड से लेकर नेपाल और महाराष्ट्र तक फैली हुई थीं। एसटीएफ की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (।छज्थ्) और स्थानीय पुलिस ने सयुंक्त कार्रवाई में इस गिरोह का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 126 लीटर कैमिकल, 28 किलो पाउडर और 7.41 ग्राम एमडीएमए बरामद किया।

मुर्गी फार्म की आड़ में बना रहा था ड्रग्स

पिथौरागढ़ जिले के थल थाना क्षेत्र में आरोपी कुनाल कोहली ने मुर्गी फार्म की आड़ में एमडीएमए तैयार करने की अवैध फैक्ट्री लगा रखी थी। कैमिकल और उपकरणों की आपूर्ति बनारस, गाजियाबाद और ठाणे से की जा रही थी। गिरोह के सदस्य तैयार माल को मुंबई सहित विभिन्न राज्यों में सप्लाई करते थे। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एनडीपीएस एक्ट के तहत कई मुकदमे दर्ज हैं। वह मुम्बई क्राइम ब्रांच को लंबे समय से वांछित चल रहा था।

ठाणे से खुला नेटवर्क का राजःभुल्लर

एसटीएफ एसएसपी नवनीत भुल्लर ने बताया कि 31 मई को ठाणे में दो लोगों को 11 ग्राम एमडीएमए के साथ गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ में उन्होंने उत्तराखंड के पिथौरागढ़ के थल क्षेत्र में फैक्ट्री की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने 26 जून को वहां छापा मारा और कैमिकल बरामद किया, लेकिन आरोपी फरार हो गए।

नेपाल भागे आरोपी, फिर लौटकर दबोचे गए

जांच में सामने आया कि गिरोह के सरगना कुनाल कोहली, मोनू गुप्ता, भीम यादव, अमन कोहली और राहुल पहले नेपाल भाग गए थे। चम्पावत पुलिस ने जुलाई में राहुल की पत्नी ईशा को 5.6 किलो एमडीएमए के साथ गिरफ्तार किया, जो राहुल द्वारा तैयार की गई थी। इसके बाद एक-एक कर आरोपी पकड़े गए।

गैंडाखाली में थी ड्रग्स फैक्ट्री, पकड़े जाने पर हटाई

आरोपियों ने कबूला कि गैंडाखाली (टनकपुर) में पहले ड्रग्स फैक्ट्री चलाई गई थी, लेकिन साथी बल्ली राम गुप्ता की मुंबई में गिरफ्तारी के बाद उन्होंने पिथौरागढ़ शिफ्ट कर दी। फार्म हाउस में एकांत जगह पर ड्रग्स तैयार कर मुंबई भेजा जाता था।

माल बेचने को नहीं मिला खरीदार, नेपाल भागे आरोपी

ड्रग्स का स्टॉक जब तैयार हो गया और खरीदार नहीं मिला तो कुनाल व साथी नेपाल भाग गए। चम्पावत में पुलिस ने जब कुनाल के साथी राहुल को गिरफ्तार किया, तब कुनाल बचा हुआ कैमिकल डैम में फेंकने नानकमत्ता आया, जहां पुलिस ने उसे धर दबोचा।

पुलिस को एक लाख का इनाम

डीजीपी दीपम सेठ ने मामले का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को एक लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। इस पूरे अभियान में नेपाल पुलिस और एंटी नारकोटिक्स ब्यूरो का भी सहयोग रहा। तकनीकी और मैनुअल सूचनाएं साझा की जाती रहीं।

देश में फिलहाल चल रहा कंपनी राजः टिकैत

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। किसान नेता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि देश में फिलहाल कंपनी राज चल रहा है। कंपनियां किसी भी योजना से संबंधित प्रोजेक्ट बना कर सरकार को देती है और सरकार जमीन अधिग्रहण करके उन्हें दे देती है।

राकेश टिकैत ने कहा कि किसी भी व्यक्ति का घर तोड़कर जमीन को कंपनियों को देना उचित नहीं है। उन्होंने फिलहाल कावड़ मार्ग पर दूसरे लोगों को चलने से परहेज करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कावड़ मार्ग पर कावडियो की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसलिए दूसरे लोग अन्य वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करें, या फिर 23 तारीख के बाद ही आवाजाही करें।

उन्होंने कहा कि पहाड़ के किसानों को ट्रांसपोर्ट सब्सिडी सरकार को देनी चाहिए इससे पहाड़ी क्षेत्रों से होने वाला पलायन रुकेगा। अन्यथा सारा किसान पहाड़ से पलायन करके मैदानी क्षेत्र में आजाएगा। उन्होंने पंचायत चुनाव में जात, पात, धर्म को छोड़कर सही प्रत्याशियों का चुनाव करने की अपील भी जनता से की है।

■ पलायन रोकने को सरकार पहाड़ के किसानों को ट्रांसपोर्ट सब्सिडी दे

एक नजर ....

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर सेमिनार का आयोजन

विकासनगर। तकनीकी एवं आधुनिकता के इस युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका एवं स्कूली पाठ्यक्रम में इसकी आवश्यकता पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस विषय पर सीबीएसई रिसोर्स पर्सन एवं दून वर्ल्ड स्कूल की उप प्रधानाचार्या मानसी, शिक्षाविद एवं करिकुलम मैनेजर नवनीत बिजलवान, टाइम्स वर्ल्ड स्कूल विकास नगर के डायरेक्टर जशनदीप सिंह, डिफेंस पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष नीलकंठ भट्ट, साईं ग्रेस के अमित सहगल सहित कई विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। बिजलवान ने कहा कि तकनीकी को एक सहायकी के तौर पर लिया जाना ठीक है परंतु प्राथमिकता शिक्षा का मूल उद्देश्य ही होना चाहिए। इस अवसर पर आयोजक संस्था एडोरकॉम मीडिया के संस्थापक चंदन आनंद ने विभिन्न शिक्षाविदों को शिक्षा में उनके योगदान हेतु सम्मानित भी किया। प्रोनाली धर ने कार्यक्रम संयोजक की भूमिका निभाई जबकि संच. ालन रमिंदर जुनेजा ने किया।

एक व्यक्ति 10 लीटर शराब व शराब बनाने के उपकरण के साथ गिरफ्तार

त्यूनी। थाना त्यूनी पुलिस द्वारा 1 व्यक्ति कुंवर सिंह पुत्र उरमत निवासी ग्राम मैंद्रथ थाना त्यूणी को 10 लीटर अवैध कच्ची शराब मय 300 लीटर अवैध लहन व शराब बनाने हेतु प्रयोग उपकरण के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने शराब तस्कर के खिलाफ आबकारी अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। पुलिस टीम में एसओ विनय मित्तल थाना त्यूनी, सिपाही प्रदीप चौहान, चालक मनजीत रावत शामिल रहे।

पुलिस ने दो नशा तस्करों को किया गिरफ्तार

सहसपुर। थाना सहसपुर पुलिस ने अवैध नशे के विरुद्ध कार्यवाही में 19.53 ग्राम स्मैक के साथ 2 व्यक्तियों को किया गिरफ्तार। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। जहां से दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया। मंगलवार को चैकिंग के दौरान मो० आशिक पुत्र मो0 वकील निवासी महमूदनगर शंकरपुर रामपुर थाना सहसपुर को 8 ग्राम अवैध स्मैक के साथ इसके अलावा जेबीआईटी कॉलेज के पास खाली पड़ी प्लाटिग ग्राम चांचक व धर्मावाला क्षेत्र से रहमान पुत्र लियाकत अली निवासी महमूदनगर छोटा रामपुर थाना सहसपुर को 11.53 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया।

पिथौरागढ़ में यात्री वाहन खाई में गिरा, 8 की मौत, तीन घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। राज्य के सीमांत जिले पिथौरागढ़ में मंगलवार की शाम एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब मुवानी से बोकटा की ओर जा रही एक मैक्स वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। हादसा इतना भयावह था कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और अधिकांश यात्रियों की मौके पर ही जान चली गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। राहत और बचाव कार्य में ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर मदद की। खाई में गिरे घायलों को बड़ी

मुश्किल से बाहर निकाला गया और 108 एंबुलेंस सेवा की मदद से उन्हें जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। मरने वालों में दो स्कूली छात्र भी शामिल हैं। प्रशासन ने मृतकों की शिनाख्त की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मार्ग अत्यंत संकरा और खतरनाक है। कई बार यहां पहले भी हादसे हो चुके हैं, लेकिन अब तक सड़क सुधार या सुरक्षा के पर्याप्त उपाय नहीं किए गए हैं। वाहन की हालत और ओवरलोडिंग की भी जांच की जा रही है। इस हादसे ने एक बार फिर से पर्वतीय क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन को न केवल सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करना होगा, बल्कि यात्रियों और वाहन चालकों को भी सतर्क रहना होगा। यह हृदय विदारक दुर्घटना राज्य के लिए एक चेतावनी है कि पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कों की स्थिति, सुरक्षा मानकों और नियमित वाहन जांच को प्राथमिकता दी जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके।

मुख्यमंत्री ने हादसे पर जताया दुःख, व्यक्त की संवेदनाएं

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। पिथौरागढ़ जनपद में एक यात्री वाहन के अनियंत्रित होकर नदी में गिर जाने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह दुर्घटना अत्यंत पीड़ादायक है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन और राहत-बचाव दलों को रेस्क्यू ऑपरेशन में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह सुनिश्चित करने को कहा है कि घायलों को समय पर उचित एवं निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने हादसे की जांच के निर्देश भी दिए हैं।

लेफ्टिनेंट मोनिका निराला कैप्टन की उपाधि से सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। 10 दिवसीय यू०के० ग्यारहवीं बटालियन एन०सी०सी० छात्राओं का कैम्प 'दून यूनिवर्सिटी' देहरादून में किया गया जिसमें 21 स्कूलों के 543 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया।

इस कैम्प में विभिन्न प्रकार की क्रियाएं आयोजित की गई। जैसे बंदूकबाजी, ड्रोन, व्यक्तित्व विकास, मेप वर्क, आदि का आयोजन किया गया। लेफ्टिनेंट मोनिका निराला को 'कैप्टन' की उपाधि से सम्मानित किया गया। कैप्टन मोनिका निराला के नेतृत्व में सेपियंस स्कूल के प्रतिभागियों ने रील प्रतियोगिता में प्रथम स्थान,

कविता सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, नृत्य प्रतियोगिता में तृतीय स्थान, टंग ऑफ वॉर प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

आज की प्रार्थना सभा में सभी 51 प्रतिभागियों को प्रधानाचार्य नवीन तनेजा तथा हरबर्टपुर प्रधानाचार्या रश्मि गोयल द्वारा मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक रविकांत सपरा, रशिता सपरा तथा सम्पूर्ण सेपियंस परिवार की तरफ से सभी एनसीसी कैडेट्स को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई।

शहीद परिवारों को किया जाएगा सम्मानितः जोशी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने मंगलवार को कैंप कार्यालय में सैनिक कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी 26 जुलाई को मनाए जाने वाले कारगिल विजय दिवस (शौर्य दिवस) के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की। जोशी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कारगिल युद्ध में शहीद हुए उत्तराखंड के वीर जवानों के परिजनों, वीरांगनाओं एवं वीर माताओं के सम्मान में आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों की तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी की जाएं। बैठक में मंत्री ने देवभूमि उत्तराखंड में निर्माणाधीन सैन्य धाम के कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। बैठक में सैनिक कल्याण निदेशक ब्रिगेडियर (सेनि) अमृत लाल, संयुक्त सचिव सुनील सिंह, अनुसचिव निर्मल कुमार, उपनिदेशक कर्नल (सेनि) योगेन्द्र कुमार, विंग कमांडर (सेनि) निधि बधानी, रविन्द्र कुमार, योगेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

पछवादून व जौनसार बावर के विभिन्न स्कूल कालेजों नें मना हरेला पर्व

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। मंगलवार को पछवादून व जौनसार क्षेत्र के विभिन्न स्कूल व कालेजों में हरेला पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोप कर उनके संरक्षण की शपथ ली।

विद्यालय में हरेला पर्व की शुभ अवसर पर भाषण प्रतियोगिता में शिशु वर्ग में समृद्धि ने प्रथम स्थान, कृतिका ने द्वितीय स्थान और कार्तिक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बाल वर्ग में वैष्णवी ने प्रथम स्थान, तानिया ने द्वितीय स्थान और उन्नति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, किशोर वर्ग में आयुषी राणा ने प्रथम स्थान, नव्या नौटियाल ने द्वितीय स्थान और प्रतिज्ञा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि तरुण वर्ग में हुई प्रतियोगिता में अमृता ने प्रथम स्थान, अनामिका ने द्वितीय स्थान और हितेश राणा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अनसूया प्रसाद जखमोला, विद्यालय के समस्त आचार्य अवधि, तपेंद्र, कमलेश, कालिका, दीपक, अखिलेश, चंदन, पंकज, अनिल, फकीर, धन सिंह, विशाल, मुकेश, रिंकी, शकुंतला,

पूजा, शालू, शीतल, शिवानी, इशू, रेनू, निर्मला आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

हरेला पर्व पर ग्राम ठाणा में चला वृहद वृक्षारोपण अभियान

चकराता। हरेला पर्व के अवसर पर ग्राम ठाणा में मंगलवार को पर्यावरण संरक्षण और बंजर भूमि को हरियाली में बदलने के उद्देश्य से एक वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। स्याणा वीरेंद्र जोशी के नेतृत्व में ग्रामसभा की भूमि पर आयोजित इस अभियान में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में स्याणा वीरेंद्र जोशी ने कहा, 'जंगलों का संरक्षण केवल पर्यावरण की दृष्टि से नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक परंपरा और भावी पीढ़ियों की सुरक्षा के लिए भी अनिवार्य है। इस मौके पर स्याणा अर्जुन दत्त जोशी, स्याणा उमा दत्त जोशी, श्रीचंद जोशी, राजेंद्र जोशी, आनंद जोशी, जयपाल जोशी, खुशी राम जोशी, प्रभु दयाल, कलम दास, रॉकी, शुभम, गंगराम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय में नन्हें बच्चों ने मनाया हरेला पर्व

चकराता। राजकीय प्राथमिक विद्यालय माखटी में नन्हे बच्चों द्वारा पर्व को उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्य इंदुबाला, शिक्षिका सुमित्रा राणा और भोजन माता रुक्मा चौहान सहित विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

एसबी कालेज में विद्यार्थियों को पेड़ पौधों के महत्व के बारे में बताया गया

विकासनगर। एसबी कालेज ऑफ एजुकेशन विकासनगर में हरेला पर्व मनाया गया। छात्र छात्राओं ने कालेज परिसर में पौधा रोपण किया गया। कालेज की प्राचार्या डा. दीप्ति सजवाण ने छात्र छात्राओं को पेड़ पौधो के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर कालेज की उप प्राचार्या डा. सुधा वर्मा, डा. अमिता शर्मा, प्रियंका कौशिक, जागृति परमार, राखी सोलंकी, महिपाल नेगी, अमित सैनी, अमिता, कोमल, अंजली, छात्र छात्राओं में अंशिका, उमा, नेहा, प्रिंस, मेघना, विनिका, दिलीप, निकिता, आराध्या, मनोज आदि मौजूद रहे।

लायंस क्लब ने पर्यावरण के प्रति लोगों को किया जागरूक

विकासनगर। राजकीय विद्यालय हास्पिटल रोड, विकासनगर में लायंस क्लब यमूना वैली ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे। इस मौके पर क्लब के अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल, क्लब के सदस्य खजान सिंह, विक्रांत ठाकुर, अजीत कोचर, एनपी राना, दिनेश जायसवाल, मनीष दत्ता, गगन दुआ, पंकज शर्मा, गगन सेठी, यमन चौधरी, नवनीत जैन, गुरजीत सिंह, सुबोध वर्मा, उमाकांत अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

सरस्वती विद्या मंदिर कालेज 101 पौधों को रोपेगा

विकासनगर। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बाबूगढ़ विकासनगर में हरेला सप्ताह के अंतर्गत शिशु मंदिर परिसर में प्रधानाचार्य कलीराम भट्ट, विद्या भारती के प्रांत सेवा प्रमुख पुरूषोतम बिजल्वाण, शिशु मंदिर के प्रभारी चंद्र प्रकाश शर्मा, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी कुलदीप जगवाण द्वारा पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक छत्रपाल सिंह, दिनेश चौहान, गुलाब सिंह, जयंती चौहान, उर्वशी कुकरेती एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

गंगा दर्शन में मनाया गया हरेला पर्व

सेलाकुई। शंकरपुर स्थित गंगा दर्शन पब्लिक स्कूल में हरेला पर्व धूमधाम से मनाया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं व शिक्षकों ने फलदार पौधे लगाए। स्कूल के निदेशक अनुराग रावत ने छात्र-छात्राओं को बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण व ग्लोबल वार्मिंग के विषय में जानकारी दी। स्कूल प्रिंसिपल संगीता रावत द्वारा हरेला पर्व के विषय में जानकारी प्रदान की गई। इस मौके पर स्कूल कोऑर्डिनेटर रियासत खान रियाज, अर्चना धूलिया, किरण, मनीष, अनीता, फिरोज, संदीप व अन्य सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

यूपीसीएल को मिला जीएसटी अनुपालन में राष्ट्रीय स्तर का ई-प्रमाणपत्र

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड की ऊर्जा व्यवस्था को पारदर्शी, डिजिटल और उत्तरदायी बनाने की दिशा में कार्यरत उत्तराखण्ड पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीसीएल) को एक और अहम उपलब्धि प्राप्त हुई है।

भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड की औश्र से यूपीसीएल को वर्ष 2024-25 में जीएसटी कानूनों के प्रति समयबद्ध, सुसंगत और ईमानदार अनुपालन के लिए सर्टिफिकेट ऑफ अप्रिसिएशन प्रदान किया गया है।

यह प्रमाणपत्र न केवल यूपीसीएल की वित्तीय निष्ठा एवं नियामक अनुपालन का प्रतीक है बल्कि यह राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखण्ड की प्रतिष्ठा को भी मजबूती प्रदान करता है। प्रबन्ध निदेशक, यूपीसीएल की और से बताया गया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व, राज्य सरकार के स्पष्ट दिशा निर्देश और ऊर्जा विभाग के सतत मार्गदर्शन के फलस्वरूप यूपीसीएल निरन्तर सुधार की दिशा में कार्यरत है तथा मुख्यमंत्री के डिजिटल ट्रांसफार्मेशन और पारदर्शी प्रशासन के विजन को मूर्त रूप देने में यह उपलब्धि एक मील का पत्थर सिद्ध होगी।

■ पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन की दिशा में एक अहम उपलब्धि

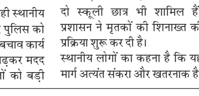

यूपीसीएल प्रबन्धन की और से ससमय जीएसट रिटर्न फाइलिंग, टैक्स दायित्वों का अनुशासित निर्वहन और वित्तीय प्रक्रियाओं को डिजिटल प्लेटफार्म से जोडने की दिशा में किये गये प्रयासों का ही परिणाम है कि विभाग को यह मान्यता प्राप्त हुई है।

पारदर्शी टैक्स प्रणाली से यूपीसीएल की सेवायें और अधिक प्रभावी होंगी तथा कुशल कार्यप्रणाली का सीधा लाभ उपभोक्ताओं को समय पर और बेहतर गुणवत्ता की विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। इसके अतिरिक्त उपभोक्ताओं के साथ विश्वास एवं सेवा की जवाबदेही का भाव और सुदृढ़ होगा।

यूपीसीएल राज्य के ऊर्जा क्षेत्र में स्मार्ट मीटररिंग, एडवांस बिलिंग सिस्टम, ऑनलाइन भुगतान एवं मोबाइल एप जैसे सुविधाओं को बेहतर बनाते हुए डिजिटल ट्रांसफार्मेशन को और गति दे रहा है।

आगे भी यूपीसीएल इसी तरह वित्तीय, तकनीकी और सेवा गुणवत्ता के उच्चतम मानकों पर कार्य करने हेतु संकल्पित है।

यह भी उल्लेखनीय है कि यूपीसीएल को यह सम्मान लगातार तीसरे वर्ष (वर्ष 2021, 2022 और 2023) प्रदान किया गया है जो उत्तराखण्ड राज्य के लिये भी एक अत्यन्त गर्व की बात है। यूपीसीएल उत्तराखण्ड को आत्मनिर्भर, पारदर्शी और उत्तरदायी ऊर्जा राज्य बनाने में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा।

पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाया जागरूकता अभियान

विकासनगर। कोतवाली पुलिस ने 'नशामुक्त उत्तराखंड' के तहत थाना विकासनगर क्षेत्रान्तर्गत स्थित स्कूल, कॉलेजों में जाकर जागरुकता अभियान चलाया। विद्यार्थियों को जीवन में नशा न करने तथा नशा उन्मूलन में अपना सहयोग देने की दिलाई शपथ। कोतवाली विकासनगर पुलिस द्वारा प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में अलग-अलग टीमें बनायी गईं। गठित टीम द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत स्थित शिक्षण संस्थानों (स्कूल, कॉलेजों) में नशे के विरुद्ध छात्र, छात्राओं, अध्यापकों को जागरूक किया गया। इस दौरान उपस्थित छात्र छात्रों को जीवन मे नशा न करने तथा नशे के उन्मूलन में अपना सहयोग प्रदान करने की अपेक्षा भी की गयी।

तहसील स्तर पर उपजिलाधिकारी लें नियमित अवैध खनन निरोधक दल की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

गोपेश्वर। जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला अवैध खनन निरोधक दल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में हो रहे अवैध खनन पर की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की गई। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों को तहसील स्तर पर अवैध खनन निरोधक दल की नियमित समीक्षा बैठक करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अवैध खनन को लेकर की गई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए अर्थदण्ड के रूप में आरोपित धनराशि शीघ्र वसूली करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को जनपद में अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए छापेमारी की कार्रवाई करने और तहसील स्तर पर नियमित बैठक कर रिर्पोट उपलब्ध कराने के आदेश दिए। वहीं उन्होंने अवैध खनन व भंडारण के लंबित मामलों के निस्तारण के लिए नोटिस जारी कर नियमानुसार तत्काल कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।बैठक में जिला खान अधिकारी ने बताया कि जनपद में जनवरी से जून माह तक अवैध खनन व भंडारण के 38 मामलों में कार्रवाई की गई है। जिसके तहत नियमानुसार अवैध खनन करने वालों से 37 लाख 30 हजार 807 रुपए के अर्थदंड की वसूली की गई है। उन्होंने बताया कि जनपद में अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए समय-समय पर छापेमारी की कार्रवाई की जा रही है। इस मौके पर पर सभी उप जिलाधिकारी वर्चुअल माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे।

इन्द्रानगर रेलवे फाटक पर बड़ा हादसा

- रानीखेत एक्सप्रेस की चपेट में आए दो युवक
- एक की मौत, दूसरा गंभीर
- सुबह 5 बजे की है घटना
- घायल युवक को बरेली किया गया रेफर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शहर के इन्द्रानगर रेलवे फाटक के पास मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। दिल्ली से काठगोदाम जा रही रानीखेत एक्सप्रेस ट्रेन ने दो युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना सुबह लगभग 5 बजे की है, जब जीशान (20 वर्ष) पुत्र अस्फ़र खां और मो. हसिन (25 वर्ष) पुत्र अमीर अहमद, दोनों निवासी इन्द्रानगर, रेलवे पटरी के किनारे चल रहे थे। इसी दौरान तेज गति से आ रही रानीखेत एक्सप्रेस दोनों को अपनी चपेट में ले गई। ट्रेन हादसे की सूचना मिलते ही जीआरपी मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल हल्द्वानी रेलवे स्टेशन लाया गया, जहां से 108 एंबुलेंस की सहायता से उन्हें सुशीला तिवारी अस्पताल भेजा गया। इलाज के दौरान जीशान ने दम तोड़ दिया, जबकि मो. हसिन की हालत गंभीर बनी हुई है। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे बरेली रेफर कर दिया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक जीशान का पंचनामा भर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। घटना के कारणों की जांच की जा रही है। हादसे के बाद मृतक व घायल के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है, पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

कमजोर हो रही हैं नैनीताल व आसपास की पहाड़ियां

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। भूस्खलन की ख्रष्टि से नैनीताल तथा आस पास के क्षेत्र बेहद संवेदनशील होते चले जा रहे हैं। नैनीताल समेत आसपास की अधिक. ांश पहाडियां भूस्खलन के चलते लगातार कमजोर हो रही हैं। भूस्खलन से नैनीताल का खूपी गांव बीते कई दशकों से प्रभावित है। खूपीगांव में लगातार बड़ी-बड़ी दरारें पड़ रही हैं जिससे गांव का अस्तित्व अब खतरे में नजर आ रहा है। इसके बावजूद भी अब तक शासन प्रशासन का ध्यान खुपी गांव के प्रभावितों की तरु नहीं गया। बता दें कि गांव में सालों से हो रहे भूस्खलन से हालात इतने बदहाल हो चले हैं कि घरों में लगातार बड़ी-बड़ी दरारें पड़ी हैं जिसके चलते लोग अपने घरों को खाली कर विस्थापन को मजबूर हैं। ग्रामीण मुन्नी देवी बताती हैं कि लगातार गांव में हो रहे भूस्खलन से ग्रामीणों की करीब सौ नाली भूमि अब तक भूस्खलन में समा चुकी है। गांव में हो रहे भूस्खलन से अधिकांश घरों में बड़ी-बड़ी दरारें पडने लगी हैं। घरों में पड़ी दरार के चलते करीब आधा दर्जन से अधिक परिवार गांव छोडकर दूसरे सुरक्षित स्थान पर में चले गए। वहीं महेंद्र प्रसाद बताते हैं वर्ष 2011 से गांव में भूस्खलन हो रहा है गांव के सामने मंडरा रहे खतरे से निजाद दिलाने को लेकर कई बार उन्होंने सरकारी नुमाइंदों समेत राजनेताओं से फरियाद लगाई लेकिन अब तक उनकी फरियाद किसी ने नहीं सुनी। मुन्नी देवी बताती हैं मेहनत मजदूरी का दो कमरों का घर बनाया जो अब भूखखलन की जड़ में आ चुका है घर में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई हैं। लगातार प्रशासनिक अधिकारी और नेताओं से भूस्खलन से निजात दिलाने के लिए संपर्क किया लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ।

खूपीगांव पर भी मंडराया खतरा

नैनीताल। कई दशकों से गांव में हो रहे भूस्खलन से नैनीताल के अस्तित्व पर भी बड़ा खतरा मंडरा रहा है क्योंकि खूपीगांव नैनीताल की तलहटी समेत बलियानाले से लगता हुआ है। जिससे गांव में लगातार भूस्खलन हो रहा है जिससे अब नैनीताल के अस्तित्व पर भी बड़ा खतरा मंडरा रहा है। खूपी गांव के ठीक ऊपर आर्मी कैंट एरिया और आलूखेत गांव है जिन पर सबसे ज्यादा भूस्खलन का खतरा मंडरा रहा है।

> भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित स्थान पर विस्थापित करने के लिए कार्य योजना बनाई जा रही है, पूर्व में एक स्थान चिन्हित किया गया था जिसे भूगभह्णय ख्रष्टि से असुरक्षि घोषित किया है। दूसरा स्थान विभाग द्वारा चिन्हित किया जा रहा है।
>
> **नवाजिश खालिक- उप जिलाधिकारी**

छात्रावास से लापता हुआ कक्षा 11 का छात्र

- परिजनों ने जताई नाराजगी
- विद्यालय प्रशासन पर लापरवाही का आरोप
- पुलिस कर रही जांच

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रामपुर रोड स्थित श्री महादेव गिरी संस्कृत महाविद्यालय, देवलचौड़ में अध्ययनरत कक्षा 11 का छात्र विपिन बड़ौला 11 जुलाई की शाम कॉलेज के छात्रावास से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया। 16 वर्षीय विपिन, अल्मोड़ा जिले के लमगड़ा ब्लॉक के नाटाडोल गांव निवासी कौस्तुभानंद बडौला का पुत्र है। परिजनों को छात्र के लापता होने की जानकारी 12 जुलाई की शाम को मिली, जिसके बाद वे विद्यालय पहुंचे और स्टाफ से नारा. जगी जाहिर की। छात्र की खोजबीन में लापरवाही के आरोपों के बीच परि. जनों ने टीपी नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसके बाद कोतवाली पुलिस ने मामला अपने हाथ में लिया और जांच शुरू कर दी है। छात्र की लोक. ेशन सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से ट्रेस की जा रही है। महाविद्यालय के वार्डन राकेश पंत ने परिजनों के साथ थाने पहुंचकर जानकारी दी कि विपिन 11 जुलाई को घर से छात्रावास आया था और शाम करीब चार बजे कहीं के लिए निकला, लेकिन उसके बाद वापस नहीं लौटा। परिजनों का आरोप है कि विद्यालय में सुरक्षा व्यवस्था नाममात्र की है। बताया गया कि परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे पिछले एक वर्ष से खराब हैं और एक साल में यह दूसरी घटना है जब कोई छात्र इस तरह लापता हुआ है। परिजनों ने यह भी कहा कि छात्र के लापता होने की सूचना वार्डन ने तीन दिन की देरी से दी, जिससे उनकी चिंता और बढ़ गई। विद्यालय प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस प्रतिक्रिया नहीं आई है।

प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल की युवा इकाई गठित

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल ने संगठन को और अधिक सशद्र बनाने के उद्देश्य से अपनी युवा इकाई का गठन किया है। प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र ्स्र्वाण ने हल्द्वानी महानगर के लिए तेजतर्रार युवा व्यापारी नेता कुंदन रावत को युवा महानगर अध्यक्ष और ललित जायसवाल को युवा महामंत्री पद पर नियुक्त किया है। राजेन्द्र ्स्र्वाण ने दोनों पदाधिका. रियों को निर्देशित किया कि वे शीघ्र ही अपनी युवा कार्यकारिणी का विस्तार करें और व्यापारी हितों की रक्षा के लिए सक्रिय संघर्ष करें। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग की भागीदारी से संगठन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार होगा।उनके मनोनयन पर महानगर अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, प्रदेश संगठन प्रभारी वीरेंद्र गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष मोंगा, सह संयोजक धर्म यादव, सह संयोजक देवेश अग्रवाल, जिला अध्यक्ष कुंदन बिष्ट, जिला महामंत्री प्रज्ञान भारद्वाज, ट्रांसपोर्ट नगर प्रभारी अशिमत गुजराल, रिषभ पाठक, विशाल जुनेजा, चमन गुप्ता, पुरन लाल साह, संजय वर्मा, अमरजीत सिंह, अशोक वार्ष्णेय, नुसरत सिद्दिकी, गौरव अग्रवाल, दिनेश गुप्ता, राजीव शर्मा, धर्मेंद्र गुप्ता, मुनेश कुमार सहित कई व्यापारी नेताओं ने बधाई दी है।

बढ़ते बिजली बिलों से जनता परेशान

- स्मार्ट मीटर बने मुसीबत का कारण
- वार्ड 57 और 58 के लोग पहुंचे तिकोनिया बिजली घर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिलों में हो रही बेतहाशा वृ) से नाराज वार्ड 57 और 58 के सैकड़ों लोग मंगलवार को पार्षद मनोज जोशी और पार्षद रूक्मणी बिष्ट के नेतृत्व में तिकोनिया बिजली घर पहुंचे और विद्युत विभाग के अधिकारियों का घेराव कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। पार्षद मनोज जोशी ने बताया कि पहले जहां उपभोक्ताओं को 3500 प्रतिमाह बिल देना पड़ता था, अब वही उपभोद्रा 9000 तक का बिल भरने को मजबूर हैं। वहीं जिनका बिल 900 आता था, अब 2900 तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं को लगातार अधिक बिलों की समस्या का सामना करना पड़ रहा है, जिससे आमजन परेशान हैं। पार्षद जोशी ने आरोप लगाया कि मोबाइल पर एक बिल भेजा जाता है, पर्ची पर दूसरा, और वसूली किसी और रकम की की जाती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उपभोक्ताओं की इन समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो क्षेत्र में आगे स्मार्ट मीटर नहीं लगने दिए जाएंगे और जनता आंदोलन करेगी, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। घेराव के दौरान अधिशासी अभियंता प्रदीप कुमार ने लोगों को आश्वस्त किया कि चेक मीटर के माध्यम से बिलों की जांच कराई जाएगी और मोबाइल व पर्ची पर दिए जाने वाले बिलों में एकरूपता लाई जाएगी। साथ ही, उन्होंने यह भी वादा किया कि प्रत्येक घर में बिल हर माह समय पर पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी। इस दौरान लोगों ने जोरदार विरोध करते हुए स्मार्ट मीटर हटाने की मांग भी रखी। अधिकारियों के आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारी शांत हुए और आंदोलन फिलहाल टाल दिया गया। प्रदर्शन में पार्षद मनोज जोशी, रूक्मणी बिष्ट के साथ-साथ अनीता पाल, चंदा साहनी, मनीष साहू, तुलसी, लक्ष्मी सैनी, प्रीति सक्सेना, सुनीता माहेश्वरी, गायत्री देवी, इश्कियां, राज देवी, अमर सिंह, प्रियांशु सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

कच्ची शराब समेत तीन गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 के दौरान लागू आदर्श आचार संहिता के तहत अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ के निर्देश वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रहलाद नारायण मीणा द्वारा सभी थाना, चौकी व एसओजी प्रभारियों को दिए गए हैं। इसी क्रम में मुखानी थाना पुलिस ने दो अलग-अलग अभियानों में 127 पाउच अवैध कच्ची शराब के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुखानी पुलिस ने मधुबन कक्लोनी के पास एक खाली प्लॉट से बंटी शर्मा (उम्र 36 वर्ष), पुत्र महेश चंद शर्मा, निवासी पुजारी जी का मकान, छड़ायल, थाना मुखानी, जनपद नैनीताल को 30 पाउच अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। वहीं, आम्रपाली चौकी पुलिस ने चेकिंग के दौरान संदीप पुत्र गुरमीत सिंह, निवासी ककराला गूलरभोज, गदरपुर, जिला उधम सिंह नगर को 97 पाउच अवैध कच्ची शराब बरामद की गई।

वहीं चोरगलिया पुलिस ने दानीबंगर वन चौकी क्षेत्र अंतर्गत डोलीखत्ता रेंज अक्कस रोड पर चेकिंग के दौरान अमित सिंह पुत्र दिलेर सिंह, निवासी धौराडाम, थाना किच्छा, जिला उधम सिंह नगर को गिरफ्तार किया। आरा. ेपी के पास से 143 पाउच अवैध कच्ची शराब (खाम) बरामद की गई। इधार चोरगलिया पुलिस ने ग्राम बसंतपुर क्षेत्र में दबिश देकर रेशम सिंह पुत्र दलीप सिंह निवासी धौराडाम, थाना किच्छा, जिला उधम सिंह नगर को 150 पाउच अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

भोलेनाथ के जयकारों से गूंजा राजपुरा

- राजपुरा से 76 कावड़िए रवाना
- हरिद्वार से लाएंगे गंगाजल
- शिवालयों में करेंगे जलाभिषेक

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सावन माह की शुरुआत के साथ ही शिवभक्तों की आस्था परवान चढ़ने लगी है। राजपुरा से शंभू सुताय कावड़ संघ के तत्वावधान में सोमवार को 76 कावड़ियों का दल हरिद्वार के लिए रवाना हुआ। भक्तों ने नाचते-गाते, डमरू बजाते और बम-बम भोले के जयघोषों के साथ हरिद्वार की ओर प्रस्थान किया। कावड़ यात्रा को रवाना करने से पूर्व स्थानीय लोगों ने श्रद्धालुओं का ूल-मालाओं से स्वागत कर आरती उतारी और मंगलकामनाओं के साथ उन्हें विदा किया। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल रहा। इस दौरान मेयर गजराज बिष्ट, पार्षद प्रीति आर्या, मुन्नी कश्यप, योगेश शर्मा आदि ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किकया। उन्होंने कावड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिवभक्तों का यह उत्साह और भक्ति समाज में ऊर्जा और सकारात्मकता फैलाने का काम करता है। संघ के सदस्यों पंकज कश्यप व हेमंत साहू ने बताया कि कावड़िए हरिद्वार से गंगाजल लाकर हल्द्वानी के विभिन्न शिवालयों में 23 स्थानों पर जलाभिषेक करेंगे। इस दौरान पंकज कश्यप, तिलक राम, रवि कश्यप, विक्की कश्यप, रोहित श्रीवास्तव, अमन सक्सेना, धर्मेंद्र कश्यप, हेमंत साहू, गोलू बाल्मीकि, अंकित राठौर, शुभम कश्यप, लालू गुप्ता, लालू कश्यप, कृष्ण सक्सेना, रजत सक्सेना, आकाश प्रजापति, संजय प्रजापति, सौरभ कश्यप, गौरव कश्यप, सुमित कश्यप, विशाल दिवाकर, लखन कश्यप, दीपक दिवाकर, हिमांशु पाल, अमन आर्या, अरविंद शर्मा, उदय कश्यप, मनीष कुमार, अक्कू कश्यप, अभिषेक कश्यप सहित दर्जनों शिवभक्त मौजूद रहे।

पार्षदों ने किया महापौर का स्वागत

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। नगर क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों से खुश होकर सभी पार्षदों ने आज नगर निगम सभागार में महापौर दीपक बाली स्वागत किया। अपने प्रति पार्षदों का स्नेह देखकर मेयर दीपक बाली बेहद भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि पार्षदों के इस प्यार ने मुझे अंतरात्मा तक प्रभावित किया है। मैं उनके इस प्यार और सम्मान को कभी नहीं भूलूंगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सहयोग के चलते महापौर दीपक बाली द्वारा दलगत एवं जातिगत भावना से ऊपर उठकर सभी वार्डों में किए जा रहे चहुमुखी विकास से जनता में पार्षदों का भी सम्मान बढ़ा है और अब जनता महापौर के साथ-साथ पार्षदों के प्रयासों की भी प्रशंसा कर रही है। वहीं, महापौर दीपक बाली ने कहा कि पार्षद, पार्षद नहीं बल्कि मेयर हैं। वह खुद मेयर समझ कर अपने क्षेत्र का काम करें। मैं उनके साथ खड़ा हूं और पैसे की कोई कमी नहीं आने दूंगा। कार्यक्रम की प्रेरणा पार्षद बीना नेगी के पति प्रकाश नेगी रहे। इस अवसर पर पार्षद बीना नेगी, अनीता कांबोज, दीपा पाठक, अंजना गुंजन प्रजापति, अब्दुल कादिर, राशिद फारूखी, सुरेश सैनी, पुष्कर बिष्ट, वैशाली गुप्ता, घनश्याम सैनी, अनूप सिंह, सीमा सागर, प्रिंस बाली, मयंक मेहता, मोहम्मद मोनिष आशी, अरशद, सतीश कुमार, अनिल कुमार, मोहम्मद शरीफ, रवि प्रजापति, संदीप सिंह मोनू, शाह आलम, सरुराज सैफी, हनीफ गुड्डू, अरशद रियाज, विजय बॉबी, कुलदीप शर्मा, अर्बन बैंक के अध्यक्ष अजय टंडन उर्फ बोकी व चौधरी समरपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

वनभूलपुरा में सट्टा खेलते 3 आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। एसएसपीप्रहलाद नारायण मीणा के निर्देश पर जनपद नैनीताल में अवैध सटा और जुए के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। एसओजी और बनभूलपुरा पुलिस की संयुद्र टीम ने चेकिंग व गश्त के दौरान तीन अलग-अलग स्थानों से 3 सटेबाजों को गिर“तार किया है। उनके पास से सटा पर्चियां, पैन, गत्ता तथा कुल 5450 नगद बरामद किए गए हैं। पकड़े गए आरो. पियों में जैद कुरेशी निवासी इन्द्रानगर, मोहम्मदी मस्जिद, थाना बनभूलपुरा, निसार अहमद निवासी नूरी मस्जिद के पास, इन्द्रानगर, थाना बनभूलपुरा और दिलशाद हुसैन निवासी नई बस्ती, थाना बनभूलपुरा शामिल हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

वुडलैंड स्कूल में हुआ पौधारोपण

- सेल्फ रिलायंस इनिशिएटिव संस्था की ओर से कार्यक्रम

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सेल्फ रिलायंस इनिशिएटिव संस्था के तत्वावधान में वुडलैंड स्कूल, कमलुवागांजा में मंगलवार को पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों, शिक्षकों और संस्था के पदाधिकारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष तनुजा जोशी, मिथुन जायसवाल, स्कूल प्रबंधक रंजना धामी, प्रिंसिपल मनप्रीत कौर, शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान छात्रों में पौधारोपण को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। कई बच्चे अपने घरों से स्वयं पौधे लाए थे, जिससे उनके पर्यावरण के प्रति समर्पण का भाव स्पष्ट नजर आया। सभी ने मिलकर आंवला, बेलपत्र, कनेर, गुलमोहर, जामुन आदि जैसे करीब 25 बड़े वृक्षों का रोपण किया, साथ ही लगभग 25 गमले वाले पौधे भी लगाए गए। कार्यक्रम के अंत में सभी ने प्रख्रति के समृद्ध और खुशहाल रहने की प्रार्थना की। इस मौके पर संस्थाध्यक्ष तनुजा जोशी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा, हम आज जो स्वच्छ हवा में सांस ले पा रहे हैं, वह हमारे पूर्वजों के द्वारा जल, जंगल और जमीन को पूजने और संरक्षित करने के कारण संभव हो पाया है। यदि हम चाहते हैं कि हमारी आने वाली पीढ़ी भी ऐसे ही स्वच्छ वातावरण में जी सके, तो हमें आज ही पौधारोपण कर इन्हें सहे. जने का संकल्प लेना होगा।

समाजसेवी सुभाष तनेजा को पंजाबी समाज ने किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाद्दाता

किच्छा। बदलते दौर में दौड़ती-भागती जिंदगी के बीच समाज सेवा को अपना जीवन समर्पित करने वाले वरिष्ठ समाजस. ेवी एवं भाजपा के ायर ब्रांड नेता सुभाष तनेजा को पंजाबी समाज ने एक भव्य सम्मान से नवाजा। यह कार्यक्रम रूद्रपुर रोड स्थित ग्रैंड हैरिटेज होटल में आयोजित किया गया। सुभाष तनेजा ने निस्वार्थ सेवा, धर्म कर्म, राष्ट्रीयता और मानवता के प्रति अपनी प्रतिब)ता के चलते समाज में मिसाल कायम की है। वे उत्तराखंड राज्य आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं और वर्तमान में पंजाबी महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य हैं। 1746 चिताएं बनाकर, मृतकों की अंतिम क्रिया में मदद कर उनका सामाजिक योगदान अतुलनीय है। कार्यक्रम में किच्छा के विधायक एवं पंजाबी महासभा प्रदेश अध्यक्ष तिलक राज बेहड़, प्रमुख उद्योगपति, वरिष्ठ पत्रकार और अन्य समाजसेवी मौजूद रहे। उन्होंने तनेजा जी के सतत सेवा कार्यों की सराहना की। सुभाष तनेजा के दोनों पुत्र उच्च न्यायालयों में अधिवद्रा के रूप में कार्यरत हैं, जबकि उनकी दो बेटियां विवाहित हैं।

राज्य के कायदे-कानूनों के उल्लंघन पर कार्मिक एकता मंच ने उठाई आवाज

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड कार्मिक एकता मंच द्वारा आयोजित वेबिनार में राज्य गठन के बाद से अब तक प्रशासनिक नियमों और कायदों के निरंतर उल्लंघन पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। विकास के प्रति जवाबदेही हेतु शहीदों का सपना साकार होना कितना जरूरी है विषय पर आयोजित इस वेबिनार में विभिन्न वक्ताओं ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि जवाबदे. ही तय की जाए और शहीदों के सपनों को धरातल पर उतारा जाए। वेबिनार के मुख्य अतिथि सचिवालय संघ के महासचिव राकेश जोशी ने मंच की एकता की मुहिम को सराहनीय बताते हुए कहा कि कार्मिक समुदाय को इस प्रयास को उसकी मंजिल तक पहुंचाने में नेतृत्वकारी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कार्मिकों और पेंशनर्स को गोल्डन कार्ड के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर सरकार के साथ हुई उच्चस्तरीय बैठक की विस्तृत जानक. ारी भी साझा की। वेबिनार के विशिष्ट अतिथि, सेवानिवृत्त अपर सचिव एवं सेवानिवृत्त कार्मिक समन्वय समिति के अध्यक्ष सुमन सिंह वाल्दिया ने पंचायत राज अधिनियम के प्रावधानों की अनदेखी पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में जो दृश्य सामने आया है, वह पूरे राज्य को झकझोरने वाला है। श्री वाल्दिया ने पेंशनर्स से जुड़े मुद्दों जैसे राशिकरण की कटौती, नोशनल इंक्रीमेंट और पेंशन वृद्धि पर मुख्य सचिव के साथ हालिया बैठक की जानकारी भी साझा की। कार्मिक एकता मंच के संस्थापक अध्यक्ष रमेश चंद्र पांडे ने कहा कि मंच की स्थापना का मूल उद्देश्य शहीदों के सपनों को साकार करना है। श्री पांडे ने खटीमा, मसूरी और रामपुर तिराहा कांड की बरसी पर विचार गोष्ठियों के आयोजन की घोषणा करते हुए कहा कि राज्य गठन के बाद हुई बैक डोर नियुक्तियों, राज्य आंदोलनका. रियों की अनियमित नियुक्तियां और सेवाविस्तार जैसे मामलों में कानून की अनदेखी की गई, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने घोषणा की कि आगामी 10 अगस्त को देहरादून में एकता मंच की बृहद बैठक आयोजित की जाएगी।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादकः एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक आनन्द बत्रा 'सुमन'

स्थानीय सम्पादक चेतन गुरूंग

देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून

☎0135-2743363

R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656

मोबाइल-9720007290

www.shahtimesnews.com

email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

15 किलो चरस के साथ दो गिरफ्तार

- पकड़े गए आरोपियों की कुंडली खंगालने में जुटी पुलिस

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नशा मुक्त उत्तराखण्डह के संकल्प को साकार करने की दिशा में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद ऊधम सिंह नगर के कुशल निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक काशीपुर व क्षेत्राधिकारी काशीपुर के निर्देशन में ठोस कार्रवाई करते हुए थाना आईटीआई पुलिस द्वारा बांसखेड़ा फ्लाईओवर के पास चैकिंग के दौरान एक मोटरसाईकिल पर सवार दिग्विजय सुयाल पुत्र रमेश चन्द्र सुयाल निवासी ग्राम सुयालबाड़ी थाना भवाली जिला नैनीताल तथा निकेश चन्द्र पुत्र हरीश चन्द्र पाण्डेय निवासी ग्राम सिरमौली पोस्ट चौनलिया थाना भतरौंजखान जिला अल्मोड़ा के कब्जे से अलग अलग 710 ग्राम व 782 ग्राम (कुल 1492 ग्राम) चरस बरामद की गई। दोनों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध थाना आईटीआई में धारा 8/20/60 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है। अभियुक्तगण को न्यायालय के समक्ष पेश करने के साथ ही उनके पूर्व अपराधिक इतिहास के संबंध में जानकारी प्राप्त की जा रही है। गिरफ्तारी व बरामदगी टीम में आईटीआई थानाध्यक्ष कुन्दन सिंह रौतेला, उपनिरीक्षक दीवान सिंह विष्ट चौकी प्रभारी पैगा, उपनिरीक्षक शंकर सिंह बिष्ट, कांस्टेबल सुरेश चन्द्र, दिनेश तिवारी व भूपेन्द्र सिंह थे।

हल्द्वानी के तेज गेंदबाज आदित्य रावत का भारतीय अंडर-19 टीम में चयन

हल्द्वानी। उत्तराखंड के उभरते हुए क्रिकेटर और हल्द्वानी निवासी आदित्य रावत का चयन इंग्लैंड के खिलाफ चल रही अंडर-19 यूथ टेस्ट सीरीज़ के अंतिम मैच के लिए भारतीय टीम में किया गया है। आदित्य को टीम के एक तेज गेंदबाज के चोटिल होने के बाद 21 सदस्यीय स्क्वाड में शामिल किया गया। इससे पहले भी आदित्य रावत भारतीय अंडर-19 टीम की ओर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच खेल चुके हैं। आदित्य क्रिकेट में अपनी शानदार गेंदबाज़ी के लिए वीनू मांकड़ ट्रॉफी और कूच बिहार ट्रॉफी जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट्स में उत्तराखंड की ओर से प्रभावी प्रदर्शन कर चुके हैं। इसके अलावा वह नेशनल क्रिकेट अकादमी, बेंगलुरु में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में भी हिस्सा ले चुके हैं। हल्द्वानी के मल्ली बमौरी निवासी आदित्य रावत, सुनीता रावत और दिलीप रावत के पुत्र हैं। बचपन से क्रिकेट के प्रति लगाव और कड़ी मेहनत के चलते आदित्य ने यह मुकाम हासिल किया है। उनके चयन की खबर मिलते ही जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन के हल्द्वानी कार्यालय में मिष्ठान वितरण कर खुशी मनाई गई। इस अवसर पर आदित्य के पिता को एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बधाई दी और उनके बेटे की उपलब्धि को पूरे जिले के लिए गर्व का क्षण बताया। कार्यक्रम में क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के पूर्व कोषाध्यक्ष दीपक मेहरा, अल्मोड़ा क्रिकेट सचिव हर्ष गोयल, जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कमल पपनै, जगमोहन बगड़वाल, किशन अनेरिया, सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लिमिटेड

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम) कोरपोरेट आईडी नं. U40109UP2001SGC025867/2358

विक्टोरिया क्रॉस विजेता गबर सिंह ऊर्जा भवन, कांवली रोड, देहरादून

दूरभाष संख्या 0135-2763672-76, वेबसाईट : www.uktenders.gov.in

ई-निविदा विस्तार सूचना

इस कार्यालय द्वारा पूर्व में आमंत्रित सी सी पी - I/1/2025-2026 जोकि 11 के०वी०वी सी बी इनकमिंग पैनल 500 एमवीए 800/400/5ए.11 के0वी0 फीडर वी सी बी पैनल 500 एमवीए 400/200/5ए एंव 11 के0वी0 बस कपलर 500 एमबीए की आपूर्ति हेतु आमंत्रित की गयी थी को अपरिहार्य कारणों से विस्तारित किया जाता है। ई-निविदा दिनांक 28.7.2025 के 17:00 बजे तक क्रय एवं जमा की जा सकती है। ई-निविदा का भाग-एक दिनांक 29.7.2025 को 15:45 बजे खोला जायेगा।

अन्य नियम व शर्तें मूल ई- निविदा के अनुसार रहेगी। विस्तृत विवरण के लिए कृपया वेबसाईट www.uktenders.gov.in को देखें।

अधीक्षण अभियन्ता कारपोरेट (अनुबन्ध एवं क्रय-प्रथम)

No.: 413/EE(cm)/UPCL/A-2 Dt.: 15.07.2025

'राष्ट्र हित में बिजली बचायें' बिजली बचाने हेतु एल0ई0डी0 बल्ब का प्रयोग करें। (टोल फ्री नं0 1912)

'विद्युत बिलों के 24x7 ऑनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएं'

(विद्युत चोरी सूचना टोल फ्री नं0 1800 180 4185/फैक्स संख्या 0135-2760911 पर दें)

गंगनहर पुलिस ने लाखों की ज्वैलरी चोरी का किया खुलासा

एक शातिर चोर गिरफ्तार, जेवरात बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। 14 जुलाई 2025 को पनियाला निवासी फरमान द्वारा कोतवाली गंगनहर में एक तहरीर दी गई, जिसमें अज्ञात चोरों द्वारा घर में घुसकर लाखों की ज्वेलरी चोरी की बात कही गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार ने तत्काल घटना का खुलासा करने हेतु प्रभारी निरीक्षक गंगनहर को दिशा-निर्देश जारी किए।

पुलिस टीम ने घटनास्थल व आस-पास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की गहन जांच की तथा क्षेत्र में सक्रिय मुखबिरों से भी जानकारी जुटाई। इसी क्रम में 14 जुलाई को एक विशेष सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने आम के बाग मुर्गी फार्म के पास से एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जिसकी पहचान आरिफ उर्फ पेप्सी उर्फ कलीम पुत्र मोबीन निवासी मोहल्ला मलिकपुर, थाना मंगलौर, जनपद हरिद्वार (उम्र 22 वर्ष) के रूप में हुई।

गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात कबूल की और उसके कब्जे से चोरी

गई ज्वेलरी भी बरामद की गई। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की भी वृद्धि की है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जहां आगे की विधिक कार्रवाई जारी है। 'चोर को पकड़ने वाली पुलिस टीम में गंग नहर कोतवाली प्रभारी आर के सकलानी, वरिष्ठ उप निरीक्षक अजय शाह, ाै मनीष कवि, हेड कांस्टेबल बृजकिशोर, अखिलेश चमोली प्रीतम सिंह चौहान व अमित सोलंकी शामिल रहे' गंगनहर पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने की उम्मीद जगी है और आमजन में सुरक्षा की भावना भी मजबूत हुई है।

लाखों रुपए के गांजे के साथ एक नशा तस्कर दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता:

पिरान कलियर। एएनटीएफ हरिद्वार की टीम ने लाखों की कीमत के 21 किलो ग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।आरोपी गांजे को कांवड़ मेले में बेचने की फिराक में थे।

एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोभाल के निर्देश पर पुलिस कांवड़ मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए नशे के खिलाफ अभियान चला रही है। एएन टीएफ

टीम ने सोमवार रात को थाना कलियर के बेडपुर स्थित शाह जी पीर तिराहा से गाजियाबाद निवासी साबिर हुसैन को 21 किलोग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है।पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह काफी समय से गांजा बेचने का काम कर रहा है। इससे पहले दो बार एनडीपीएस

एक्ट के मामले मे जेल जा चुका है।बरामद गांजा के बारे में उसने बताया कि वह यह खेप दिल्ली से एक व्यक्ति से खरीद कर लाया था जिसे बेडपुर कलियर निवासी महिला को सप्लाई किया जाना था।बरामद गांजे की कीमत लाखों में बताई जा रही है। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया हैं। वांछित व्यक्ति और महिला कि तलाश की जा रही है। पुलिस टीम में निरीक्षक विजय सिंह,एसआई रणजीत तोमर, मुकेश,सुनील दीपा शामिल रहें।

नायब तहसीलदार ने की दो लाख की बकाया राजस्व वसूली

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। भगवानपुर तहसील प्रशासन लगातार राजस्व वसूली के लिए जुटा हुआ है। नायब तहसीलदार अनिल गुप्ता के नेतृत्व मेंप्र शासनिक टीम लगातार बकायदारों से वसूली कर रही है और बकाया न देने वालों को हालत की हवा भी खिलाई जा रही है। मंगलवार को भी प्रशासनिक टीम ने 200000 राजस्व की वसूली की है। जानकारी के अनुसार भगवानपुर तहसील प्रशासन लगातार राजस्व वसूली के लिए जुटा हुआ है। नायब तहसीलदार अनिल गुप्ता ने बताया कि उप जिला अधिकारी भगवानपुर देवेंद्र सिंह नेगी के आदेश के अनुपालन में आज दिनांक को संग्रह अमीनो के साथ राजस्व बकाया वसूली के लिए ग्राम बढ़ेदी बुजुर्ग सिरचंदी मोहितपुर सिकंदरपुर भैंसवाल चुड़ियाला भलस्वा गज आदि गांव में बिजली चोरी की बकाया वाहनाकर कर की बकाया तथा बैंक की वसूली के संबंध में कार्रवाई हेतु गांव में गए जिसमें 200000 नगद बकाया राजस्ववसूल किए गए तथा एक बकायादार ग्राम मोहितपुर जोगिंदर पुत्र नरेश बिजली चोरी को तहसील राजस्व हवालात आदमी बंद किया गया। तहसीलदार महोदय के आदेश के अनुपालन में बकायदार को नायब नाजिर तहसील भगवानपुर को सुपुर्द किया गया।

रुड़की में प्लास्टिक कंपनी में आग लगने से हड़कंप, चार घंटे में बुझी लपटें

सूचना पर देर रात आग बुझाने पहुंचे अग्निशमन कर्मचारी

शाह टाइम संवाददाता

रुड़की। शहर में गत्ता और प्लास्टिक कंपनी में आग लगने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर अग्निशमन कर्मचारी मौके पर पहुंचे। करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आशंका है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी है। जबकि करीब दो लाख के नुकसान का आकलन है। सोमवार सुबह करीब पांच बजे आग पर काबू पाया गया।

गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के माधोपुर में दानिश की गत्ता और प्लास्टिक की कंपनी थी। देर रात कंपनी में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। कंपनी के बाहर काफी संख्या में लोग जमा हो गए और उन्होंने आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया। लेकिन आग आसपास की कंपनी और फैक्ट्री तक भी पहुंचने लगी। आग बेकाबू होने लगी तो सूचना अग्निशमन तक पहुंची। अग्निशमन कर्मचारी मौके पर पहुंचे और कई घंटे की कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। आशंका है कि शॉर्ट सर्किट से कंपनी में आग लगी है। जबकि नुकसान का आकलन करीब दो लाख रुपये के आसपास का हो रहा है। बचाव कार्य में अब्दुल जब्बार खान, अतर सिंह राणा, विपिन सिंह तोमर, नरेंद्र सिंह तोमर, जगवीर सिंह, हरिश्चंद्र राणा, सुनील कुमार बंदोलिया पुष्पेंद्र और मोहन सिंह नेगी मौजूद रहे।

कांवड़ मेले में हुक्का बार लगाने की कोशिश नाकाम

युवक गिरफ्तार, पुलिस ने बरामद किए फ्लेवर व सामग्री

शाह टाइम संवाददाता

रुड़की। कांवड़ मेले के दौरान कोतवाली मंगलौर पुलिस द्वारा सुरक्षा और शांति व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी, जब एक युवक द्वारा सड़क किनारे टेंट लगाकर अवैध रूप से हुक्का बार संचालित करने का प्रयास किया जा रहा था।

जानकारी के अनुसार, कांवड़ मेले के दौरान पुलिस सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष चेकिंग अभियान चला रही है। इसी के तहत युवक टेंट लगाकर विभिन्न प्रकार के हुक्का फ्लेवर और अन्य सामग्री के साथ बार शुरू करने की तैयारी में था। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए टेंट से कई हुक्का फ्लेवर, पाइप, कोयले व अन्य संबंधित सामग्री बरामद की। आरोपी की पहचान साहिल पुत्र मुन्ना निवासी पठानपुरा, मंगलौर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

कोतवाली मंगलौर के इंस्पेक्टर शांति कुमार ने बताया कि कांवड़ यात्रा के मद्देनजर किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस तरह की निगरानी और कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी ताकि यात्रा शांतिपूर्वक संपन्न हो सके।

हरेला पर्व पर शिक्षकों व विद्यार्थियों ने स्कूल में लगाए फल-फूल के पौधे

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेडा। कस्बा स्थित स्कूल में हरेला पर्व मनाते हुए शिक्षकों तथा विद्यार्थियों ने पौधे रोपित किए गए।

कस्बा झबरेड़ा स्थित एंबीशन पब्लिक स्कूल में हरेला पर्व बड़े उत्साह व पर्यावरणीय चेतना के साथ मनाया गया इस अवसर पर स्कूल की प्रत्येक कक्षा के कक्षा अध्यापक व छात्रों ने मिलकर पौधे रोपित किये तथा साथ ही पौधों की देखभाल के लिए संकल्प भी लिया गया स्कूल निदेशक सोनम रॉस ने स्कूल के छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया और कहा कि प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर ही हम

एक सुरक्षित एवं स्वच्छ भविष्य की ओर अग्रसर हो सकते हैं उन्होंने उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं को हरियाली और पर्यावरण सुरक्षा के बारे में बताया उन्होंने कहा कि पौधे लगाने से ही उनका कार्य पूरा नहीं हो जाता पौधे की देखभाल करना उसमें पानी देना भी उनका ही कर्तव्य है। इस अवसर पर पूजा सत्संगी अक्षय सैनी ममता गुप्ता महिमा नीलम आदि मौजूद रहे।

अजगर को वन विभाग की टीम ने किया रेस्क्यू

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर क्षेत्र के टांडा महतोली गांव के पास विशालकाय अजगर मिलने पर हडकंप मच गया जिसका वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया।

वन रेंज अधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी ने बताया सूचना मिली थी की टांडा महतोली गांव के पास एक बहुत बड़ा अजगर दिखाई दिया है। ग्रामीणों की सूचना पर तुरंत ही वन विभाग की टीम को भेजा गया वन विभाग की टीम ने कड़ी मेहनत करते हुए जान पर खेल कर उस विशाल का अजगर को पकड़ लिया। उस अजगर को पकड़ने के बाद उसको सुरक्षित जगह पर छोड़ दिया गया तब जाकर टांडा महतोली केग्रामीणों ने राहत की सांस ली उस अजगर को पकड़ने वाली वन विभाग की टीम में रोहित सैनी व गुंरजट सिंह शामिल रहे उन्होंने आमजन से यह भी अपील की है कि अगर कहीं भी वन्य जीव खतरे वाला किसी को भी मिले तो उसकी सूचना तुरंत थी वन विभाग की टीम को दे जिस वक्त रहते हुए उसको पकड़ा जा सके और आमजन सुरक्षित रहे।

ऑपरेशन कालनेमि : कलियर से तीन बाबाओं को किया गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। ऑपरेशन कालनेमी का तहत कलियर पुलिस ने तीन और बाबाओं को गिरफ्तार किया हैं।पुलिस ने एक बाबा को उसके परिजनों के सपुर्द किया गया हैं। परिजन अपने को पाकर पुलिस का आभार व्यक्त किया।

ऑपरेशन कालनेमी के तहत पुलिस लगातार अभियान चला रही हैं।मंगलवार को पुलिस ने दरगाह क्षेत्र और कावंड़ पटरी पर से बाबाओं के भेष में तंत्र मंत्र ,जादू-टोना कला दिखाकर भीड़ को आकर्षित करने वाले तीन बाबाओं को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने एक बाबा जितेंद्र से उसकी पहचान सम्बंधी कागजात मांगे। लेकिन वह कोई कागजात नही दिखा पाया। पुलिस ने उसके गृह थाना बिलारी मे जांच पडताल पर जानकारी मिली कि जितेंद्र 2005 करीब 20 सालों से घर से लापता हैं। बिलारी थाने से बाबा के परिजनों का नंम्बर की जानकारी लेकर उनसे संपर्क किया।जानकारी मिलने पर जितेंद्र के परिजन रोते विलखते थाना पिरान कलियर थाने पर आए। जितेंद्र को पाकर परिजन बहुत खुश हुए। पुलिस ने उसे उसके परिजनो के सुपुर्द कर दिया।

जाते जाते परिजनो के आंखो मे एक आशा की उम्मीद जाग कर 20 साल के वनवाश के बाद खुशी के आंशु निकलते हुए उन्होंने हरिद्वार पुलिस के इस अभियान की सराहना करते हुए धन्यवाद दिया गया। थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया ऑपरेशन कालनेमी के तहत जितेन्द्र पुत्र कुंवरपाल निवासी दलपतपुर थाना बिलारी यूपी को उसके परिजनों के सपुर्द किया गया है। जैद निवासी नबाब गंज निकट मदीना मस्जिद सहारनपुर और रण सिंह निवासी हीरा सिंह थाना सदर अंबाला यूपी के खिलाफ पुलिस एक्ट के अनुसार कार्रवाई की गई है।पुलिस टीम में थाना प्रभारी रविन्द्र कुमार,एसएसआई बबलू चौहान ,जमशेद अली,सचिन सिंह,जितेंद्र सिंह, नीरज कुमार शामिल रहें।

झबरेड़ा से एक युवती प्रेमी संग हुई फरार

परिजनों ने पुलिस से लगाई खोजने की गुहार

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। थाना क्षेत्र के गांव निवासी एक युवती सोमवार रात्रि अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। युवती के परिजनों द्वारा थाने में तहरीर देकर एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है तथा पुलिस से अपनी पुत्री को सकुशल बरामद करने की गुहार लगाई है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के गांव निवासी एक व्यक्ति द्वारा थाने में तहरीर देकर बताया कि सोमवार रात्रि उसकी पुत्री घर से उस समय फरार हो गई जब परिवार के सभी लोग सो रहे थे। परिजनों को इसका पता मंगलवार सुबह उस समय हो पाया जब पुत्री घर में नहीं मिली। गांव तथा जान पहचान में पता करने पर भी कोई पता नहीं चल पाया। आरोप है कि गांव से ही एक युवक भी फरार है वहीं उनकी पुत्री को बहला फुसला कर अपने साथ ले गया है। थाना अध्यक्ष अजय सिंह का कहना है कि युवती के पिता द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। युवती का पता लगाने के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई है।

हाईवे से रोककर नहर पटरी से शिव भक्तों को कराया जा रहा क्रॉस

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। गंगनहर पुल मंगलौर का एक अति महत्वपूर्ण डायवर्जन पॉइंट है। जहां पर हाईवे के ट्रैफिक को रोक-रोक नहर पटरी से कावड़ियाओं को नहर पटरी से क्रॉस कराया जा रहा है। गंग नहर पुल ड्यूटी पर अपर उप निरीक्षक नरेंद्र सिंह राठी द्वारा अपने कर्तव्य का निर्वहन बड़े ही सूझबूझ से अपनी ड्यूटी को अंजाम दिया जा रहा है जो भी सूचनाए आसपास की प्राप्त होती है उनके द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर उसकी विधिवत निस्तारण किया जा रहा है। मंगलवार को पुलिस सहायता केंद्र गंगनहर पुल पर एक व्यक्ति द्वारा सूचना दी गई कि कुछ कावड़िया गग नहर में नहा रहे हैं। जिन के साथ कोई भी दुर्घटना हो सकती है। सूचना पर अपर उप निरीक्षक नरेंद्र सिंह राठी ने पुलिस टीम को साथ लेकर तत्काल मौके पर पहुंचे एवं उक्त कावड़ियों को जो नीचे गग नहर में नहा रहे थे उन्हें समझा बुझाकर कहीं भी नहर में नहाने से मना करते हुए उनके गंतव्य को रवाना किया। इसके बाद सभी कावड़ियों ने उत्तराखंड पुलिस का तहे दिल से आभार प्रकट किया। अपर उप निरीक्षक नरेंद्र सिंह राठी ने बताया मंगलौर नहर पुल एवं फ्लाईओवर के नीचे उसके आसपास सभी जगह गस्त करके समय-समय पर चेक किया जा रहा है। अगर कोई कावड़िया नहर में नहाता हुआ मिल रहा है तो उसको समझा बुझा कर हटाया जा रहा है ताकि कावड़िया के साथ कोई जनहानि ना हो सके

अदालती सूचना

न्यायालय सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी लक्सर

रोटेशन प्रार्थना पंत्र सं. 17 सन 2024-25
मूल वाद सं. 33 सन 2010
श्रीमती मीना बनाम बरफान आदि
1. श्रीमती लखमीरी पत्नी स्व. सुम्मारा
2. राजेश कुमार पुत्र स्व. सुम्मारा निवासीगण ग्राम दल्लावाला परगना गोवर्धनपुर तह. लक्सर जिला हरिद्वार।
प्रार्थीगण/ पुर्नस्थापना प्रार्थना पत्र देहन्दा **बनाम** श्रीमती मीना पत्नी दलमीर सिंह नि. ग्राम दल्लावाला परगना गोवर्धनपुर तह. लक्सर, जि. हरिद्वार।
प्रार्थना पत्र अंतर्गत आदेश 9 नियम 13 धारा 151 सीपीसी।
प्रार्थीगण/ पुर्नस्थापना पत्र देहान्दागण ने मेरे न्यायालय में ओदश 9 नियम 13 व धारा 151सीपीसी के अंतर्गत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर मूल पत्रावली वाद सं. 33 सन 2010 मीना देवी बनाम बरफान आदि अंतर्गत धारा 176 यूपीजेडए मौजा ग्राम दल्लावाला में पारित आदेश दिनांकित 30.01.23 को अपास्त करने की याचना की है। अतएव आपको एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि यदि आप इस आवेदन के खिलाफ हेतु प्रदर्शित करना चाहते हैं तो दिनांक 01.08.25 को सुबह 10 बजे पूर्वाहन में सम्येक रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवकता द्वारा उपसजात हों और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा एवं अवधारित किया जायेगा।

आज्ञानुसार
सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी
लक्सर, जि. हरिद्वार

शिव मंदिर में कावड़ियों के लिए लगाया गया भंडारा

रुड़की। सिविल लाइंस स्थित शिव मंदिर में चल रहे शिविर में मंगलवार को कांवड़ियों की सेवा की गई। अतिथियों और समिति के लोगों ने कांवड़ियों को भोजन प्रसाद करवाया।

सिविल लाइंस स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में मंगलवार को आयोजित शिविर का उद्घाटन पूजन के बाद हुआ। भगवान शिव को भोग अर्पित करने के बाद कांवड़ियों को भोजन प्रसाद करवाया गया। कार्यक्रम संयोजक नीरज गुप्ता ने कहा कि शहर के लोग सौभाग्यशाली है कि सावन के पवित्र माह में शिवभक्तों की सेवा का अवसर मिला है। महिला कीर्तन मंडली की अध्यक्ष सावित्री मंगला ने कहा कि कांवड़ मेले के दौरान शिव मंदिर में निरंतर कांवड़ियों की सेवा जारी है। उन्होंने कहा कि सुबह शाम भव्य आरती में काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस अवसर पर कुनाल सचदेवा,अजीत सिंह,सुधीर, प्रशांत, कलवा, रोहित,राजेश, हरपाल,संजय, पप्पू कश्यप आदि सेवादारों ने अपनी सेवा दी।

वही भगवानपुर क्षेत्र खेडी शिकोहपुर में राजकीय इंटर कालेज में केद्रीय भूमि जलबोर्ड ने 700 फिअ गहराई का सब मस्रिबल लगाया। जिससे क्षेत्र के लोगों ने खूब सराहा है अब पानी की किल्लत से छुटकारा मिलेगा।

कार की टक्कर लगने से नाराज कांवड़ियों ने गाड़ी में की तोड़फोड़

मंगलौर मंगलौर कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह करीब एक बजे एक स्कॉर्पियो कार से कावड़ियों को मामूली टक्कर लग गई जिसके बाद आक्रोशित कुछ कावड़ियों ने कार में खूब तोड़फोड़ की मौके पर पहुंचकर मंगलौर पुलिस द्वारा मामला शांत कराया गया पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया और सीसीटीवी कैमरो की मदद से तोड़फोड़ करने वाले आरोपियों की शिनाख्त की जिनको मात्र 8 घंटे में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली प्रभारी शांति कुमार ने बताया लकी उर्फ लाखन पुत्र प्रकाश निवासी बलजीत नगर नई दिल्ली, चिराग पुत्र राहुल, दिनेश पुत्र संतराम निवासीगण लोनी गाजियाबाद को गिरफ्तार किया गया है जिनके विरुद्ध नियमनुसार कार्रवाई की गई है।

लक्सर में तहसील दिवस में सुनी जन समस्याऐं

एसडीएम ने समस्याओं के निस्तारण के दिए निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर में आज तहसील दिवस का आयोजन हुआ है जिसमें एसडीएम के द्वारा लोगों की जन समस्याएं सुनी गई है। आज तहसील दिवस में एसडीम ने संबंधित अधिकारियों पर शिकायत का निस्तारण न करने की वजह से सख्त नजर आए।

जानकारी के अनुसार उप जिलाधिकारी लक्सर सौरभ अस्वाल ने कहा कि आज तहसील दिवस में कुल 13 शिकायत आई है जो संबंधित अधिकारियों को भेज दी गई है उन्होंने कहा सभी संबंधित अधिकारी आई हुए शिकायतों का मौके पर जाकर निस्तारण करें और पोर्टल पर आई हुई शिकायत को भी गंभीरता से ले। उन्होंने चकबंदी विभाग के अधिकारियों को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कीबार-बार एक ही शिकायत आ रही है और आप मौके पर जाकर निस्तारण नहीं कर रहे हैं उन्होंने कहा अगर इस बार भी आपके द्वारा आई हुई शिकायतों का निस्तारण आने

वाले तहसील दिवस से पहले नहीं किया गया तो आपके खिलाफ नियम अनुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। आज के तहसील दिवस में चकबंदी के कर्मचारी चुपचाप एसडीएम के गुस्से को सुनते रहे।

झबरेड़ा पुलिस ने शिवभक्तों को फल व पानी दिया

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। लखनौता चौराहे पर थाना झबरेड़ा पुलिस द्वारा हरिद्वार से गंगा जल लेकर जा रहे कावड़ियों को उनका कुशल छेम पूछ कर स्वागत करते हुए फल तथा पानी की बोतल दी गई।

जानकारी के अनुसार लखनौता चौराहा पुलिस चौकी के पास थाना अध्यक्ष अजय सिंह तथा पुलिस कर्मियों द्वारा वहां से होकर अपने गंतव्य को जा रहे कावड़ियों का स्वागत कर कुशल छेम पूछते हुए उन्हें फल तथा पानी की बोतल वितरित की गई। थाना निरीक्षक अजय सिंह ने बताया कि कुछ कावड़िये हरिद्वार से गंगाजल लेकर लखनौता होते हुए अपने गंतव्य को जा रहे हैं। उन्होंने पुलिस टीम के साथ पुलिस चौकी पर वहां से होकर जाने वाले किसी भी कावड़िया को किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो उनका हाल जानकर उन्हें पानी व फल दिए गए।

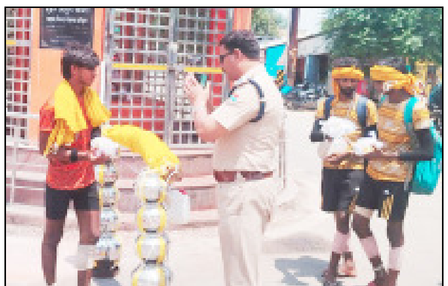

लॉस एंजेलिस ओलंपिक-2028 में क्रिकेट की वापसी

लॉस एंजेलिस, वार्ता। लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 से क्रिकेट की ओलंपिक में वापसी हो रही है। इस बार के ओलंपिक में क्रिकेट प्रतियोगिता के मैच 12 जुलाई से शुरू होंगे, जबकि 20 और 29 जुलाई को पदक के मैच होंगे। सभी

- **मैच 12 जुलाई से शुरू होंगे, 20 और 29 जुलाई को पदक मैच होंगे**

मैच फेयरग्राउंड्स स्टेडियम में खेले जाएंगे। लॉस एंजेलिस से लगभग 50 किमी दूर पोमोना शहर में एक अस्थायी स्टेडियम बनाया जाएगा। पुरुष और महिला दोनों ही टूर्नामेंट में छह-छह टीम खेलेंगी, जिसमें 180 खिलाड़ी भाग लेंगे। सभी मैच टी-20 प्रारूप में होंगे। हर टीम टूर्नामेंट के लिए 15 खिलाड़ियों को चुन सकती है।

ज्यादातर दिनों पर डबल हेडर मुकाबले होंगे, जबकि 14 और 21 जुलाई को कोई मैच नहीं होगा। मैच लोकल समयानुसार सुबह 9 बजे और शाम 6-30 बजे शुरू होंगे। पदक मैचों के लिए भी यही समय रखा गया है। लॉस एंजेलिस की मेयर करेन बास ने एक बयान में कहा कि जब दुनिया इन खेलों के लिए यहां आएगी, तो हम सभी के लिए खेलों की मेजबानी करते हुए हर इलाके को उजागर करेंगे और यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे कि यह एक यादगार विरासत छोड़े। उन्होंने आगे कहा कि हम उस विरासत को पहले ही पूरा कर रहे हैं क्योंकि हम घोषणा करते हैं कि प्लेएलए में दस लाख से ज्यादा नामांकन हो चुके हैं। मैं एलए28 और अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक संघ को धन्यवाद करना चाहती हूं, जिनकी वजह से ये कार्यक्रम मुमकिन हो पाए। क्रिकेट पहली बार ओलंपिक में 1900 में शामिल किया गया था। तब केवल दो टीम ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस ने दो दिन के मैच में भाग लिया था, जहां ग्रेट ब्रिटेन ने स्वर्ण पदक जीता था। ओलंपिक में क्रिकेट का शामिल होना इस खेल के बढ़ते कद को और मजबूत करता है। महिला क्रिकेट ने 2022 में बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स्स में पदार्पण किया, जबकि पुरुष और महिला दोनों 2010, 2014 और 2023 में एशियन गेम्स का हिस्सा रहे हैं। हाल ही में ग्रैंड प्रेयरी, लॉडरहिल और न्यूयॉर्क ने 2024 के टी-20 विश्व कप के कई मैचों की मेजबानी की।

क्रिकेटर यश दयाल को हाईकोर्ट से मिली राहत, गिरफ्तारी पर रोक

प्रयागराज, वार्ता। यौन उत्पीड़न के मामले में फंसे क्रिकेटर यश दयाल को इलाहाबाद उच्च न्यायालय से राहत मिली है। अदालत ने इस मामले में उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। अदालत ने मौखिक टिप्पणी की है कि पांच साल से महिला और यश दयाल रिलेशनशिप में थे, इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि शादी का झांसा देकर संबंध बनाए गए हैं। वहीं राज्य सरकार की ओर से यश दयाल की अर्जी का विरोध किया गया।

कोर्ट ने पीड़िता को नोटिस जारी कर जवाब भी मांगा है और राज्य सरकार को भी जवाब दाखिल करने को कहा है। यश दयाल के अधिवक्ता गौरव त्रिपाठी ने अदालत में अपने मुवक्किल का पक्ष रखा। उनके मुताबिक चार से छह हफ्ते बाद इस मामले पर अगली सुनवाई होगी। इस पूरे मामले की सुनवाई न्यायाधीश सिद्धार्थ वर्मा और न्यायाधीश अनिल कुमार दशम की डिवीजन बेंच में हुई।

गौरतलब है कि क्रिकेटर यश दयाल के खिलाफ छह जुलाई को गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाने में एक महिला ने एफआईआर दर्ज कराई थी। यह एफआईआर बीएनएस की धारा 69 के तहत दर्ज की गई। यश दयाल ने अपने खिलाफ हुई एफआईआर को रद्द करने के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय की शरण ली। याचिका में राज्य सरकार, इंदिरापुरम थाने के एसएचओ और पीड़िता को पक्षकार बनाया गया है।

इंग्लैंड ने चौथे टेस्ट के लिए डॉसन को टीम में शामिल किया

लंदन, वार्ता। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट के लिए शोएब बशीर की जगह लियाम डॉसन को अपनी टीम में शामिल किया है। बशीर लॉर्ड्स में इंग्लैंड की रोमांचक जीत के बाद शेष श्रृंखला से बाहर हो गए हैं।

बशीर को तीसरे टेस्ट के दौरान क्षेत्ररक्षण करते समय बाएं हाथ में चोट लग गई थी और उन्हें तीसरे दिन मैदान से बाहर जाना पड़ा था। 21 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अंतत: अंतिम विकेट लेकर इंग्लैंड को शानदार जीत दिलाई। बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स स्पिनर डॉसन ने 2016 में भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था और अब तक तीन मैचों में सात विकेट अपने नाम कर चुके हैं। 35 वर्षीय इस खिलाड़ी को मौजूदा काउंटी चैंपियनशिप सीजन में उनके अच्छे प्रदर्शन का इनाम मिला है,जहां उन्होंने हैम्पशायर के लिए नौ मैचों में 21 विकेट लिए हैं। इंग्लैंड पुरुष टीम के राष्ट्रीय चयनकर्ता ल्यूक राइट ने उनके चयन पर कहा कि लियाम डॉसन टीम में शामिल होने के हकदार हैं। काउंटी चैंपियनशिप में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है और हैम्पशायर के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। लॉर्ड्स में रोमांचक मुकाबले में जीत के बाद इंग्लैंड मौजूदा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज में 2-1 से आगे है। दोनों टीमें अब 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच में आमने-सामने होंगी। चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम: बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, लियाम डॉसन, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग, क्रिस वोक्स।

फौजा सिंह के निधन पर पीए मोदी, मान ने शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली, वार्ता। दुनिया के सबसे उम्रदराज मैराथन धावक फौजा सिंह के निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शोक व्यक्त किया है। पंजाब के जालंधर जिले में सोमवार को मैराथन धावक फ़ौजा सिंह का उनके पैतृक गांव ब्यास के पास सड़क हादसे में घायल होने के बाद अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वह 114 वर्ष के थे। फौजा सिंह, जिन्हें प्यार से 'टर्बन्ड टॉरनेडो' कहा जाता था, इस वर्ष एक अप्रैल को 114 वर्ष के हुए थे। श्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने एक संदेश में कहा कि फ़ौजा सिंह जी अपने अद्वितीय व्यक्तित्व और फिटनेस जैसे महत्वपूर्ण विषय पर भारत के युवाओं को प्रेरित करने के अपने तरीके के कारण असाधारण थे। वे अद्भुत दृढ़ संकल्प वाले एक असाधारण एथलीट थे।

अगले टेस्ट के पहले तक पंत के फिट होने की पूरी संभावना: गिल

लंदन, वार्ता। लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान अपनी बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में लगी चोट के बावजूद ऋषभ पंत 23 जुलाई से मैनचेस्टर में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट से पहले फिट हो सकते हैं। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने बताया कि उनके स्कैन में कोई गंभीर चोट नहीं पाई गई है। पंत इस सीरीज में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने छह पारियों में 70.83 की औसत से 425 रन बनाए हैं। इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान जब 34वां ओवर चल रहा था, तब जसप्रीत बुमराह की लेग-साइड की एक गेंद को पकड़ने की कोशिश में पंत की उंगली में गेंद लग गई थी। वह काफी दर्द में थे और फिजियो को मैदान पर आना पड़ा, जिससे खेल थोड़ी देर रुका रहा। उन्होंने ओवर तो पूरा किया, लेकिन फिर विकेटकीपिंग जारी नहीं रख सके। इसके बाद ध्रुव जुरेल ने मैच के बाकी हिस्से में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। हालांकि, पंत ने भारत की दोनों पारियों में नंबर पांच पर बल्लेबाजी की। पहली पारी में उन्होंने 112 गेंदों पर 74 रन बनाए, जबकि दूसरी पारी में 12 गेंदों पर 9 रन। बल्लेबाज़ी के दौरान खासकर दूसरी पारी में कई बार वह असहज दिखे। शॉट खेलने के दौरान वह चोटिल हाथ को लगातार बल्ले से अलग कर ले रहे थे।

पंत का रन आउट होना मैच का निर्णायक पल: गिल

लंदन, वार्ता। भारत के कप्तान शुभमन गिल ने लॉर्ड्स टेस्ट के रोमांचक आखिरी दिन सोमवार को अपनी टीम की जुझारू कोशिशों पर गर्व जताया। लेकिन साथ ही कहा कि चौथे दिन लंच से ठीक पहले हुए पंत का रनआउट होना मैच का टर्निंग प्वाइंट था। लंच से ठीक पहले जब भारत का स्कोर 82 पर 7 हो गया था, तब लगा कि मैच जल्दी खत्म हो जाएगा। लेकिन निचले क्रम के बल्लेबाजों ने डटकर मुकाबला किया और मैच को आखिरी सत्र तक ले गए। अंतत: भारत 170 रन पर ऑल आउट हो गया और 22 रन से हार गया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 2-1 की बढ़त बना ली। गिल ने पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में कहा कि मैं बेहद गर्व महसूस कर रहा हूं। कोई भी टेस्ट मैच इससे ज्यादा करीबी नहीं हो सकता। पांच दिन तक कड़ा मुकाबला चला, जिसका फैसला आखिरी सत्र और आखिरी विकेट गिरने के बाद आया। हमारी टीम ने इस मैच में जिस तरह का जुझारूपन दिखाया, उससे मैं बहुत खुश हूं। जब शोएब बशीर ने मोहम्मद सिराज को आउट कर इंग्लैंड को जीत दिलाई, तब रवींद्र जडेजा 61 रन पर नाबाद रहे। यह एक अद्भुत पारी थी। उन्होंने 181 गेंदें खेलीं और निचले क्रम को बखूबी संभाला। उन्होंने नीतीश रेड्डी के साथ 30, जसप्रीत बुमराह के साथ 35 और सिराज के साथ 23 रन जोड़े। गिल ने जडेजा के बारे में कहा कि 'वह बहुत अनुभवी खिलाड़ी हैं। हमने उन्हें कोई संदेश नहीं भेजा। वह निचले क्रम के साथ शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे। हम बस यही चाहते थे कि वह और निचले क्रम के बल्लेबाज जितना लंबा खेल सकें, खेलें। जब इस दिल तोड़ने वाली हार की वजह बात की गई, तो गिल ने माना कि भारत ने खुद को चौथे दिन की आखिरी घड़ी में मुश्किल में डाल दिया। चौथे दिन शाम को करुण नायर, खुद गिल और नाइटवॉचमैन आकाशदीप का विकेट काफी कम अंतराल में गिर गया था। उस समय भारत का स्कोर 41/1 से 58/4 हो गया था। गिल को लगा कि अगर शीर्ष क्रम से एक अर्धशतकीय साझेदारी मिल जाती, तो नतीजा कुछ और हो सकता था। उन्होंने कहा कि आखिरी एक घंटे में हम थोड़ी बेहतर बल्लेबाजी कर सकते थे। खासतौर पर जो दो आखिरी विकेट गिरे। वहां हमसे गलती हुई। आज सुबह भी, जिस तरह इंग्लैंड ने योजनाबद्ध गेंदबाजी की, हम बस एक 50 रन की साझेदारी की उम्मीद कर रहे थे। अगर टॉप ऑर्डर से एक भी साझेदारी मिल जाती, तो चीजें आसान हो जातीं। क्या पंत, राहुल और वाशिंगटन सुंदर के एक ही सत्र में आउट हो जाने के बाद भी कोई उम्मीद बची थी। इस सवाल के जवाब में गिल ने कहा कि जब तक बल्लेबाजी बची थी, उम्मीद भी थी। हमें बस एक 50-60 रन की साझेदारी चाहिए थी। टारगेट बहुत बड़ा नहीं था। बस एक अर्धशतकीय साझेदारी और हम मैच में वापस आ सकते थे। गिल ने चौथे दिन लंच से ठीक पहले हुए पंत के रनआउट को भी मैच का टर्निंग प्वाइंट माना।

हरेला पर हरियाली का संकल्प
"भगीरथ ऐप"
धारा मेरा, नौला मेरा, गांव मेरा, प्रयास मेरा

प्रदेशवासियों की सक्रिय भागीदारी से वर्तमान तक
चिन्हित किए गए जल स्रोत:

कुल जल स्रोत 5378	धारा - 2541	नौला - 1540	गधेरा/नदी - 1297

जल स्रोतों का करते रहें चिन्हीकरण

- उपयोगकर्ता क्यू आर कोड को स्कैन करके गूगल प्ले स्टोर से 'भागीरथ' ऐप डाउनलोड कर सकते हैं।
- 'भागीरथ' ऐप को इंस्टाल करें और खोलें।
- उपयोगकर्ता को एक Home Screen दिखाई देगी, जहां वह Welcome Message देख सकता है।
- बटन पर क्लिक करने के बाद उपयोगकर्ता को एक फॉर्म भरने के लिये पुनर्निर्देशित किया जाएगा।
- उपयोगकर्ता को फॉर्म में सम्बंधित आवश्यक जानकारी दर्ज करनी होगी।
- उपयोगकर्ता जलस्रोत के साथ अपनी सेल्फी अपलोड करके सबमिट दबाएगा।

"आपकी सहभागिता हेतु हृदय से आभार"

जल स्रोतों की पहचान से संरक्षण तक, अब बारी वृक्षारोपण की है।
इस बार हरेला पर पौधे लगाएं भी, बचाएं भी।

स्प्रिंग एंड रिवर रिजुविनेशन प्राधिकरण (SARRA), उत्तराखण्ड, जलागम प्रबंध निदेशालय, देहरादून।

सम्पादकीय

बुधवार, 16 जुलाई 2025

आतंकवाद पर कठोर रुख

भारतीय विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर इस समय चीन की यात्रा पर हैं। वह वहां शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में हिस्सा लेने के लिए गए हैं। बीजिंग में हो रही शंघाई देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने साफ किया है कि आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की चुनौती से सख्ती से निपटने के अपने उद्देश्यों पर भारत अडिग रहेगा। इससे किसी तरह का समझौता नहीं करेगा। उनके अनुसार भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने वाला और आतंकवादियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करता रहेगा। उन्होंने सदस्य देशों को याद दिलाया कि इस संगठन की स्थापना आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की चुनौती से निपटने के लिए ही की गई थी।

उन्होंने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए नृशंस आतंकी हमले का भी जिक्र किया और कहा कि यह हमला पूरी तरह प्रायोजित था और जानबूझकर किया गया था। ताकि जम्मू कश्मीर की पर्यटन अर्थव्यवस्था को नुकनसान पहुंचाने के लिए ही नहीं किया गया था बल्कि इसके पीछे धर्म के आधार पर विभाजन को बढ़ावा देने का भी एक षड्यंत्र था। जयशंकर ने सीधे बेबाक अंदाज में कहा कि शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के भी सदस्य हैं और हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सुरक्षा परिषद ने भी पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की है। सुरक्षा परिषद ने इस घटनाक्रम को गंभीर मानते हुए आतंकवाद के इस निंदनीय कृत्य के अपराधियों, आयोजकों, वित्त पोषकों को जवाबदेह ठहराने तथा उन्हें न्याय के कठघरे में लाने की आवश्यकता पर भी बल दिया है। भारत ने इसे के अनुरूप कार्रवाई की है। उनका कहना था कि हमने ठीक यही किया है और आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने शंघाई संगठन के सदस्य देशों को आह्वान करते हुए कहा कि हम अपने संस्थापक उद्देश्यों के प्रति समर्पित रहें और इस चुनौती पर अडिग रुख अपनाएं। जयशंकर अप्रत्यक्ष रूप से पाक का नाम लिए बिना अपनी बात कह रहे थे, लेकिन हर कोई जानता है कि उनके निशाने पर पाकिस्तान है। चीन पाक भी शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देश हैं। इसलिए चीन की धरती से विदेश मंत्री का यह आह्वान सीधे उन तक पहुंच गया होगा। डा. जयशंकर ने सोमवार को चीन के उप राष्ट्रपति और विदेश मंत्री से मुलाकात की थी।

मंगलवार को वह चीन के राष्ट्रपति जिनर्निंग से भी मिले और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। उन्होंने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिभावदन भी उन तक पहुंचाया। जाहिर है भारत अपने पड़ोसी देशों से बेहतर संबंध बनाने पर भी जोर दे रहा है। साथ ही अपनी बात भी मुखर होकर कर रहा है। सब जानते हैं कि चीन का झुकाव पाकिस्तान की ओर हमेशा से रहा है। हाल ही में जो पाक से चार दिन का संघर्ष हुआ था, उसमें भी चीन पाक के साथ ही खड़ा दिखाई दे रहा था। साथ ही भारत के साथ चीन का सीमा विवाद भी बना हुआ है। जाहिर है चीन भी अब इस बात को अच्छी तरह समझता है कि भारत अपने लक्ष्य से पीछे नहीं हटेगा।

भाजपा का सिस्टम आरोपियों को बचाता रहा

ओडिशा में इंसाफ के लिए लड़ती एक बेटी की मौत, सीधे-सीधे भाजपा के सिस्टम द्वारा की गई हत्या है, उस बहादुर छात्रा ने यौन शोषण के खिलाफ आवाज उठाई, लेकिन न्याय देने के बजाय, उसे धमकाया गया, प्रताड़ित किया गया, बार-बार अपमानित किया गया, जिन्हें उसकी रक्षा करनी थी, वही उसे तोड़ते रहे, हर बार की तरह भाजपा का सिस्टम आरोपियों को बचाता रहा और एक मासूम बेटी को खुद को आग लगाने पर मजबूर कर दिया, ये आत्महत्या नहीं, सिस्टम द्वारा संगठित हत्या है, मोदी जी, ओडिशा हो या मणिपुर देश की बेटियां जल रही हैं, टूट रही हैं, दम तोड़ रही हैं। और आप खामोश बने बैठे हैं, देश को आपकी चुप्पी नहीं, जवाब चाहिए। **-राहुल गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता**

हिन्दी के वैश्विक उदय को समझिए क्षेत्रीय राजनीति की भेंट मत चढ़ाइए

हिन्दी केवल एक भाषा नहीं बल्कि भारत की आत्मा, चेतना, अस्मिता और स्वाभिमान की प्रतीक है। यह भारतीय संस्कृति की वह अ.श्य डोर है, जो देश के कोने-कोने को जोड़ती है। दुर्भाग्यवश हिन्दी जब अपनी वैश्विक उड़ान भर रही है, उसी समय देश के भीतर कुछ क्षेत्रीय राजनीतिक स्वार्थों के कारण हिन्दी का विरोध हो रहा है। खासकर महाराष्ट्र जैसे राज्य में, जहां मुंबई में हिन्दी फिल्मों का केंद्र है, वहां हिन्दी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन, नारेबाजी और हिन्दी बोलने वालों पर हमले की घटनाएं चिंताजनक हैं। यह विडंबना ही है कि एक ओर जहां दुनिया हिन्दी को सम्मान दे रही है, वहीं भारत में कुछ शक्तियां इसे राजनीतिक हथियार बना रही हैं।

यह सच है कि भारत में विविध भाषाओं और बोलियों का समृद्ध संसार है। संविधान 18वीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता देता है। इनमें से हर भाषा का सम्मान और संरक्षण आवश्यक है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जनसंख्या द्वारा बोली जाने वाली हिन्दी के खिलाफ वैमनस्य फैलाया जाए। हिन्दी को थोपे जाने की राजनीति और विरोध दोनों ही गलत हैं। भाषा का विकास संवाद और सहमति से होता है, न कि टकराव से। आज जब हिन्दी आर्थिक, तकनीकी, सांस्कृतिक और साहित्यिक रूप से दुनिया में भारत की पहचान बन रही है, तब इसे विरोध का विषय बनाना केवल संकीर्ण राजनीति का परिचायक है।

दुनियाभर में आज जब अपनी-अपनी भाषाओं को लेकर चिंता बढ़ रही है, ऐसे समय में हिन्दी न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता की नई ऊंचाइयों को छू रही है। एक ओर जहां सैंकड़ों भाषाएं लुप्त होने के कगार पर हैं, वहीं हिन्दी वैश्विक मंच पर तेजी से उभर रही है, जिसे लेकर हर भारतवासी को गर्व होना चाहिए। विश्व में लगभग 6900 भाषाएं बोली जाती हैं, जिनमें से 35 से 40 प्रतिशत भाषाएं आज अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। इसके विपरीत हिन्दी अब दुनिया की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन चुकी है। एथ्नोलॉग की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, हिन्दी के 61.5 करोड़ मूल वक्ता हैं। यह आंकड़ा भाषा के प्रसार और इसकी प्रभावशीलता का प्रमाण है। मन्दारिन और अंग्रेजी के बाद हिन्दी की यह स्थिति केवल आंकड़ों की बात नहीं है बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक शक्ति का वैश्विक स्वीकार भी है। वर्षों से हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर लाने के प्रयास किए जाते रहे हैं। जून 2022 में जब संयुक्त

राष्ट्र ने हिन्दी, उर्दू और बांग्ला में जानकारी उपलब्ध कराने की पहल की तो यह हिन्दी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था। इससे स्पष्ट हुआ था कि वैश्विक संस्थाएं अब भारतीय भाषाओं की उपेक्षा नहीं कर सकती। दुनिया के 50 से अधिक देशों में 150 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिन्दी एक विषय के रूप में पढ़ाई जाती है। अमेरिका, जर्मनी, रूस, फ्रांस, जापान, पोलैंड, नेपाल, फिजी, मॉरीशस जैसे देशों में हिन्दी के अध्ययन और शोध को लेकर विशेष रुचि देखी जा रही है। यूजीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में भारत में हिन्दी सीखने आने वाले विदेशी विद्यार्थियों की संख्या में 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित फिजी में हिन्दी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। वहां फिजी हिन्दी महापरिषद जैसी संस्थाएं हिन्दी के प्रचार-प्रसार में सक्रिय हैं। मॉरीशस में 2002 में स्थापित विश्व हिन्दी सचिवालय हिन्दी भाषा के अंतर्राष्ट्रीय प्रसार का सशक्त मंच बना हुआ है। यहां से विश्व हिन्दी पत्रिका और विश्व हिन्दी समाचार जैसे प्रकाशनों के जरिए हिन्दी की वैश्विक उपस्थिति मजबूत की जा रही है। रूस में भी हिन्दी साहित्य का प्रभाव गहराता जा रहा है। अनेक रूसी विद्वान तुलसीदास, प्रेमचंद, माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा जैसे भारतीय लेखकों के साहित्य का रूसी में अनुवाद कर रहे हैं। रूस के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी भाषा और साहित्य का व्यापक अध्ययन होता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि साहित्यिक दृष्टि से भी हिन्दी की जड़ें वैश्विक धरातल पर गहरी हो रही हैं। हिन्दी को ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ने भी सम्मान दिया है। बच्चा, अच्छा, दादागिरी, पंडित, जुगाड़, गुलाब जामुन जैसे अनेक हिन्दी शब्द अब इस प्रतिष्ठित शब्दकोश का हिस्सा बन चुके हैं।

यह उस सांस्कृतिक प्रभाव की मान्यता है, जो हिन्दी शब्दों के जरिए दुनिया में फैल रहा है। अमेरिका की ग्लोबल लैंग्वेज मॉनीटर संस्था हिन्दी की शब्दसंपदा को समृद्ध बता चुकी है। एक अनुमान के अनुसार हिन्दी में 1.25 लाख से अधिक शब्द हैं। वहीं, अमेरिका की 2023 की जनगणना रिपोर्ट बताती है कि वहां हिन्दी बोलने वालों की संख्या 10 लाख से अधिक हो चुकी है। 2011 की तुलना में यह वृद्धि अभूतपूर्व है। बॉलीवुड और भारतीय सिनेमा ने भी हिन्दी के वैश्विक विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिन्दी फिल्मों की लोकप्रियता आज अमेरिका, इंग्लैंड, यूएई, सिंगापुर, मलेशिया, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, तुर्की तक फैली है। कई देशों में हिन्दी फिल्मों के रेडियो चौनल, टीवी चौनल, फिल्म समारोह और लाइव शो आयोजित किए जाते हैं, जो हिन्दी को सांस्कृतिक राजदूत के रूप में प्रस्तुत करते हैं। हिन्दी की लोकप्रियता को सोशल मीडिया ने भी एक नई ऊंचाई दी है। यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स पर हिन्दी सामग्री का विस्तार प्रतिवर्ष 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। 2024 की एक रिपोर्ट बताती है कि हिन्दी इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 20 करोड़ पार कर चुकी है। गूगल के अनुसार, हिन्दी कंटेंट की वार्षिक वृद्धि दर 94 प्रतिशत है जबकि अंग्रेजी की घटती जा रही है। अब ई-कॉमर्स और तकनीक की दुनिया में भी हिन्दी एक मजबूत बाजार भाषा बन चुकी है। अमेजन, फ्लिपकार्ट जैसी दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनियां भी अब हिन्दी में सेवाएं दे रही हैं। डेलॉइट की 2023 की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 65 प्रतिशत ऑनलाइन उपभोक्ता अब हिन्दी या अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में जानकारी लेना पसंद करते हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि हिन्दी का आर्थिक मूल्य भी तेजी से बढ़ रहा है। गूगल ट्रांसलेट, माइक्रोसॉफ्ट ट्रांसलेटर, वॉयस असिस्टेंट्स, एआई चैटबॉट्स और नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग में हिन्दी को प्रमुखता दी जा रही है।

योगेश कुमार गोयल

तकनीकी उपकरणों में हिन्दी इनपुट और आउटपुट की सुविधा अब आम बात हो चुकी है। भारत के डिजिटल इंडिया अभियान में भी हिन्दी की प्रमुख भूमिका है। हिन्दी की वैश्विक प्रतिष्ठा को विश्व हिन्दी सम्मेलन जैसे आयोजन भी मजबूती दे रहे हैं। 1975 से अब तक यह सम्मेलन भारत, मॉरीशस, अमेरिका, यूके, त्रिनिदाद, फिजी जैसे देशों में आयोजित हो चुका है। इन आयोजनों में 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। इतिहास गवाह है कि महात्मा गांधी ने हिन्दी को राष्ट्र की आत्मा बताते हुए इसे राष्ट्रीय एकता का आधार कहा था। भारत सरकार द्वारा 1963 में स्थापित केन्द्रीय हिन्दी संस्थान अब हिन्दी में उच्च शिक्षा, शोध और प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र बन चुका है। यह संस्थान प्रत्येक वर्ष 'हिन्दी सेवी सम्मान' प्रदान करता है, जो हिन्दी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को दिए जाते हैं। बहरहाल, हमें यह समझना होगा कि भारत के किसी भी राज्य में हिन्दी का विरोध करना भारत की एकता और संस्कृति पर हमला है। भाषा को विभाजन का नहीं, समावेशन और संवाद का साधन बनाना चाहिए। जब दुनिया हिन्दी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार है तो हमें भी अपनी भाषाई चेतना को व्यापक बनाना होगा। हिन्दी किसी एक राज्य या क्षेत्र की नहीं, पूरे भारत की है। इसका विरोध उस भारतीयता का विरोध है, जो हिन्दी के जरिए दुनियाभर में फैल रही है। यह समय हिन्दी को राजनीति की भेंट चढ़ाने का नहीं, इसके वैश्विक उभार को समर्थन देने का है। इसलिए हमें हिन्दी को अपमानित नहीं बल्कि इसके इस उज्जवल भविष्य पर गर्व करना चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

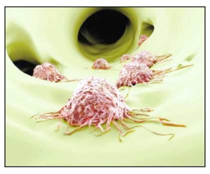

कैंसर ट्यूमर की मदद करती तंत्रिकाएं

जिन कैंसर कोशिकाओं से तंत्रिकाएं नदारद होती हैं, उनकी सामान्य प्रक्रियाएं गड़बड़ हो जाती हैं। साउथ अलाबामा विश्वविद्यालय के साइमन ग्रेलेट ने सोचा कि कहीं उधार के माइटोकॉण्ड्रिया का स्रोत कट जाने का तो यह परिणाम नहीं है। ग्रेलेट, आयला और उनके दल ने देखा कि तश्तरियों में रखने पर स्तन कैंसर की कोशिकाओं और तंत्रिका कोशिकाओं के बीच सेतु बनने लगते हैं। जब उन्होंने तंत्रिकाओं के माइटोकॉण्ड्रिया को एक हरे प्रोटीन की मदद से शिनाख्त योग्य बना दिया तो देखा गया कि यह उपांग सेतुओं के जरिए कैंसर कोशिकाओं में जा रहे हैं।

हाल में किए गए एक अध्ययन से उजागर हुआ है कि कुछ कैंसर कोशिकाएं अपनी पड़ोसी स्वस्थ कोशिकाओं की मदद से अधिक विनाशकारी शक्ति हासिल कर लेती हैं। एक अनुसंधान दल ने पाया है कि तंत्रिकाएं अपनी पड़ोस की मैलिग्नेंट (दुर्दम) कोशिकाओं को अपना माइटोकॉण्ड्रिया दान दे देती हैं।

गौरतलब है कि माइटोकॉण्ड्रिया कोशिकाओं का एक उपांग होता है जो कोशिकाओं के कामकाज के लिए जरूरी ऊर्जा उपलब्ध कराता है। यह अवलोकन इस बात की व्याख्या कर देता है कि क्यों तंत्रिकाओं की उपस्थिति में ट्यूमर ज्यादा तेजी से बढ़ते हैं और तो और कैंसर कोशिकाओं को अतिरिक्त माइटोकॉण्ड्रिया मिल जाने पर उनकी शरीर के अन्य हिस्सों में फैलने (मेटास्टेसिस) की क्षमता भी बढ़ जाती है।

पहले माना जाता था कि कोशिकाएं अपने माइटोकॉण्ड्रिया सहेजकर रखती हैं, लेकिन पिछले 20 वर्षों में हुए अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि कोशिकाएं इन उपांगों का खूब लेन-देन करती हैं। कैंसर कोशिकाएं दाता भी हो सकती हैं और प्राप्तकर्ता भी। जैसे, हाल ही में जापान के शोधकर्ताओं ने बताया था कि कैंसर कोशिकाएं और प्रतिरक्षा टी-कोशिकाएं कभी-कभी माइटोकॉण्ड्रिया का विनिमय करती हैं। इस दौरान, कैंसर कोशिकाएं अपने दोषपूर्ण उपांग टी-कोशिकाओं को देकर उन्हें कमजोर भी कर सकती हैं। कुछ सर्वथा अलग तरह के अध्ययनों में पता चला है कि तंत्रिकाएं अपने आसपास के ट्यूमर्स की वृद्धि को बढ़ावा देती हैं। उदाहरण के लिए टेक्सास हेल्थ साइन्स सेंटर के गुस्तावो आयला की टीम ने देखा था कि जब प्रयोगशाला के जंतुओं की प्रोस्टेट ग्रंथि को पहुंचने वाली तंत्रिकाओं को काट दिया गया या बोटॉक्स इंजेक्शन देकर खामोश कर दिया गया, तो प्रोस्टेट कैंसर सिकुड़ गया। ट्यूमर-ग्रस्त मनुष्यों में भी बोटॉक्स इंजेक्शन देने पर कैंसर कोशिकाओं की मृत्यु दर बढ़ गई थी।

यह भी पता चला है कि जिन कैंसर कोशिकाओं से तंत्रिकाएं नदारद होती हैं, उनकी सामान्य प्रक्रियाएं गड़बड़ हो जाती हैं। साउथ अलाबामा विश्वविद्यालय के साइमन ग्रेलेट ने सोचा कि कहीं उधार के माइटोकॉण्ड्रिया का स्रोत कट जाने का तो यह परिणाम नहीं है। ग्रेलेट, आयला और उनके दल ने देखा कि तश्तरियों में रखने पर स्तन कैंसर की कोशिकाओं और तंत्रिका कोशिकाओं के बीच सेतु बनने लगते हैं। जब उन्होंने तंत्रिकाओं के माइटोकॉण्ड्रिया को एक हरे प्रोटीन की मदद से शिनाख्त योग्य बना दिया तो देखा गया कि यह उपांग सेतुओं के जरिए कैंसर कोशिकाओं में जा रहे हैं।

शोधकर्ताओं ने यह भी दर्शाया कि यदि माइटोकॉण्ड्रिया रहित कैंसर कोशिकाएं तैयार करके उन्हें यह उपांग बाहर से दिया जाए तो कैंसर कोशिकाओं को बढ़ावा मिलता है। ऐसी माइटोकॉण्ट्रिया रहित कोशिकाएं विभाजित नहीं होतीं और उनकी ऑक्सीजन खपत भी कम रहती है, लेकिन जब इन्हें तंत्रिका कोशिकाओं के साथ रखा गया, तो 5 दिन में इनकी चयापचय क्रियाएं बहाल हो गईं और इनमें विभाजन भी होने लगा। शायद पड़ोसियों से मिले माइटोकॉण्ड्रिया के दम पर। इसी प्रयोग को आगे करने पर पता चला कि यह असर लंबे समय के लिए होता है। शोधकर्ताओं ने यह जांच भी की कि क्या ऐसी पुनः सक्रिय हुई कैंसर कोशिकाओं के अन्य स्थानों/अंगों में फैलने (मेटास्टेसिस) की संभावना भी ज्यादा होती है।

इसकी जांच करने के लिए उन्होंने चूहों की तंत्रिका व कैंसर कोशिकाओं को साथ-साथ रखकर विकसित किया और फिर उन्हें मादा चूहे के उदर की वसा में डाल दिया। देखा गया पेट में ट्यूमर बना और जल्दी ही वह फेफड़ों तथा मस्तिष्क में फैल गया। यह भी देखा गया कि मूल ट्यूमर में तो मात्र 5 प्रतिशत कोशिकाओं ने तंत्रिकाओं से माइटोकॉण्ड्रिया हासिल किए थे लेकिन फेफड़े में पहुंची 27 प्रतिशत तथा मस्तिष्क में पहुंची 46 प्रतिशत कैंसर कोशिकाओं में आयातित माइट्कॉण्ड्रिया थे अर्थात आयातित माइटोकॉण्ड्रिया मेटास्टेसिस को बढ़ावा देते हैं। जब प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित व्यक्तियों के ट्यूमर की कोशिकाओं का विश्लेषण किया गया तो पता चला कि तंत्रिकाओं के नजदीक की कोशिकाओं में ज्यादा माइटोकॉण्ड्रिया थे।

यह अनुसंधान कैंसर से निपटने का एक सर्वथा नया रास्ता सुझाता है। शोधकर्ता कहते हैं कि कैंसर से निपटने के लिए उसके आसपास की तंत्रिकाओं पर ध्यान देना उपयोगी होगा।

निजी अस्पतालों में आकस्मिक चिकित्सा पर पुनर्विचार जरूरी

जब सिर्फ पैसों के कारण आपात स्थिति में इलाज नहीं दिया जाता, तो कई बार जान चली जाती है। यह लेख ऐसे ही कुछ बेहद जरूरी मामलों को सामने लाता है और सख्त नियमों और उन्हें सही तरीके से लागू करने की मांग करता है, ताकि संकट के समय किसी को भी इलाज से वंचित न किया जाए। कुछ ही महीने पहले पुणे में एक बहुत दुखद घटना घटी। एक गर्भवती महिला, जिसे पहले से ही गंभीर स्थिति में माना गया था और जो समय से पहले जुड़वां बच्चों को जन्म देने वाली थी, उसे पुणे के जाने-माने दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल लाया गया, लेकिन इलाज शुरू करने के लिए अस्पताल ने 10 लाख रुपए एडवांस जमा करने की मांग की।

परिवार ने इलाज के लिए गुहार लगाई और भरोसा दिलाया कि थोड़ी देर में पैसों का इंतजाम हो जाएगा, लेकिन अस्पताल ने पैसे के बिना इलाज शुरू करने से मना कर दिया। इससे कीमती समय बर्बाद हुआ और महिला को दूसरे अस्पताल ले जाना पड़ा। वहां उसने जुड़वां लड़कियों को जन्म तो दिया, लेकिन उसकी खुद की जान नहीं बच सकी।

बेवजह देरी- जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में जब मातृत्व मृत्यु रोकने की बात होती है, तो अक्सर थ्री डिले मॉडल (तीन देरियों) का जिक्र होता है। इस मॉडल से यह समझने में मदद मिलती है कि इलाज में किस-किस स्तर पर होने वाली देरी मां की जान ले सकती है। सबसे पहली देरी होती है घर में-जब परिवार यह तय करने में समय लगाता है कि इलाज करवाना है या नहीं। दूसरी देरी होती है अस्पताल तक पहुंचने में-जब रास्ते की दूरी, खराब सड़कें या परिवहन की समस्या आड़े आती है। तीसरी देरी तब होती है जब मरीज अस्पताल पहुंच तो जाता है, लेकिन वहां स्टाफ की कमी, जरूरी साधनों के अभाव या तंत्र की लापरवाही के कारण समय पर इलाज नहीं मिल पाता। हालांकि यह मॉडल आम तौर पर गर्भवती महिलाओं के इलाज के संदर्भ में लागू किया जाता है, लेकिन इसे हर उस आपात स्थिति पर लागू किया जा सकता है जहां समय पर इलाज न मिलने से मरीज की जान जा सकती है।

हमारे देश में तीसरे प्रकार की देरी से होने वाली मौतें ज्यादातर ग्रामीण इलाकों में देखी जाती हैं, जहां न तो अस्पताल होते हैं और न ही स्टाफ। लेकिन यह मामला एक चौंकाने वाला शहरी उदाहरण है, जहां देरी का कारण सुविधाओं की कमी नहीं, बल्कि निजी अस्पतालों की कॉर्पोरेट सख्ती था। यह जानते हुए भी कि महिला की हालत बेहद गंभीर थी, अस्पताल ने सिर्फ पैसों की वजह से इलाज करने से मना कर दिया। इसलिए यह जरूरी है कि हम इस बात को सामने लाएं कि जो बड़े निजी अस्पताल सरकारी छूट और सुविधाएं लेते हैं, वे आपात स्थिति में जरूरतमंद मरीजों के साथ कैसे व्यवहार करते हैं। कैसे कई बार वित्तीय हित मरीज की देखभाल और सुरक्षा से ज्यादा अहम हो जाते हैं।

मेरा निजी अनुभव- उपरोक्त खबर को पढ़ने के बाद मुझे भी अपना एक हालिया अनुभव साझा करने की जरूरत महसूस हो रही है, जो यह दिखाता है कि निजी अस्पतालों में नीतियों में बदलाव और जवाबदेही कितनी जरूरी है।

मेरी पत्नी को एक्टोपिक प्रेग्नेंसी जिसमें गर्भधारण गर्भाशय की बजाय किसी अन्य स्थान पर हो जाता है और यह एक गंभीर मेडिकल इमरजेंसी होती है की स्थिति में तुरंत अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। हमारे पास स्वास्थ्य बीमा था, इसलिए कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध थी। मैंने सारे जरूरी दस्तावेज तुरंत जमा कर दिए। बताया गया कि बीमा क्लेम की प्रक्रिया शुरू हो गई है और मंजूरी में लगभग तीन घंटे लगेंगे, लेकिन साथ ही यह भी कहा गया कि जब तक 25,000 रुपए एडवांस में नहीं दिए जाते, सर्जरी शुरू नहीं होगी।

मेरे लिए पैसा देना मुश्किल नहीं था, फिर भी मैंने पूछा कि जब कैशलेस सुविधा है तो क्या पैसे मिलने के लिए तीन घंटे का इंतजार नहीं किया जा सकता? जवाब मिला कि सर्जरी तभी शुरू होगी जब कैशलेस क्लेम मंजूर हो जाएगा। मैंने बार-बार समझाया कि यह इमरजेंसी है, लेकिन बिलिंग विभाग ने कोई नरमी नहीं दिखाई। आखिरकार मैंने एडवांस राशि दी, सर्जरी हुई और जैसा अनुमान था, क्लेम भी मंजूर हो गया। पत्नी की छुट्टी के बाद जमा की गई राशि लौटा दी गई। लेकिन इस अनुभव ने मेरे जेहन में कई सवाल छोड़ दिए।

यदि उस समय मेरे पास 25,000 रूपए न होते तो क्या मेरी पत्नी की सर्जरी टल जाती, जबकि मैंने कैशलेस इलाज के लिए सारे जरूरी दस्तावेज जमा कर दिए थे और यदि देरी से उनकी सेहत को नुकसान होता, तो उसका जिम्मेदार कौन होता? आपात स्थिति में इन प्रक्रियाओं की बजाय अस्पताल इलाज को प्राथमिकता क्यों नहीं देते? जब मरीज को सर्जरी या गंभीर इलाज की जरूरत है और वह 2.3 दिन अस्पताल में रहने वाला है, और 25,000 रुपए की एडवांस राशि बहुत बड़ी नहीं है, खासकर तब जब अस्पताल कैशलेस सुविधा वाला है और बीमा से पैसा मिलने ही वाला है। फिर भी इलाज शुरू करने से पहले इतनी बेरहमी से एडवांस की मांग क्यों? इलाज में देरी जान ले सकती है। क्या ऐसी स्थिति में इंसानियत और सहयोग की भावना जरूरी नहीं है? आपात समय में मरीज के परिवारजन घबराए होते हैं और कभी-कभी आर्थिक स्थिति भी कमजोर होती है। ऐसे मौके पर क्या अस्पताल को थोड़ी नरमी नहीं दिखानी चाहिए? मरीज की जान से जुड़ी स्थिति में अस्पताल इतनी कठोर नीति क्यों अपनाते हैं? और आखिर किसने निजी अस्पतालों को यह हक दिया कि वे मरीज की जान को इस तरह जोखिम में डालें? वैसे कैशलेस क्लेम को मंजूरी मिल गई थी, और जो पैसे मैंने एडवांस में दिए थे, वो पैसे मुझे तुरंत नहीं मिले थे। यहां मुझसे एक ग्राहक के तौर पर उम्मीद की गई थी कि मैं अस्पताल की आंतरिक प्रक्रिया के साथ सहयोग करूं। लेकिन क्या अस्पतालों द्वारा एडवांस राशि तुरंत जमा करवाने के नियम में ढील नही दी जानी चाहिए, खासकर इमर्जेंसी की स्थिति में? क्या मरीज के परि. जनों की यह उम्मीद गलत है कि ऐसी स्थिति में अस्पताल थोड़ा लचीलापन दिखाए? यहां साफ तौर पर असंतुलन हैय जहां मरीज से तो उम्मीद की जाती है कि वह अस्पताल की प्रक्रियाओं का सम्मान करे, लेकिन अस्पताल मरीज की जरूरतों को नजरअंदाज कर देता है।

-साभार स्रोत फीचर्स

ट्रम्प के अपने ही घर में आफत: 20 राज्यों ने दायर किए मुकदमें

स्कूल कार्यक्रमों के लिए धनराशि रोकने का मामला

- कांग्रेस ने रखी थी रकम, ट्रम्प प्रशासन ने रोकी
- ये सुविधाएं सरकार की ओर से मिलने वाली मदद से चलती हैं
- अगर जल्दी फैसला लिया गया तो इन जरूरतमंद बच्चों की मदद की जा सकती है

ईस्ट प्रोविडेंस। अमेरिका के 20 से ज्यादा राज्यों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन पर मुकदमा दायर किया है। उनका कहना है कि ट्रम्प प्रशासन ने स्कूल के बाद और ग्रीष्मकालीन कार्यक्रमों तथा अन्य के लिए दी जाने वाली अरबों डॉलर की धनराशि रोक दी है।

ऐडेन कैजारेस उन 14 लाख बच्चों और किशोरों में से एक हैं, जो स्कूल के बाद या गर्मियों में बायज एंड गर्ल्स क्लब, वाईएमसीए या किसी पब्लिक स्कूल में मुफ्त में कार्यक्रमों में हिस्सा लेते हैं। ये सुविधाएं सरकार की ओर से मिलने वाली मदद से चलती हैं।

कांग्रेस ने ज्यादातर कम आय वाले परिवारों को शैक्षणिक सहायता, संवर्धन और बाल देखभाल प्रदान करने के लिए इन कार्यक्रमों के लिए धनराशि अलग रखी थी, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन ने हाल ही में इस धनराशि को रोक दिया है। 21वीं सदी के सामुदायिक शिक्षण केंद्रों के लिए दी जाने वाली राशि, जो संघीय शिक्षा अनुदानों में से एक है, को भी ट्रम्प प्रशासन ने रोक दिया है। ये रकम कुल मिलाकर 6 अरब डॉलर से ज्यादा है। ट्रम्प प्रशासन का कहना है कि वह यह सुनिश्चित करना चाहता है कि जिन संस्थाओं को पैसा दिया जा रहा है, वे ट्रम्प की नीतियों के अनुसार काम कर रही हैं या नहीं। ईस्ट प्रोविडेंस के बायज एंड गर्ल्स क्लब के अनुसार, रोड आइलैंड राज्य ने अपने स्तर पर ग्रीष्मकालीन कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए धन मुहैया कराया है। लेकिन शरद ऋतु में स्कूल के बाद चलने वाले कार्यक्रमों को लेकर चिंता बनी हुई है। बायज एंड गर्ल्स क्लब आफ अमेरिका की संचार उपाध्यक्ष सारा ल्यूटजिंगर ने कहा कि अगर ट्रम्प प्रशासन अगले तीन से पांच हफ्तों में धनराशि जारी नहीं करता है, तो देशभर में 926 क्लबों में से कई बंद हो सकते हैं। वाईएमसीए और सेव च चिल्ड्रन संगठन ने भी कहा है कि उनके कई केंद्रों को भी बंद करना पड़ सकता है। सेव द चिल्ड्रन एक्शन नेटवर्क की कार्यकारी निदेशक क्रिस्टी ग्लीसन ने कहा कि समय की बहुत अहमियत है। उनके संगठन ने अमेरिका के दक्षिणी ग्रामीण इलाकों और वाशिंगटन राज्य के 41 स्कूलों में कार्यक्रम शुरू किए हैं, जहां अगस्त से स्कूल शुरू हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर जल्दी फैसला लिया गया तो इन जरूरतमंद बच्चों की मदद की जा सकती है। जिन स्कूलों की फंडिंग रोकी गई है, उनमें ज्यादातर रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं वाले इलाकों में हैं। वामपंथी थिंक टैंक, न्यू अमेरिका के एक विश्लेषण के अनुसार, सबसे ज्यादा प्रभावित 100 स्कूल जिलों में से 91 रिपब्लिकन इलाकों में हैं। ये जिले खास तौर पर कैलिफोर्निया, वेस्ट वर्जीनिया, फ्लोरिडा और जार्जिया राज्यों में हैं।

यूक्रेन की प्रधानमंत्री बनेंगी यूलिया स्विरीडेंको

कीव। यूलिया स्विरीडेंको यूक्रेन की नई प्रधानमंत्री बन सकती हैं। खुद राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने उनकी सिफारिश की है। यूलिया, जेलेंस्की की करीबी मानी जाती हैं। वह 2020 से पीएम पद पर काबिज डेनिस श्मिहाल की जगह लेंगी। जेलेंस्की ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि वे सरकार में जरूरी बदलाव चाहते हैं। हालांकि यूलिया का पीएम बनाना संसद की मंजूरी पर निर्भर करता है। जेलेंस्की की पार्टी 'सर्वेंट आफ द पीपल' 2019 से 254 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत में है। ऐसे में माना जा रहा है कि वे देश की अगली पीएम बनेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक यूलिया के प्रधानमंत्री बनाए जाने को लेकर आज संसद में चर्चा हो सकती है। यूलिया को नए पीएम बनाए जाने की कोशिश को लेकर विपक्षी पार्टियां नाराज हैं। उनका कहना है कि उप-प्रधानमंत्री को ही प्रधानमंत्री बनाना कोई बड़ा बदलाव नहीं है, बल्कि बस चेहरों की अदला-बदली है। कुछ विरोधियों का यह भी आरोप है कि जेलेंस्की ने यह कदम इसलिए उठाया है ताकि वह अपनी सत्ता और मजबूत कर सकें। उन्होंने जेलेंस्की पर अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है।

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के पास एक डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस में लगी आग को बुझाते अग्निशमन कर्मी।

आतंकवाद से सख्ती से निपटने के उद्देशयों पर अड़िग रहे एससीओ: जयशंकर

बीजिंग/ नई दिल्ली। विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) से आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की चुनौती से सख्ती से निपटने के अपने उद्देश्यों पर अड़िग रहने का आह्वान करते हुए कहा है कि भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की अपनी नीति पर चलते हुए आतंकवादियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करता रहेगा। डा. जयशंकर ने मंगलवार को यहां बीजिंग में संगठन के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियो की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि इस संगठन की स्थापना आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की चुनौती से निपटने के लिए की गई थी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में नृशंस आतंकवादी हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ए तीनों चुनौती अक्सर एक साथ आती हैं। उन्होंने कहा कि यह हमला जानबूझकर जम्मू-कश्मीर की पर्यटन अर्थव्यवस्था को कमजोर करने और धर्म के आधार पर विभाजन को बढ़ावा देने के लिए किया गया था। उन्होंने कहा कि शंघाई सहयोग संगठन के कुछ सदस्य संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के भी सदस्य हैं और सुरक्षा परिषद ने इस हमले की कड़े शब्दों में निदा की है।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश नौसेना ने 34 भारतीय मछुआरों को हिरासत में लिया

ढाका। बंगलादेश की नौसेना ने कथित तौर पर उनके देश की समुद्री सीमा में प्रवेश करने और बंगाल की खाड़ी में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में 34 भारतीय मछुआरों को हिरासत में लिया है। एक समाचार रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। यूएनबी की रिपोर्ट के अनुसार कल समुद्र में फेयरवे बॉय क्षेत्र के पास मछली पकड़ने वाले दो ट्रॉलर, एफबी झोर और एफबी मंगल चांदी-38 को भी जब्त कर लिया गया। हिरासत में लिए गए मछुआरों को आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए मोंगला भेजा गया है।

गजनी में हमलावरों ने की पांच लोगों की गोली मारकर हत्या

काबुल। अफगानिस्तान के गजनी प्रांत में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने एक ही परिवार के पांच लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। प्रांतीय सरकार के एक प्रवक्ता ने सोमवार रात को यह जानकारी दी। गजनी के गवर्नर के प्रवक्ता एजातुल्लाह सईदी ने बताया कि यह घटना कारा बाग ज़िले के तोलाखैल इलाके में हुई। यहां एक घर में हमलावर घुस आए और गोलीबारी शुरू कर दी जिससे परिवार के पाँच सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। सईदी ने बताया कि इस मामले में कई संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है।

कनाडा में गर्मी की अनेक चेतावनी जारी की

ओटावा। कनाडा के पर्यावरण प्राधिकरण ने सोमवार दोपहर को ओंटारियो, क्यूबेक और अटलांटिक प्रांतों सहित कई प्रांतों के लिए गर्मी की चेतावनी जारी की। पर्यावरण कनाडा के अनुसार, गर्मी की चेतावनी में टोरंटो, ओटावा और मॉन्ट्रियल जैसे बड़े शहर भी शामिल हैं जहां दिन का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है जो उच्च आर्द्रता के साथ 42 डिग्री तक महसूस होगा और गुरुवार रात तक इसे जारी रहने की उम्मीद है। प्राधिकरण ने कहा कि दक्षिणी ओंटारियो में इस सप्ताह अधिकांश समय गर्मी और उमस महसूस होगा।

फ्रांस में राष्ट्रपति की पत्नी के पुरुष होने की चर्चाएं

दो महिला यूट्यूबर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में मामला दर्ज

कहा गया था, जेंडर बदलकर की शादी

पेरिस। फ्रांस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पत्नी ब्रिगिट मैक्रों ने दो महिला यूटयूबर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में केस दायर किया है। इन महिलाओं ने सनसनीखेज दावा करते हुए कहा था कि ब्रिगिट मैक्रों महिला नहीं, बल्कि पुरुष हैं। इनका कहना था कि ब्रिगिट का असली नाम जीन-मिशेल ग्रोग्रेन्क्स था। हालांकि यह नाम ब्रिगिट के भाई का है।

जीन-मिशेल और ब्रिगिट की शक्ल आपस में काफी हद तक मिलती है। इसके बाद प्रथम महिला ने इनके खिलाफ पेरिस की एक अदालत में केस किया था। कोर्ट ने सितम्बर 2023 में दोनों महिलाओं को दोषी ठहराया था और उन्हें ब्रिगिट मैक्रों को 7 लाख रुपए और उनके भाई को 5 लाख रुपए हर्जाना देने का आदेश दिया था। हालांकि पेरिस की एक अपील अदालत ने 10 जुलाई को इस फैसले को पलट दिया था। इसके बाद ब्रिगिट मैक्रों और उनके भाई ने अब इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की है। ब्रिगिट और उनके भाई जीन-मिशेल ट्रोगन्यू की ये तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। यह मामला दिसम्बर 2021 का है, जब अमंडाइन राय नाम की महिला यूटयूबर ने एक पत्रकार नताशा रे का इंटरव्यू किया। 4 घंटे के इस इंटरव्यू में नताशा ने दावा किया कि ब्रिगिट मैक्रों पुरुष हैं। नताश रे ने यह भी दावा किया कि उन्होंने इस जानकारी के लिए 3 साल तक रिसर्च की। रे ने दावा कि जीन मिशेल ने लिंग परिवर्तन कराने के बाद इमैनुएल मैक्रों से शादी की थी। यह वीडियो वायरल हो गया और पूरी दुनिया में इसे लेकर कान्सपिरेसी थ्योरी फैलने लगी। अमेरिका में भी यह मामला तेजी से फैला। दो ट्रम्प समर्थक पत्रकारों कैंडेस ओवेन्स और टकर कार्लसन ने इसे सबसे ज्यादा हवा दी। दोनों ने इससे जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। उन्होंने दावा करते हुए खहा कि यह मानव इतिहास का सबसे बड़ा राजनीतिक घोटाला है। ओवेन्स ने दावा किया कि ब्रिगिट और उनके भाई जीन-मिशेल ट्रोग्नेक्स वास्तव में एक ही व्यक्ति हैं। यानी ब्रिगिट पहले जीन-मिशेल के नाम से एक पुरुष थीं और बाद में लिंग परिवर्तन कर महिला बनीं। ओवेन्स ने यहां तक कहा कि वह अपनी पूरी पेशेवर प्रतिष्ठा इस बात पर दांव पर लगा देंगी कि ब्रिगिट मैक्रों वास्तव में पुरुष हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस पर टैरिफ की दी धमकी

- अमेरिका नाटो देशों के माध्यम से यूक्रेन को उच्चतम श्रेणी के हथियार भेजेगा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा किया है कि अमे. रिका नाटो देशों के माध्यम से यूक्रेन को उच्चतम श्रेणी का हथियार भेजेगा, साथ ही उन्होंने रूस को धमकी दिया कि अगर 50 दिनों के अंदर युद्ध समाप्ति के लिए समझौता नहीं हुआ तो वह रूस पर कड़े टैरिफ लगाएंगे। यह जानकारी बीबीसी ने मंगलवार को दी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, वाशिंगटन में नाटो प्रमुख मार्क रूटे के साथ बैठक के बाद ट्रम्प ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यूक्रेन वह कर सके जो वह करना चाहता है। रूटे ने पुष्टि किया कि अमेरिका ने नाटो के माध्यम से यूक्रेन को आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति करने का निर्णय लिया है तथा यूरोपीय देश इसका खर्च वहन करेंगे। ट्रम्प ने कहा कि यूरोपीय देश यूक्रेन को अपनी पैट्रियट वायु रक्षा प्रणालियां देंगे जिस पर यूक्रेन रूस के घातक हवाई हमलों को विफल करने के लिए निर्भर है और इसके बाद अमेरिका प्रतिस्थापन प्रणाली जारी करेगा। हालांकि न तो रूटे और न ही ट्रम्प ने कीव को भेजे जाने वाले हथियारों के बारे में विस्तार से बताया लेकिन रूटे ने कहा कि सौदे में मिसाइल और गोला-बारूद शामिल हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति का हथियार देने का वादा यूक्रेन के लिए एक बड़ा कदम है। ट्रम्प ने कहा कि यूक्रेन की मदद के लिए अरबों डॉलर मूल्य के उच्च-स्तरीय हथियार युद्धक्षेत्र में तेजी से वितरित किए जाएंगे। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने एक्स पर कहा कि उन्होंने रूटे के साथ बैठक करने के बाद ट्रम्प से बात की और यूक्रेन का समर्थन करने, हत्याओं को रोकने तथा स्थायी एवं न्यायपूर्ण शांति स्थापित करने के लिए साथ मिलकर काम करने की उनकी इच्छा के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि हमने राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ रूसी हमलों से लोगों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करने और अपनी स्थिति मज़बूत करने के लिए आवश्यक उपायों व समाधानों पर चर्चा की।

सीरिया में सैन्य टैंको पर इजरायली हमला

सरकारी बलों और ड्रूज मिलिशिया संघर्ष में 30 की मौत

- सीरिया में 13 साल से गृहयुद्ध चल रहा है

बुसरा अल-हरीर। इजरायली सेना ने कहा कि उसने सीरिया के दक्षिणी हिस्से में कुछ सैन्य टैंकों पर हमला किया है। यह हमला उस समय हुआ, जब वहां सीरियाई सरकारी बलों और बेडौइन जनजातियों की ड्रूज मिलिशिया के बीच झड़प हुई थी। सीरिया में 13 साल से गृहयुद्ध चल रहा है और अब भी वहां शांति पूरी तरह नहीं लौटी है।

दक्षिणी सीरिया के स्वेदा प्रांत में स्थानीय मिलिशिया और कबीलों के बीच लड़ाई में दर्जनों लोग मारे गए हैं। जब सरकारी सुरक्षा बल शांति बहाल करने के लिए पहुंचे, तो उनकी भी सशस्त्र समूहों के साथ झड़प हुई। सीरिया के गृह मंत्रालय ने बताया कि अब तक 30 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और करीब 100 लोग घायल हुए हैं। ब्रिटेन की युद्ध निगरानी संस्था सीरियन आब्जर्वेटरी फार ह्यूमन राइट्स ने बताया कि कम से कम 89 लोग मारे गए हैं, जिनमें दो बच्चे, दो महिलाएं और 14 सुरक्षा बल के सदस्य शामिल हैं। आब्जर्वेटरी ने बताया कि लड़ाई की शुरुआत ड्रूज और सुन्नी बेडौइन कबीलों के सशस्त्र समूहों के बीच हुई। सरकारी सुरक्षा बलों के कुछ सदस्य भी बेडौइन पक्ष की मदद कर रहे थे। सीरिया के गृह मंत्रालय के प्रवक्ता नूरेद्दीन अल-बाबा ने बताया कि सरकारी बल व्यवस्था बहाल करने के लिए सुबह-सुबह स्वेदा में दाखिल हुए। उन्होंने बताया कि कुछ झड़पें गैरकानूनी सशस्त्र समूहों के साथ हुई, लेकिन हमारी को. शिश है कि आम नागरिकों को कोई नुकसान न हो। वेधशाला ने बताया कि झगड़े की शुरुआत उस समय हुई जब एक बेडौइन समूह ने एक ड्रूज युवक को पीटा और लूट लिया। इसके जवाब में दूसरे पक्ष ने भी हमला किया और अपहरण की घटनाएं शुरू हो गईं। वेधशाला के प्रमुख रामी अब्दुर्रहमान ने बताया कि संघर्ष एक ड्रूज सब्जी विक्रेता के अपहरण और लूटपाट से शुरू हुआ।

इंडोनेशिया में नाव पलटी, 11 लोग लापता

जकार्ता। इंडोनेशिया के पश्चिमी सुमात्रा प्रांत के मेंटावाई द्वीप समूह के तट पर सोमवार को एक नाव के पलट जाने से 11 लोग लापता हो गए। इस हादसे में सात लोग तैरकर बाहर आ गए। स्थानीय राहत एंव बचाव दल की आपातकालीन इकाई के प्रमुख डियो उल्वी फिनंदा ने यह जानक. ारी दी है। फिनंदा ने मंगलवार सुबह बताया कि नाव सिकाकाप द्वीप से सिपोरा द्वीप जा रही थी। उन्होंने कहा कि यह घटना स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 11:00 बजे हुई। नाव में सवार सात लोग तैरकर किनारे तक पहुंचने में कामयाब रहे। खोज एवं बचाव कार्यालय ने सूचना के बाद एक नाव और बचाव कर्मियों के साथ एक जहाज घटनास्थल पर भेजा। हालांकि जब वे पहुंचे तो उन्हें नाव कहीं मिली।

प्रवेश सूचना- पैरामैडिकल/वोकेशनल एण्ड यूनिवर्सिटी कोर्स Admission Open
10th व 12th (Open Board) से करें (विषय- साइंस, आर्ट, कॉमर्स)
प्रवेश- 10th हेतु- 8th पास और 10th फेल, 12th हेतु- 10th पास और 12th फेल
Fresh, Part Admission & TOC Facility Available (Exam-Oct/Nov 2025)
NIOS (शिक्षा मंत्रालय) कोर्स- DNYS, Radiology (एक्स-रे टैक.), CCH (एलोपैथिक), CAT (आयुर्वेदिक-पंचकर्मा टैक.), CHD (होम्योपैथिक), ECCE (प्री-प्राईमरी शिक्षक हेतु), Diploma in Yoga & YTTP, CCA (कम्प्यूटर), ET (इलेक्ट्रिकल टैक.) ETC.
Contact for UGC Approved University Courses:-
Dip. in CMS&ED, DPT, DMLT, OPTOMETRY, OPHTHALMIC, OT TECH MPHW, DENTAL TECH. & HYGIENE, RADIOLOGY & BACHELOR (IN All Paramedical), (M.SC, B.SC, B.COM, M.COM) BA/MA/PGD YOGA ETC...
-: प्रवेश हेतु सम्पर्क करे :-
श्री कृष्णा वोकेशनल एण्ड पैरामैडिकल कॉलेज
गांधी कालोनी, मेन पचैण्डा रोड़, निकट गऊशाला, मु.नगर
M.: 8505978850, 9634519104

पाक से शियाओं के अकेले ईरान-इराक जाने पर बैन

- गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने तेहरान में ईरान-इराक के अधिकारियों से मुलाकात के बाद फैसला लिया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने अगले साल से शिया नागरिकों के अकेले इराक-ईरान जाने पर रोक लगा दी है। पाकिस्तानी अखबार द डान के मुताबिक गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने तेहरान में ईरान और इराक के अधिकारियों से मुलाकात के बाद यह फैसला लिया।

नकवी ने कहा कि 1 जनवरी 2026 से शिया नागरिक अकेले नहीं बल्कि रजिस्टर्ड ग्रुप की मदद से यात्रा कर पाएंगे। इन रजिस्टर्ड ग्रुप का काम लोगों को इराक ले जाना और उन्हें वहां से वापस लाना होगा। पाकिस्तान में शिया तीर्थयात्रियों को जायरीन कहा जाता है। हर साल हजारों शिया मुसलमान इराक और ईरान के पवित्र स्थलों की यात्रा करते हैं। इनमें से कई लोग अपने वीजा की तय सीमा से ज्यादा समय तक वहां रुक जाते हैं, कुछ अवैध काम भी करने लगते हैं। इससे पाकिस्तान का इन दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव पैदा होता है और पाकिस्तान की छवि भी खराब होती है। अब से इन दोनों की यात्रा पर जाने वाले शिया तीर्थयात्रियों को अब अधिकृत टूर आयोजकों के साथ जाना होगा। इन आयोजकों की जिम्मेदारी होगी कि वे यह सुनिश्चित करें कि कोई तीर्थयात्री समय से ज्यादा इराक में न रुके।

कनाडा में जगन्नाथ रथ यात्रा पर अंडे फेंके

- भक्त बोले: नफरत विश्वास को नहीं हरा सकती, भारत सरकार से कार्रवाई की अपील

ओटावा। कनाडा में 11 जुलाई को इस्कान की जगन्नाथ रथ यात्रा पर कुछ लोगों ने छतों से अंडे फेंके। इस घटना का वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। यह घटना उस वक्त घटी जब भक्त सड़कों पर नाचते हुए भजन कर रहे थे।

सोशल मीडिया यूजर संगना बजाज ने घटना का एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा-किसी ने पास की इमारत से हम पर अंडे फेंके। क्यों? क्योंकि हमारा विश्वास शोर मचाता है? क्योंकि हमारी खुशी अनजान लगती है? हम नहीं रुके, क्योंकि भगवान जगन्नाथ सड़कों पर हैं, कोई नफरत हमें हिला नहीं सकती। वहीं, टोरंटो में रहने वाली एक एनआरआई ने कहा- हम हैरान और आहत थे, लेकिन हमने यात्रा नहीं रोकी। नफरत कभी भी विश्वास को नहीं हरा सकती। इस घटना की निंदा करते हुए ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इसे भक्तों की भावनाओं पर हमला बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा-टोरंटो में रथ यात्रा के दौरान भक्तों पर अंडे फेंके जाने की खबर से दुखी हूं। यह घटना न सिर्फ जगन्नाथ भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंचाती है, बल्कि ओडिशा के लोगों के लिए भी दुखद है।

ROOP RAKSHAK
आप के रूप का रक्षक
क्या आप अपने चेहरे के मुहासों (Acne) से परेशान हैं। अपनाएं ....
क्या आप अपने चेहरे के दाग, धब्बे व झाईयों से परेशान हैं, अपनाएं
(भारत सरकार द्वारा रजिस्ट्रर्ड ब्रांड)
Customer Care No. 9457717311

ADMISSION OPEN
Session 2025-26
न्यू स्टेट नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल कालेज
12 किमी. स्टोन, रुड़की रोड, मुजफ्फरनगर
Affiliated by: U.P. State Medical Faculty Lucknow and recognized by the U.P. Govt.
कोर्स
• डी० पी० टी० • ऑप्टोमैट्री • ओ० टी० टैक्नीशियन
कोर्स अवधि : 2 वर्ष
योग्यता : 12वीं पास बायोलोजी/गणित
हसन नर्सिंग होम
92, उत्तरी सरवट गेट, मुजफ्फरनगर
मो0: 8899777782
9897640744
अखबार की कटिंग साथ लाने वाले को 5000 की छूट